राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शनिवार 14 जून 2025 वर्ष-8,अंक-115 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एयर इंडिया के विमान की थाईलैंड में इमरजेंसी लैंडिंग

बम होने की सूचना, फुकेट से दिल्ली आ रहा था, 156 यात्री थे सवार

बैंकॉक (एजेंसी)। थाईलैंड के फुकेट इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एअर इंडिया की फ्लाइट एआई-379 की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। यहां प्लेन में बम होने की सूचना मिली थी। विमान में 156 लोग सवार थे। फ्लाइट फुकेट से दिल्ली आ रही थी। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने फ्लाइट ट्रैकर फ्लाइट्रेडर24 के हवाले से

बताया कि एअर इंडिया की फ्लाइट ने फुकेट एयरपोर्ट से भारतीय समयानुसार सुबह 9.30 बजे (स्थानीय समयानुसार दोपहर 2.30 बजे) टेकऑफ किया था। विमान अंडमान सागर के ऊपर एक बड़ा चक्कर लगाते हुए पलटा और करीब 20 मिनट बाद फुकेट में सुरक्षित इमरजेंसी लैंडिग की। सभी यात्री और क्रू सेफ हैं, किसी को भी कोई नुकसान नहीं हुआ है। नेशन थाईलैंड ने बताया कि बम की धमकी मिलते ही फुकेट एयरपोर्ट ने एयरपोर्ट कंटिन्जेंसी प्लान (एसीपी) एक्टिवेट कर दिया।

मिल गया डीवीआर

अब खुलेंगे प्लेन क्रैश से जुड़े सारे राज

● एयर इंडिया के दुर्घटनाग्रस्त विमान का डीवीआर हुआ बरामद ● अब तक 265 शव अस्पताल लाए गए, डीएनए सैंपलिंग जारी

अहमदाबाद (एजेंसी)। दुर्घटनाग्रस्त प्लेन एयर इंडिया फ्लाइट नंबर एआई-171 का डिजिटल वीडियो रिकॉर्डर (डीवीआर) बरामद कर लिया गया है। काफी मशक्कत के बाद इसे मलबे से बरामद किया गया है। बता दें कि इस डीवीआर से महत्वपूर्ण डेटा स्टोर रहता है जिससे विमान दुर्घटना का सही कारण पता चल पाएगा। बता दें कि फ्लाइट में लगे सीसीटीवी कैमरे बहुत कुछ रिकॉर्ड करते हैं, जिसका डाटा डीवीआर में स्टोर होता है। ये कैमरे कॉक-पिट से लेकर पैसेंजर केबिन तक सब कुछ रिकॉर्ड करते हैं। एंट्री और एग्जिट गेट के साथ इमरजेंसी गेट भी इनकी नजरों से बच नहीं पाते। इन कैमरों में रिकॉर्डिंग स्टोर भी होती है। घटना की पुष्टि करते हुए घटनास्थल पर मौजूद एटीएस अधिकारी ने कहा कि यह एक डीवीआर है, जिसे हमने मलबे से बरामद किया है। एफएसएल टीम जल्द ही यहां आएगी और डीवीआर की जांच करेगी। जो दुर्घटना की ओर ले जाने वाली घटनाओं के बारे में महत्वपूर्ण सुराग दे सकती है। अहमदाबाद में हुए प्लेन क्रैश में अब तक 265 लोगों के शव बरामद कर लिए गए हैं। इनमें से 241 मृतक विमान में सवार पैसेंजर्स और क्रू मेंबर्स थे। 5 मृतक उस मेडिकल हॉस्टल के हैं, जहां प्लेन क्रैश हुआ था। विमान जिस बीजे मेडिकल कॉलेज हॉस्टल पर गिरा, वहां 50 से ज्यादा लोग मौजूद थे। हालांकि, अभी यह क्लियर नहीं हुआ है कि हॉस्टल में कितनी मौतें हुई हैं। 4 एमबीबीएस छात्र और एक डॉक्टर की पत्नी के मारे जाने की खबर आ रही है। इससे पहले शुक्रवार सुबह पीएम मोदी अहमदाबाद पहुंचे। सबसे पहले उन्होंने घटनास्थल का दौरा किया। इसके बाद वे सिविल अस्पताल गए, जहां वे करीब 10 मिनट पीड़ितों से मिले। मृतकों में गुजरात के पूर्व सीएम विजय रूपाणी भी शामिल हैं, जबकि सिर्फ एक यात्री की जान बची है।

अहमदाबाद विमान हादसे में 60 विदेशी यात्रियों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस हादसे में 60 विदेशियों की भी मौत हो गई है। हादसे में एक ब्रिटिश पैसेंजर जिंदा बच गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इसे घटना को प्लेन हादसों के इतिहास में सबसे बुरी दुर्घटनाओं में से एक बताया है।

व्हाइट हाउस में बोलते हुए उन्होंने कहा कि यह एक भयानक दुर्घटना थी। हम जो कुछ भी कर सकते हैं, करेंगे। ट्रंप ने कहा- किसी को कुछ पता नहीं चला कि क्या हुआ। ऐसा लग रहा था कि वह ठीक-ठाक उड़ रहा था। वहीं जांच में शामिल होने के लिए ब्रिटेन की एक टीम भी आएगी। ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर ने यह जानकारी संसद में दी है। वह अपने नागरिकों को लेकर काफी चिंतित हैं।

पीएम मोदी ने पूर्व सीएम विजय रूपाणी के परिवार से की मुलाकात

पीएम मोदी ने गांधीनगर में विजय रूपाणी के परिवार से मुलाकात की। उन्होंने एक्स पर लिखा- यह कल्पना करना भी मुश्किल है कि विजयभाई अब हमारे बीच नहीं हैं। मैं उन्हें दशकों से जानता था। हमने साथ मिलकर काम किया, कंधे से कंधा मिलाकर, कई मुश्किल दौरों में भी। विजयभाई विनम्र और मेहनती थे, और पार्टी की विचारधारा के प्रति पूरी तरह समर्पित थे। उन्होंने संगठन में विभिन्न जिम्मेदारियां निभाईं और बाद में गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में ईमानदारी से सेवा की।

प्लेन क्रैश में बचे इकलौते यात्री ने बताया कैसे जिंदा बचा

अहमदाबाद (एजेंसी)। अहमदाबाद प्लेन हादसे में जिंदा बचे इकलौते यात्री रमेश विश्वास कुमार ने बताया कि मुझे विश्वास नहीं होता कि मैं कैसे जिंदा बाहर निकला। शायद दरवाजा टूटा और सीट समेत नीचे गिर गया। मुझे कुछ याद नहीं था। रमेश कुमार अहमदाबाद के सिविल अस्पताल में भर्ती हैं। पीएम

मोदी ने शुक्रवार को उनसे मुलाकात की और हालचाल जाना। दोनों के बीच करीब 10 मिनट बातचीत हुई। इसके बाद रमेश ने डीडी न्यूज से बातचीत में कहा, पीएम ने उनका हालचाल जाना और पूछा कि हादसा कैसे हुआ। रमेश प्लेन की 11ए सीट पर बैठे थे। हादसे के बाद वे घटनास्थल से खुद पैदल चलकर बाहर निकले। उधर सिविल अस्पताल में एक के बाद एक शवों से भरी एंबुलेंस सिविल अस्पताल के पोस्टमार्टम रूम में भेजी जा रही है। अब तक 265 शवों के पोस्टमॉर्टम किए जा चुके हैं। गुजरात सरकार ने मृतकों और घायलों के परिजन की सुविधा के लिए हेल्पलाइन नंबर- 9978405304 और 079 232 51900 जारी किए हैं।

एयर इंडिया के बोइंग 787-8 पर रोक की तैयारी

केंद्र सरकार बोइंग ड्रीमलाइनर 787-8 विमान को उड़ान भरने से रोकने पर विचार कर रही है। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि सिक्योरिटी रिव्यू के लिए विमानों को ग्राउंड किया जा सकता है। यह फैसला अहमदाबाद में हुए प्लेन क्रैश के बाद लिया गया है। एअर इंडिया का 787-8 विमान 12 जून को अहमदाबाद में क्रैश हुआ था। इसमें अब तक 265 लोगों के शव बरामद कर लिए गए हैं। इनमें से 241 मृतक विमान में सवार पैसेंजर्स और क्रू मेंबर्स थे। 5 मृतक उस मेडिकल हॉस्टल के हैं, जहां प्लेन क्रैश हुआ था। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के पूर्व जॉइंट सेक्रेटरी सनत कौल ने न्यूज एजेंसी से बातचीत में कहा- डीजीएसए (डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन) ने एअर इंडिया को कई बार लेटर लिखा था। जिसमें सिक्योरिटी, गलत तरह से चेकिंग और अन्य खामियों से जुड़ी बातें बताई गई थीं। अब जब हादसा हो गया तो एअर इंडिया पर सवाल उठ रहा है।

भाग्य पर व्याख्यान देने के बजाय जवाबदेही तय करें गृहमंत्री: कांग्रेस

-पार्टी इस सामूहिक दुख और पीड़ा के समय में राष्ट्र के साथ खड़ी है

नई दिल्ली। कांग्रेस ने अहमदाबाद विमान दुर्घटना में हुई मौतों पर शुक्रवार को दुख जताया और गृहमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि घटनास्थल का दौरा करने के बाद गृह मंत्री अमित शाह भाग्य पर व्याख्यान देने के बजाय जवाबदेही तय करने का वादा कर सकते थे। बता दें शाह विमान हादसे के कुछ घंटे बाद अहमदाबाद पहुंचे थे और कहा था कि दुर्घटनाग्रस्त हुए एअर इंडिया के विमान का तापमान ईंधन जलने के कारण इतना ज्यादा था कि किसी को बचा पाने की गुंजाइश ही नहीं थी। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया जिसमें कांग्रेस एआई-171 विमान दुर्घटना में जान गंवाने वाले सभी यात्रियों, चालक दल के सदस्यों और उन निर्दोष लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करती है जो दुर्घटनास्थल के आसपास मौजूद थे और हादसे का शिकार हुए। हम इस त्रासदी से प्रभावित परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट करते हैं। उन्होंने कहा कि यह एक बेहद भीषण और हृदय विदारक दुर्घटना है, जिसने पूरे देश को सदमे में डाल दिया है। कांग्रेस पार्टी इस सामूहिक दुख और पीड़ा के समय में राष्ट्र के साथ खड़ी है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेत पवन खेड़ा ने अमित शाह के बयान का संक्षिप्त वीडियो साझा करते हुए एक्स पर पोस्ट किया- जब एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया और लोगों की मौत हो गई, तो गृह मंत्री कम से कम जवाबदेही का वादा कर सकते हैं, न कि भाग्य पर व्याख्यान दें। खेड़ा के मुताबिक गृह मंत्री ने कहा था कि दुर्घटनाओं को कोई नहीं रोक सकता। खेड़ा ने सवाल किया कि यदि कुछ भी रोका नहीं जा सकता, तो हमारे पास मंत्रालय हैं ही क्यों? उन्होंने कहा कि विमानन दुर्घटनाएं दैवीय कृत्य नहीं हैं उन्हें रोका जा सकता है। इसीलिए हमारे पास विमानन नियामक, सुरक्षा प्रोटोकॉल और संकट के समय प्रतिक्रिया की प्रणालिया हैं। उन्होंने कहा कि अमित शाह के तर्क के मुताबिक क्या हमें सुरक्षा बुनियादी ढांचे, विनियमन, या संकट की तैयारी में निवेश करना पूरी तरह से बंद कर देना चाहिए? उन्होंने सवाल किया कि क्या इसे भाग्य पर छोड़ देना चाहिए?

मंदिर के पास 'बीफ' मिलने के बाद धुबरी में तनाव

● सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने दिए गोली मारने के आदेश

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के धुबरी में दो समुदायों के बीच तनाव की घटना के बाद मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने देखते ही गोली मारने के आदेश जारी किए हैं। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने एक्स पर लिखा है कि धुबरी में एक विशेष वर्ग हमारे मंदिरों को क्षति पहुंचाने की नीयत से सक्रिय हो चुका है। इसके बाद हमने देखते ही गोली मारने के आदेश जारी किए हैं। धुबरी में एक मंदिर के पास मांस फेंकने की घटना के बाद बवाल खड़ा हो गया था। यह भी कहा गया था कि यह

बीफ है। इसके बाद धुबरी शहर में निषेधाज्ञा लागू कर दी गई थी। अब सीएम ने शूट एड साइड के ऑर्डर दिए हैं। असम के धुबरी में रविवार को मंदिर के पास मांस मिलने के बाद विरोध शुरू हुआ था। इसके बाद इलाके में तनाव फैल गया था। पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़कर प्रदर्शनकारियों को काबू में किया था। पुलिस ने इलाके में शांति बहाल करने के लिए हिंदू-मुस्लिम समेत सभी धर्मों के लोगों को शामिल करके शांति कमेटियां बनाई थीं। इसके बाद गुवाहाटी से आए कानून-व्यवस्था के महानिरीक्षक अखिलेश कुमार सिंह और दूसरे अधिकारियों ने भी दौरा किया था। तब यह माना गया था कि हालात पूरी तरह सामान्य हैं, लेकिन धुबरी में तनाव खत्म नहीं हो रहा है। जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने रविवार को कहा था कि ईद पर्व के एक दिन बाद असम के कई स्थानों पर अवैध रूप से मवेशियों का वध किया गया और उनके मांस के टुकड़े कई जगहों पर फेंके गए, जिससे राज्य में तनाव की स्थिति बनी। प्रशासन की सक्रियता और दोनों समुदायों के सहयोग से धुबड़ी में अब शांति बहाल हो गई है। सीएम हिंमता ने कहा है कि हिंदू मंदिरों को निशाना बनाने की कोशिश हो रही है।

इजरायल-ईरान झगड़े में अब कूद गया भारत, परमाणु ठिकानों पर अटैक के बाद तुरंत एक्शन में आया

प्रधानमंत्री मोदी ने इजराइल पीएम नेतन्याहू से बातचीत की, शांति और स्थिरता की शीघ्र बहाली पर जोर दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को बताया कि उन्हें इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का फोन आया, जिन्होंने उन्हें ईरानी ठिकानों पर इजरायल के हवाई हमलों के बाद उभरती सुरक्षा स्थिति के बारे में जानकारी दी। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को फोन कर पश्चिम एशिया में उभरते हालात की जानकारी दी। मोदी ने शांति और स्थिरता की शीघ्र बहाली की आवश्यकता पर बल दिया। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का फोन आया। उन्होंने मुझे मौजूदा स्थिति के बारे में जानकारी दी। मैंने

भारत की चिंताओं को साझा किया और क्षेत्र में शांति और स्थिरता की शीघ्र बहाली की आवश्यकता पर जोर दिया।' इजराइल ने शुक्रवार की सुबह ईरान पर हमला किया जिसमें शीर्ष सैन्य अधिकारी मारे गए और परमाणु और मिसाइल ठिकानों को निशाना बनाया गया, जिससे पश्चिम एशिया के दो कट्टर विरोधियों के बीच एक व्यापक युद्ध की आशंका बढ़ गई है। यह 1980 के दशक में इराक के साथ युद्ध के बाद ईरान पर सबसे बड़ा हमला था। इससे पहले दिन में विदेश मंत्रालय ने कहा था कि भारत ईरान और इजराइल के बीच हाल के घटनाक्रमों से 'बेहद चिंतित' है और उभरती स्थिति पर 'करीब से नजर रख रहा है'। भारत ने 'दोनों पक्षों से तनाव बढ़ाने वाले किसी भी कदम से बचने' का आग्रह किया।

अनुष्का से रिश्ता कबूलने के बाद बनारस में दिखे 'तेज'

● लालू के लाल ने बाबा विश्वनाथ के दरबार में लगाई हाजिरी

वाराणसी (एजेंसी)। बिहार के पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव हाल ही में अपने व्यक्तिगत जीवन को लेकर सुर्खियों में आए थे। अनुष्का यादव के साथ फेसबुक पर उनकी फोटो वायरल हुई। इसके बाद लालू यादव ने उनको राजद से बाहर का रास्ता दिखा दिया। इन विवादों के बीच तेज

प्रताप यादव वाराणसी में नजर आए। उन्होंने यहां काशी विश्वनाथ का दर्शन किया। फिर सोशल मीडिया पर इसका एक वीडियो भी शेयर किया। इस वीडियो में तेज प्रताप यादव भक्ति अवतार में नजर आ रहे हैं। वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा है-बाबा विश्वनाथ का आशीर्वाद हो, मां गंगा का निर्मल पवित्र घाट हो, पूरी दुनिया को मैं भूल जाऊं। बनारस में मेरा भोला मुझे याद हो, हर हर महादेव बोलना ही होगा। आपको बता दें कि तेज प्रताप यादव पहले भी दर्शन कर चुके हैं।

मुस्लिमों पर हो रहे जुल्म को लेकर मौलाना तौकीर देंगे गिरफ्तारी

-कहा- इस बार कोई समझौता नहीं करेंगे, बरेली प्रशासन अलर्ट

बरेली (एजेंसी)। इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल के प्रमुख मौलाना तौकीर रजा एक बार फिर सुर्खियों में हैं। बरेली में मौलाना तौकीर ने एक बयान जारी कर यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधा। उन्होंने ऐलान किया कि रविवार को वह गिरफ्तारी देंगे और इस बार कोई समझौता नहीं करेंगे।

मुस्लिम समुदाय पर हो रहे अत्याचार को लेकर मौलाना तौकीर रजा ने बीजेपी सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि इंसाफ पाने के लिए बात किससे करें? जो हमारा, हमारे बच्चों के जानी दुश्मन हैं। हमारी मस्जिदों के दुश्मन हैं। मौलाना तौकीर ने कहा कि सीएम योगी कैसी-कैसी गुस्ताखियां करते हैं। हम सिर्फ खामोश इसलिए हैं क्योंकि हम अपने देश में अमन चाहते है। बड़े आंदोलन की चेतावनी देते हुए तौकीर रजा ने कहा कि हमारे नौजवान गिरफ्तारी देने के लिए निकलेंगे और अगर दंगा होता है, तो उसकी जिम्मेदारी यूपी पुलिस और बरेली पुलिस की होगी।

उन्होंने कहा कि या तो मेरी बात सुनो या फिर मुझे जेल में डाल दो। पहले भी हम लोगो ने कर्फ्यू तोड़कर संगीनों के साए में नमाजें अदा की थीं और एक बार फिर से तारीख दोहराने का समय आ गया है। हालिया दिनों में हैदरी दल पर बरेली पुलिस ने कार्रवाई की, तो इस पर सियासी बयानबाजी शुरू हो गई। मौलाना तौकीर ने हैदरी दल पर कार्रवाई को लेकर पुलिस प्रशासन और सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि बरेली में जो लड़कियां बहक गई थी, उनको मुस्लिम युवाओं ने कहा कि नकाब का मजाक मत उड़ाओ और ऐसे लड़कों पर पुलिस ने कार्रवाई की। ऐसा करके उन्होंने मुसलमानों को भड़काने का काम किया।

मौलाना ने कहा अब खामोश बैठने का वक्त नहीं है। ऐसी आजादी किसी काम की नहीं है। लंबे समय से भंग चल रही इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल संगठन को फिर से बहाल कर दिया गया है। गुरुवार को नई टीम की घोषणा की गई, जिसमें शमशाद बाबू को बरेली का जिलाध्यक्ष और पार्षद अनीस सकलेनी को बरेली महानगर का अध्यक्ष बनाया गया है। सिटी स्टेशन के सामने स्थित मदरसा परिसर में जिले के सीनियर कार्यकर्ताओं के साथ एक अहम बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान मौलाना तौकीर रजा ने मौजूदा हालात पर चिंता जाहिर की।

मौलाना तौकीर रजा ने कहा कि जो लोग आजादी की लड़ाई में अंग्रेजों के तलवे चाट रहे थे, उस समय सच्चे देशभक्त मुसलमानों पर अंग्रेज लाठियां बरसा रहे थे। उन्होंने आगे कहा कि सच्चे हिंदुस्तानी मुसलमान देश के लिए अपनी जान तक दे सकते हैं, उन्हीं पर पुलिस लाठियां चला रही है, जो गद्दार देश को लूट रहे हैं, उन पर कोई कार्रवाई नहीं होती और न कोई कर सकता है। उन्होंने मुसलमानों से अपनी जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया। उन्होंने अन्याय पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा, जब तक बेईमानी हो रही है, हमारे बच्चों की लिंचिंग हो रही है। बहन-बेटियों को बेइज्जत किया जा रहा है, जब तक यह तरीका बंद नहीं किया जाता तब तक हमें आजाद रहने का कोई हक नहीं है। उन्होंने मुसलमानों को कब्र की गर्मी की परवाह करने की सलाह दी और हिम्मत होते हुए भी कुछ न करने पर जवाबदेही का सवाल उठाया।

लखनऊ विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर का विवादित पोस्ट, लिखा

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ विश्वविद्यालय के एक और शिक्षक ने सोशल मीडिया पर विवादित पोस्ट किया है। विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर रविकांत चंदन ने आरएसएस पर निशाना साधा है। अपने पोस्ट में उन्होंने नेहरू का जमकर बखान भी किया। वहीं, दूसरी तरफ प्रोफेसर का विवादित पोस्ट सामने आने के बाद एबीवीपी से जुड़े छात्रों में जबरदस्त आक्रोश है। अहम बात ये है कि ये पहली बार नहीं है जब रविकांत चंदन का नाम विवादों में आए हैं। वे पहले भी विवादों में रहे हैं। साल 2022 में वाराणसी के काशी विश्वनाथ-ज्ञानव्यापी प्रकरण में उन्होंने विवादित टिप्पणी की थी। इसके बाद विश्वविद्यालय कैंपस में स्टूडेंट्स ने उनका जबरदस्त विरोध किया था। 18 मई 2022 को उनसे छात्रों ने मारपीट भी की थी। जिसके बाद एक छात्र को विश्वविद्यालय से निष्कासित कर दिया गया था।

प्रोफेसर रविकांत चंदन ने लिखा है कि मुस्कान और सोनम रघुवंशी जैसी महिलाएं संघी विचार की उपज हैं। ज्योतिबा फुले, सावित्रीबाई फुले, डॉ. अंबेडकर ने महिलाओं के हाथ में कलम

और किताब दी। नेहरू ने वो अवसर उपलब्ध कराए। महिलाओं ने शिक्षा हासिल करके सम्मान और स्वाभिमान के साथ जीने का सलीका सीखा। पिछले दशकों में महिलाओं ने बड़े-बड़े मुकाम हासिल किए। लेकिन आरएसएस ने अपने हिंदुत्व की प्रयोगशाला के लिए बेटियों के हाथों में त्रिशूल और तलवार पकड़ा दी। उनके मन में विधर्मियों के खिलाफ हिंसा और नफरत पैदा की। इसका प्रभाव गुजरात और दिल्ली के दंगों में दिखाई दिया। जाहिर तौर पर इस हिंसा और नफरत का इस्तेमाल भीतर भी होना ही था। आज महिलाएं अगर अपने पतियों की हत्या करवा रही हैं तो इसके लिए सिर्फ और सिर्फ आरएसएस की हिंसा और नफरत की मानसिकता जिम्मेदार है।

पूर्व छात्र ने हसनगंज थाने में तहरीर दी

लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र कार्तिक पांडेय ने हसनगंज थाने में एसोसिएट प्रोफेसर रविकांत चंदन के खिलाफ तहरीर देकर मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। पांडेय ने तहरीर में लिखा- एसोसिएट प्रोफेसर की सोशल मीडिया फेसबुक पर की गई पोस्ट न केवल मानहानि करने वाली है। बल्कि सांप्रदायिक सद्भाव और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के खिलाफ नफरत फैलाने वाला है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

स्वैच्छिक रक्तदान की संस्कृति को बढ़ावा देकर उजाला बने

ऐसा दानदाता समाज, सृष्टि एवं परमेश्वर के प्रति अपना कर्त्तव्य पालन करता है। रक्तदाता कोई भी हो सकता है, जिसका रक्त किसी अत्यधिक जरुरतमंद मरीज को दिया जा सकता है। किसी के द्वारा दिये गये रक्त से किसी को नया जीवन मिल सकता है, उसकी जिन्दगी में बहार आ जाती है। इस वर्ष इस दिवस की थीम है 'रक्त दें, आशा दें- साथ मिलकर हम जीवन बचाते हैं।' यह थीम रक्तदाताओं के जीवन-परिवर्तनकारी प्रभाव पर प्रकाश डालती है, समुदाय और एकता का सम्मान करती है, तथा नए और नियमित रक्तदाताओं दोनों को जीवन बचाने में मदद करने के लिए प्रेरित करती है।

(लेखक- ललित गर्ग)
(विश्व रक्तदाता दिवस -14 जून 2025 पर विशेष)

किसी के जीवन में रंग भरने का, जीवन और मौत के बीच जूझ रहे लोगों को जीवन देने का और अधिक स्वास्थ्य संकट से घीरे व्यक्ति के जीवन में आशा की किरण बनने का सशक्त माध्यम है रक्तदान। दुनिया भर में अनगिनत लोगों को रक्त की अपेक्षा होती है, इसलिये रक्तदान-महादान है। रक्तदान के महत्व को उजागर करने के लिये विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा हर साल 14 जून को 'विश्व रक्तदान दिवस' मनाया जाता है। किसी व्यक्ति के जीवन में रक्तदान के महत्व को समझाने के साथ ही रक्तदान करने के लिये आम इंसान को प्रेरित एवं प्रोत्साहित करने के लिये यह दिवस मनाया जाता है। इंसान की सम्पत्ति का कोई मतलब नहीं अगर उसे बांटा और उपयोग में नहीं लाया जाए, चाहे वे शरीर का रक्त ही क्यों न हो। किसी व्यक्ति की रक्तअल्पता के कारण मृत्यु न हो, इस दृष्टि से रक्तदान एक महान् दान है, जो किसी को जीवन-दान देने के साथ हमें स्वर्ग-पथ की ओर अग्रसर करता है। ऐसा दानदाता समाज, सृष्टि एवं परमेश्वर के प्रति अपना कर्त्तव्य पालन करता है। रक्तदाता कोई भी हो सकता है, जिसका रक्त किसी अत्यधिक जरुरतमंद मरीज को दिया जा सकता है। किसी के द्वारा दिये गये रक्त से किसी को नया जीवन मिल सकता है, उसकी जिन्दगी में बहार आ जाती है। इस वर्ष इस दिवस की थीम है 'रक्त दें, आशा दें- साथ मिलकर हम जीवन बचाते हैं।' यह थीम रक्तदाताओं के जीवन-परिवर्तनकारी प्रभाव पर प्रकाश डालती है, समुदाय और एकता का सम्मान करती है, तथा नए और नियमित रक्तदाताओं दोनों को जीवन बचाने में मदद करने के लिए प्रेरित करती है।

दरअसल विश्व रक्तदान दिवस, शरीर विज्ञान में नोबल पुरस्कार प्राप्त कर चुके वैज्ञानिक कार्ल लैंडस्टाईन की याद में पूरे विश्व में मनाया जाता है, उनका जन्म 14 जून 1868 को हुआ था। उन्होंने मानव रक्त में उपस्थित एग्ल्युटिनिन की मौजूदगी के आधार पर रक्तकणों का ए, बी और ओ समूह की पहचान की थी। रक्त के इस वर्गीकरण ने चिकित्सा विज्ञान में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसी खोज के लिए महान वैज्ञानिक कार्ल लैंडस्टाईन को साल 1930 में नोबल पुरस्कार दिया गया था। उनकी इसी खोज से आज करोड़ों से ज्यादा लोग रक्तदान रोजाना करते हैं और इसी के कारण लाखों की जिंदगियां बचाई जाती हैं, जिससे रक्त प्राप्त करने वाले व्यक्ति को एक नयी जिंदगी और उनके परिवारों के चेहरे पर एक प्राकृतिक मुस्कुराहट देता है। रक्तदान का महत्व न केवल उन हजारों लोगों के जीवन को बचाना है जो रक्त की कमी या अभाव के कारण जीवन एवं मृत्यु के बीच संघर्षरत हैं, बल्कि विभिन्न बीमारियों से प्रभावित कई अन्य लोगों के जीवन को बचाना और उन्हें अनेक बीमारियों से लड़ने में मदद करना भी है। कल्पना कीजिए कि यह जानकर कैसा महसूस होगा कि आपने किसी की जान बचाई है। आपकी वजह से, कोई व्यक्ति अब अपने परिवार के साथ रह रहा है, पढ़ाई कर रहा है और दुनिया में मौजूद है। यह दिन चुनौतियों को स्वीकार करता है और सुरक्षित रक्त दान को सार्वभौमिक रूप से सुलभ बनाने की दिशा में प्रगति को गति देता है।

इस दिवस को मनाने का एक और महत्वपूर्ण कारण स्वैच्छिक रक्तदान की संस्कृति को बढ़ावा देना है। जो यह सुनिश्चित करता है कि दुनिया को सबसे ज्यादा ज़रूरत पड़ने पर सुरक्षित रक्त मिल सके। यह भी देखा गया है कि जब लोगों ने अपना रक्तदान किया है, तो उन्हें कई स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हुए हैं। रक्तदान करने वाले ज्यादातर लोग अपनी बीमारियों से जल्दी ठीक हो जाते हैं और लंबी उम्र जीते हैं, यह वजन घटाने, स्वस्थ लीवर और आयरन के स्तर को बनाए रखने, दिल के दौरे और कैंसर के जोखिम को कम करने में भी मदद करता है। इस अभियान का उद्देश्य सुरक्षित रक्त और प्लाज्मा दान की निरंतर आवश्यकता के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाना, दानकर्ताओं के सकारात्मक प्रभाव पर जोर देना, तथा राष्ट्रीय रक्त कार्यक्रमों में निवेश करने और उन्हें बनाए रखने के लिए सरकारों और विकास भागीदारों से समर्थन जुटाना है।

भारत विश्व की सबसे बड़ी आबादी वाला देश होने के बावजूद रक्तदान में काफी पीछे है। रक्त की कमी को खत्म करने के लिए विश्व भर में रक्तदान दिवस मनाया जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक के तहत भारत में सालाना एक करोड़ यूनिट रक्त की जरूरत है लेकिन उपलब्ध 75 लाख यूनिट ही हो पाता है। यानी करीब 25 लाख यूनिट रक्त के अभाव में हर साल हजारों मरीज दम तोड़ देते हैं। यह अकारण नहीं कि भारत की आबादी भले ही डेढ़ अरब पहुंच गयी हो, रक्तदाताओं का आंकड़ा कुल आबादी का एक प्रतिशत भी नहीं पहुंच पाया है। वहीं दुनिया के कई सारे देश हैं जो इस मामले में भारत को काफी पीछे छोड़ देते हैं। मालूम हो कि नेपाल में कुल रक्त की जरूरत का 90 फीसदी स्वैच्छिक रक्तदान से पूरा होता है तो श्रीलंका में 60 फीसदी, थाईलेण्ड में 95 फीसदी, इण्डोनेशिया में 77 फीसदी और अपनी निरंकुश हुकूमत के लिए चर्चित बर्मा में 60 फीसदी हिस्सा रक्तदान से पूरा होता है।

रक्तदान को लेकर विभिन्न भ्रांतियां समाज में परिव्यपाप्त है। रक्त की महिमा सभी जानते हैं। रक्त से आपकी जिंदगी तो चलती ही है साथ ही कितने अन्य के जीवन को भी बचाया जा सकता है। भारत में अभी भी बहुत से लोग यह समझते हैं कि रक्तदान से शरीर कमजोर हो जाता है और उस रक्त की भरपाई होने में महीनों लग जाते हैं। इतना ही नहीं यह गलतफहमी भी व्याप्त है कि नियमित रक्त देने से लोगों की रोगप्रतिरोधक क्षमता कम होती है और उसे बीमारियां जल्दी जकड़ लेती हैं। यहाँ भ्रम इस कदर फैला हुआ है कि लोग रक्तदान का नाम सुनकर ही सिहर उठते हैं। भारतीय रेडक्रास के अनुसार देश में रक्तदान को लेकर भ्रांतियाँ कम हुई हैं पर अब भी काफी कुछ किया जाना बाकी है। किसी व्यक्ति को रक्त की आवश्यकता क्यों होती है इसके विभिन्न कारण हैं। एक बीमारी, दुर्घटना असाध्य ओपरेशन कुछ भी हो सकती है, लेकिन यह महत्वपूर्ण है।

रक्तदान करते हुए डोनर के शरीर से केवल 1 यूनिट रक्त ही लिया जाता है। एक बार रक्तदान से आप 3 लोगों की जिंदगी बचा सकते हैं। ब्लड डोनेशन की प्रक्रिया काफी सरल होती है और रक्त दाता को आमतौर पर इसमें कोई तकलीफ नहीं होती हैं। रक्त दाता का वजन, पल्स रेट, ब्लड प्रेशर, बॉडी टेम्परेचर आदि चीजों के सामान्य पाए जाने पर ही डॉक्टर्स या ब्लड डोनेशन टीम के सदस्य आपका ब्लड लेते हैं। पुरुष 3 महीने और महिलाएं 4 महीने के अंतराल में नियमित रक्तदान कर सकती हैं। यदि आप स्वस्थ हैं, आपको किसी प्रकार का बुखार या बीमारी नहीं हैं, तो ही आप रक्तदान कर सकते हैं। रक्तदान खुशी देने एवं खुशी बटोरने का एक जरिया है। एक चीनी कहावत- पुष्प इकट्ठा करने वाले हाथ में कुछ सुगंध हमेशा रह जाती है। जो लोग दूसरों की जिंदगी रोशन करते हैं, उनकी जिंदगी खुद रोशन हो जाती है। रक्तदान ऐसा पुण्य है जो किसी को नयी जिन्दगी देता है तो खुद को भी खुशी का अहसास कराता है।

रक्तदान पूरे विश्व में मनाये जाने वाले महत्त्वपूर्ण दिवसों में से एक है। कोई भी व्यक्ति चाहे, वह किसी भी उम्र, जाति, धर्म और समुदाय का हों, वह रक्तदान कर सकता है। भारत महर्षि दधीचि जैसे ऋषियों का देश है, जिन्होंने एक कबूतर के प्राणों व असुरों से जन सामान्य की रक्षा के लिये अपना देहदान कर दिया था। परंतु समय के साथ भारत में रक्तदान की प्रवृत्ति में गिरावट देखी गई। निश्चित तौर पर रक्तदान करके किसी अन्य व्यक्ति की जिंदगी में नई उम्मीदों का सवेरा लाया जा सकता है। इस तरह रक्तदान करने से एक प्रेरणादायी शक्ति पैदा होती है, जो अद्भुत होती है, यह ईश्वर के प्रति सच्ची प्रार्थना है। इस तरह की उदारता व्यक्ति की महानता का द्योतक है, जो न केवल आपको बल्कि दूसरे को भी प्रसन्नता, जीवनऊर्जा एवं जीवन प्रदान करती है।

संपादकीय

हृदय विदारक हादसा

गुजरात स्थित अहमदाबाद हवाई अड्डे के पास एयर इंडिया के विमान की भयावह दुर्घटना ने पूरे देश को दुख और गम में डुबो दिया। हाल के वर्षों में हुई यह बड़ी दुखद दुर्घटना हवाई यात्रा से जुड़े जोखिमों पर नये सिरे से गंभीर मंथन की जरूरत को बताती है। निश्चित रूप से यह हादसा नागरिक उड्डयन के लिये भी एक बड़ा झटका है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था के सबसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में शामिल है। आज भारत दुनिया के अग्रणी विमानन बाजारों में शुमार है। विडंबना यह है कि अभी दो महीने पहले ही नई दिल्ली में विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो यानी एएआईबी में अत्याधुनिक डिजिटल फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर और कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर प्रयोगशाला का उद्घाटन किया गया था। करीब नौ करोड़ रुपये की लागत से बनी इस प्रयोगशाला को केंद्र सरकार ने विमानन सुरक्षा बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया था। जिसका मकसद हवाई दुर्घटनाओं की पहचान करना और जवाबदेही सुनिश्चित करना था। ताकि सुरक्षा उपायों को लेकर जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिये तंत्र में सुधार किया जा सके। अब विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो को गुरुवार को बोइंग 787 ड्रीमलाइनर के दुर्घटनाग्रस्त होने की जांच का काम सौंपा गया है। एएआईबी के पास अब यह पता लगाने की जिम्मेदारी होगी कि गुरुवार को हुई दुर्घटना के असल कारण क्या थे। बल्कि निकट भविष्य में हवाई यात्राओं को सुरक्षित बनाने के लिए भी सुझाव दिए जा सकेंगे। इसके अंतर्गत ब्यूरो बोइंग के सुरक्षा रिकॉर्ड और परिचालन निरीक्षण की भी गहराई से जांच करेगा। निश्चित रूप से परिचालन प्रक्रिया कड़ी जांच के दायरे में होगी। उल्लेखनीय है कि तकनीकी खामियों के चलते बोइंग के कई अन्य 787 ड्रीमलाइनरों की सुरक्षा प्रक्रिया को लेकर सवाल उठाये जाते रहे हैं। हाल के वर्षों में कई व्हिसल ब्लोअर्स ने 787 ड्रीमलाइनर के सुरक्षा उपायों को लेकर गंभीर चिंताए जताई थीं। जिसके बाद यूएस फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन यानी एफएए ने ड्रीमलाइनर विमान के उत्पादन और असेंबली प्रक्रियाओं की गहन जांच की थी। उल्लेखनीय है कि बोइंग की सुविधाओं के एफएए द्वारा ऑडिट करने पर निर्माण की प्रक्रिया में अनियमितताओं और कंपनी की सुरक्षा संस्कृति में खामियों का पता चला था। बल्कि व्हिसल ब्लोअर्स ने तो यहां तक भी आरोप लगाए थे कि बोइंग की कार्यप्रणाली में खामियों को उजागर करने के लिए उन्हें बदले की कार्रवाई का सामना भी करना पड़ा था। उल्लेखनीय है कि रिपब्लिक एयरवेज के सीईओ ब्रायन बेडफोर्ड, जिन्हें अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा एफएए का प्रमुख नियुक्त किया गया है, ने बुधवार को कहा था कि वर्ष 2018 और 2019 में दो बोइंग 737 मैक्स दुर्घटनाओं से जुड़ी एक प्रमुख सुरक्षा प्रणाली की विफलता के बारे में कुछ वास्तविक व गंभीर सबक सीखे गए हैं, जिसमें 346 लोगों की मृत्यु हो गई थी। निश्चित रूप से अहमदाबाद विमान हादसे के बाद भारतीय अधिकारियों को अपने अमेरिकी समकक्षों के साथ गंभीर विमर्श करना चाहिए। उससे मिले इनपुट गुजरात दुर्घटना की गहन जांच करने में सहायक साबित हो सकते हैं। बहरहाल, अहमदाबाद से लंदन जा रही फ्लाइट एआई 171 के हादसे ने सैकड़ों परिवारों को गहरे जख्म दे दिए हैं। हादसे में दो सौ से अधिक लोगों के मरने की पुष्टि हो चुकी है, वहीं एक व्यक्ति के जीवित बचने को कुदरत का करिश्मा माना जा रहा है। दूसरी ओर रिहाइशी इलाके में विमान के गिरने से हुई क्षति भी दुखद है। पुलिस द्वारा चालीस लोगों के अस्पताल में उपचाराधीन होने की बात भी कही जा रही है। कहना कठिन है कि यह कैसी स्थिति है कि एक मेडिकल कालेज के पास हुई इस दुर्घटना में घायलों को तुरंत उपचार देना संभव हो पाया है।

जो होना है उसे कौन टाल सकता है

(लेखक- संजय गोस्वामी)

भारत के अहमदाबाद एयरपोर्ट से प्लेन के टेक ऑफ करने के तुरंत बाद मेघानीनगर इलाके में यह हादसा हुआ है। विमान अहमदाबाद से लंदन जा रहा था, प्लेन में 12 क्रू मेंम्बर्स (दो पायलट समेत) और 230 यात्रियों सहित कुल 242 लोग सवार थे। विमान में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी भी सवार थे। विमा ने गुरुवार12/6/25 दोपहर 1 बजकर 38 मिनट पर उड़ान भरी थी और दो मिनट के बाद ही 1 बजकर 40 मिनट बाद क्रैश हो गया एअर इंडिया के विमान्-ढ्ढ-171 ने दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट (ढ्ढल्ढ्ढ-द्बह्लश्चश्वह्ल) से अहमदाबाद के लिए उड़ान भरी थी किसी भी व्यक्ति के जीवित रहने का कोई संभावना नहीं है लेकिन रमेश कुमार नामक व्यक्ति बच गए ऐ किसी चमत्कार से कम नहीं है- दु:खद समाचार है लेकिन उसमें एक बच गया क़ोई कुछ भी कहे की टेक्निकल फाल्ट था लेकिन उसका इंडिकेशन दीखता है जो होना होगा उसे क़ोई टाल नहीं सकता जिसको बचना होगा वो बच जायेगा जिसकी जितने सांस ईश्वर ने दि है उतनी मिलता है मृतकों के प्रति गहरी सम्बेदना है ईश्वर सभी मृतकों की आत्मा को शांति प्रदान करें एक आदमी बचा और चलने भी लगा इससे साफ जाहिर होता जिसको जिस तरह मरना होता है उसे ऐ घटना काल बनकर आती है कुछ को बचना लिखा होता है वह बच जाता है जिसमें कितने के फ्लाइट छूट गए हैँ उन्ही में से एक यात्रियों में एक महिला सौभाग्यशाली रही कि अहमदाबाद के व्यस्त ट्रैफिक ने उन्हें बचा लिया। ट्रैफिक में फंसने के कारण वह 10 मिनट की देरी से सरदार बल्लभभाई एयरपोर्ट पहुंची थीं। इसके बाद उन्हें अहमदाबद लंदन की फ्लाइट में बोर्डिंग की इजाजत नहीं मिली। उसने एयरपोर्ट स्टॉप से बहुत रिक्वेस्ट की लेकिन उसको बोर्डिग पास नहीं मिला और वो निराश होकर रह गई। मीडिया से बातचीत में भूमि चौहान ने बताया कि फ्लाइट के टेकऑफ के लिए 1:10 बजे का समय शेड्यूल था। भूमि चौहान ने बताया कि इस हादसे की सूचना के मिलने के बाद वह बुरी तरह से कांप गईं। पैर हिलने लगे। काफी देर तक वह सदमें रहीं। भूमि ने बताया कि जब वह दुखी होकर एयरपोर्ट से एग्जिट गेट पर पहुंची तब उन्हें पता चला कि जिस फ्लाइट को उन्होंने मिस किया है, वह क्रैश हो गया है। अनहोनी घटना होती है जो दु:खद होता है लेकिन कौन मरता नहीं है जिसे बचना होगा वो बच जायेगा दुर्घटना होती है हादसा कह कर नहीं आती और ऐ दुर्घटना पर किसी को दोष नहीं जिया जा सकता है क्योंकि यह एक बोइंग विमान था जिसका पुरे विश्व में कम से कम 800 विमानों का ऑर्डर अभी तक पूरा नहीं हुई अभी भी बन रहा है यदि क़ोई खामी होती है तो पायलेट विमान इंजीनियर होते है उन्हें विमान के सभी सिस्टम की जानकारी होती है देखिए आपदा में दोष के बजाये लोगों को बचाने और उनके परिवार को संभालने की जरुरत है मौसम भी बढ़िया था और लोग ज्यादा इसलिए मारे गए क्योंकि विमान टेकऑफ करते समय सीट बेल्ट बाधंने से उठने तक का मौका नहीं मिला लेकिन एक बात हमेशा ध्यान देने की जरुरत है वो यह है कि एयर पोर्ट के आस पास रिहाईसी बिल्डिंग का निर्माण ना हो पहले एयर पोर्ट बहुत दूर होते थे अब सब सामने रहते हैँ इससे पायलेट को बहुत सोच समझ कर उड़ान भरना पड़ता है और दुर्घटना में किसी बिल्डिंग पर गिरता है तो वहाँ भी विमान के दबने से वहाँ के रहने वाले लोगों की मौत हो जाता है खैर विमान दुर्घटना अन्य देशों के मुकाबले कम हुआ है ऐ एक आपदा है जिसे क़ोई नहीं जान सकता है बाद में आप कुछ भी कहते रहें विमान यदि किसी दूसरे के द्वारा मार गिराया जाता है तो युद्ध हो जाता है लेकिन जब कुदरत का कहर होता है तो उसे दोष क्या देंगे ऐ समय का चक्र है एक दिन सबको मरना है अत: हमेशा प्रभु राम का ध्यान करते रहिये और जिसने बनाया है उसी ने प्राण लिया दु:ख तो बहुत है लेकिन समरथ को नहीं दोष गोसाई, जो तुलसीदास महाराज ने कहा उस महाशक्ति ईश्वर को दोष नहीं दिया जा सकता है क्योंकि उसी ने सब कुछ बनाया है अत: हिम्मत से काम लें और उनके परिवार पर जो आपदा आई है उसके साथ खड़ा रहें मानवता ही सबसे बड़ा धर्म है.एक बार 1985 की बात है जब फतुहा से मोकामा जानेवाली ट्रेन में आग लगी जिसमें मेरे चाचाजी रोज पटना ऑफिस में जाते थे लेकिन दादाजी मेरे रामायण का पाठ करते थे उन्होंने चाचाजी को एक काम दे दिया जिसके करने में उन्हें घर पहुंचने में देरी हुई और ट्रेन छूट गई रोज उनके साथ जाने वालेसाथी ट्रे न में जल कर मर गए कोरोना आया और कितने को मार डाला जिसके बारे में किसने भविष्यवाणी की आपदा आती है जिसपर किसी का नियंत्रण नहीं होता है जिसे जाना होगा वो जायेगा जिसे बचना होगा वो बच जायेगा जैसे एक आदमी बच गया ऐ एक अलग बहाना होता है वो एग्जिट गेट में बैठा था जबकी उसने खुद बताया कि अचानक विस्फोट हुआ आग लगा और कुछ ही सेकेण्ड में मरते हुए देखा हुआ उसे बचना लिखा था इसलिए वो बच गया अत: शांति से काम लें और ईश्वर से उनके आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करें अमेरिका के 9/11 आतंकी घटना में कितने लोग मारे गए लेकिन यदि किसी अन्य कारण से होता तो कुदरत का कहर ही मान सकते हैं लेकिन आतंकवादी घटना थी इसलिए अमेरिका ने अफगानिस्तान के अलक़ायदा को ख़त्म ही कर दिया क्योंकि की किसी को भी जान लेने हिंसा करने की इजाजत ईश्वर कभी नहीं देता लेकिन जो सब कुछ उसी ने दिया और उसके मर्जी से ही ऐ दुर्घटना हुई इसलिए इसपर राजनीती करना बिलकुल गलत है ऐ होना लिखा था जान जाना निश्चित था और दु:खद घटना हुई आप ही सोचें कौन मरेगा नहीं आज न कल सभी को इस संसार से विदा लेना है फर्क यही है क़ोई समय से जायेगा क़ोई पहले जायेगा इसलिए हमेशा प्रभु राम का ध्यान करते रहें जो होगा वो संसार की एक प्रकिया है जिसे वही टाल सकता है जो संसार का निर्माण किया है।

(चिंतन- मनन)

धर्म का मूल केंद्र है वर्तमान

धर्म जगत ने धर्म को केवल परलोक के साथ जोड़कर भारी भूल की है। इसका परिणाम यह हुआ कि धर्म का असली प्रयोजन तिरोहित हो गया। वह स्वर्ग-सुखों के प्रलोभन और नरक-दुख के भय से जुड़ गया। हर धर्म-प्रवर्तक ने धर्म को जीवन से जोड़ा, किंतु धर्म-परंपराओं ने उसे स्वर्ग और नरक से जोड़ दिया। धर्म का मूल केंद्र वर्तमान है न कि भूत और भविष्य। हम वर्तमान क्षण को कैसे जियें, धर्म का सारा दर्शन इसी पर टिका हुआ है। वर्तमान विषम है तो भविष्य भी विषम होगा। यदि वर्तमान सम और सुखमय है तो भविष्य भी सम और सुखमय ही होगा। यानी भविष्य वैसा ही होगा जैसा वर्तमान है। इसीलिए धर्म का असली प्रयोजन वर्तमान को सजाने-संवारने का है। इस केंद्रीय विचार से भटक जाने के कारण धर्म भूत और भविष्य में उलझ गया। वर्तमान को उसने बिल्कुल ही भुला दिया। इसलिए लोगों ने वर्तमान को केवल अतीत का परिणाम मान लिया। इससे भाग्यवाद की विचारधारा का जन्म हुआ। भाग्य को बदला नहीं जा सकता, इसलिए वे वर्तमान से विमुख हो गए और भविष्य की चिंता में पड़ गए। जिसके पास कोठी, महंगी कार और विदेशों में छुट्टी मनाने के साधन हैं, वे अतीत के परिणाम हैं। जो वैभव-संपन्न नहीं हैं, वे जप-तप में इसलिए लगे हैं ताकि भविष्य में भी साधन-संपन्न बन सकें। ऐसे में धर्म का पूरा उद्देश्य ही बदल गया। जो आत्म-केंद्रित था, वह वस्तु-केंद्रित हो गया। जो वस्तु-विमुख था, वह वस्तु-सम्मुख बन गया। इसी विचार के फलस्वरूप धर्म के नाम पर व्यापार और सौदेबाजी चलने लगी। जहां भी प्रलोभन और भय है वहां धर्म नहीं है। धर्म है आत्म उज्ज्वलता का साधन। धर्म है सोई हुई शक्तियों के पुनर्जागरण का उपादान। यह है आत्म-स्वभाव में रमण। धर्म ही है आत्म शांति और विश्व शांति का एकमात्र साधन। वर्तमान जीवन को आनंदपूर्ण बनाने का गुर। भगवान महावीर ने कहा है- आत्मा ही नरक है, आत्मा में ही स्वर्ग है, आत्मा में ही बंधन है, आत्मा में ही मोक्ष है। जिसके भीतर नरक नहीं, उसके लिए बाहर कहीं भी नरक नहीं। जिसके भीतर स्वर्ग नहीं, उसके लिए बाहर कहीं भी स्वर्ग नहीं। महावीर ने भीतर पर जोर दिया जबकि हम बाहर पर जोर दे रहे हैं। बाहर के स्वर्ग और नरक की चिंता में उलझे हैं। इसी चिंतन का दुष्परिणाम यह हुआ कि बाहर से जप-तप, पूजा-पाठ चल रहे हैं, लेकिन दूसरी तरफ छल-कपट, झूठ, शोषण, राग-द्वेष, नफरत भी पल रहे हैं। यानी धर्म करते हुए भी जीवन में कोई परिवर्तन नहीं है, कोई प्रांति नहीं है। इसी वजह से जीवन की शांति गायब हो गई। शांति वर्तमान में ही घटित हो सकती है। इसलिए हम अपने को वर्तमान से जोड़ें, उसे सजायें-संवारें, संगीतमय और आनंदमय बनाएं। यही धर्म है।

विचार मंथन

इजराइल का ईरान पर हमला तीसरे विश्व युद्ध की शुरुआत?

(लेखक- सनत जैन)

विश्व स्तर पर तनाव चरम सीमा पर पहुंच गया है। इजराइल ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर बड़े पैमाने पर हमला कर दिया है। इससे ईरान का आसमान सफेद, काले, नारंगी और लाल रंग के धुंए से पट गया। इस हमले में 300 से अधिक मिसाइलें दागी गईं। नताज सहित कई न्यूक्लियर साइट्स को इस हमले में निशाना बनाया गया है। इजराइल ने दावा किया है, कई परमाणु वैज्ञानिकों की हमले में मौत हुई और ईरान को भारी नुकसान हुआ है। यह हमला इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की ओर से ऑपरेशन राइजिंग लायन का हिस्सा बताया गया है। यह हमला ईरान के परमाणु कार्यक्रम को नष्ट करने के लिए किया गया है। इस हमले में अमेरिका की भी मूक सहमति है। खुले तौर पर अमेरिका इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ले रहा है। हमले के बाद ईरान ने कड़ा जवाब देने की चेतावनी देकर ड्रोन से इजरायल पर हमला शुरू कर दिया है। तेहरान ने इसे युद्ध की घोषणा मानते हुये कहा कि ईरान ऐसा जवाब देगा, जिससे इजराइल कांप उठेगा। विदेशी मामलों के जानकार एवं रक्षा विशेषज्ञों का मानना है, कि यह हमला क्षेत्रीय और वैश्विक शांति के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। फारस की खाड़ी में तनाव बढ़ने से तेल और गैस की आपूर्ति पर संकट मंडरा रहा है। होर्मुज की खाड़ी, जहां से दुनिया का 40 फीसद से अधिक तेल का परिवहन कई देशों के लिए होता है, उसके ब्लॉक होने से सारी दुनिया के जनजीवन और व्यापार को लेकर बड़ा खतरा उत्पन्न हो गया है। भारत ने फारस की खाड़ी से गुजरने वाली सभी उड़ानों को वापस बुला लिया है। वैश्विक शेयर बाजारों में भारी गिरावट हो रही है। भारतीय शेयर बाजार में निफ्टी और सेंसेक्स 1000 अंक तक लुढ़क गए हैं। कच्चे तेल की कीमतें आसमान छूने लगी हैं।

अमेरिका ने इस हमले को लेकर अपना पल्ला झाड़ लिया है। सूत्रों का दावा है, नेतन्याहू को अमेरिका के राष्ट्रपति राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन प्राप्त है। ईरान के साथ भारत की बहुत पुरानी दोस्ती है। विश्लेषकों ने इजराइल की इस कार्रवाई को परमाणु अपराध निरूपित किया है। इजराइल ने अभी जो इराक के ऊपर हमला किया है। यह हमला विश्व युद्ध के खतरे को बढ़ाता है। द्वितीय विश्व युद्ध के 75 वर्षों बाद पहली बार न्यूक्लियर साइट्स पर हमला हुआ है। ईरान के जवाबी हमले से आसपास के देशों की प्रतिक्रिया से स्थिति विस्फोटक होना तय है। विश्व समुदाय ईरान पर हुए हमले के बाद संयम और कूटनीति की अपील कर रहा है। क्या इससे यह संकट टल पाएगा। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू अपनी सत्ता बचाने के लिए ईरान और गाजा को निशाना बना रखा है। डोनाल्ड ट्रंप का अमेरिका में भारी विरोध हो रहा है, ऐसी स्थिति में उन्होंने भी इजराइल के कंधे पर सवार होकर सारी दुनिया को भयाक्रांत करने में लगे हुए हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू जिस तरह से आतंक फैला रहे हैं, उससे सारी दुनिया परेशान है। नेतन्याहू ने अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की बात नहीं मानी, मानव अधिकारों का लगातार उल्लंघन कर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा जो नियम युद्ध के लिए बनाए गए थे उनका भी पालन नहीं कर रहे हैं। जिस तरह की मनमानी अमेरिका और इजराइल मिलकर कर रहे हैं उसके बाद अब यह स्पष्ट रूप से दिखने लगा है, इजराइल द्वारा ईरान के ऊपर किए गए हमले के बाद विश्व युद्ध को रोका जाना संभव नहीं है। परमाणु ठिकानों पर हमला करके वैश्विक आबादी के लिए जो खतरा पैदा किया गया है वह इतनी आसानी से निपटने वाला नहीं है। इस हमले के बाद दुनिया के देशों की अर्थव्यवस्था तथा परमाणु हमले की आशंका के चलते जिस तरह का वातावरण बन गया है उसमें भारी तबाही होना तय माना जा रहा है। वर्तमान स्थिति में कोई भी ऐसा वैश्विक नेता नहीं है जो इस युद्ध की आशंका को रोक सके। सभी बड़ी-बड़ी महाशक्तियां इस विनाशकारी युद्ध की आग में घी डालने का काम करके युद्ध को भड़काने का काम कर रहे हैं।

राष्ट्र संघ सुरक्षा परिषद और अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं अपना वजूद खो चुके हैं। ऐसी हालत में 75 वर्षों से जो नहीं हुआ था अब वह होने जा रहा है। एक बार फिर सारी दुनिया विनाश की ओर आगे बढ़ रही है। समय रहते यदि इसे नहीं रोका गया तो विनाशकारी परिणाम बहुत जल्द देखने को मिल सकते हैं। पिछले तीन दशक में छोटे-छोटे देशों के पास भी नवीन तकनीकी के हथियार जो बड़े विनाशकारी साबित हो रहे हैं ऐसी स्थिति में एक बार युद्ध शुरू हुआ तो इसे रोकना बहुत मुश्किल होगा। भारत को इस स्थिति में पड़ोसी देशों के साथ अपने संबंध और विदेशनीति में सुधार करने की जरूरत है। गुटनिरपेक्ष देश के रूप में अब भारत की पहचान नहीं रही, जिसके कारण भारत वह भूमिका अदा नहीं कर पा रहा है जो गुटनिरपेक्ष आंदोलन के समय भारत भूमिका अदा करता था। समय रहते भारत को इस विषम स्थिति में बहुत सजग रहने की जरूरत है।

साइकिल पर नर्मदा परिक्रमा: एक महिला की आत्म-खोज की कहानी

पुणे, एजेंसी। पुणे की रहने वाली ज्योति भक्त, आप और हम जैसी ही एक साधारण महिला जिन्होंने 23 साल नोकरी भी की और अपने घर को भी अच्छे से संभाला। जैसे-जैसे समय आगे बढ़ता गया, वह अपने कर्तव्यों को पूरा करके अपने जीवन में उम्र के उस पड़ाव पर पहुंची जहा उन्हे थोड़ा खालीपन महसूस होने लगा। पचास की उम्र के आसपास, जब उनके बेटे ने अपनी मास्टर डिग्री पूरी कर ली, तो ज्योति को नौकरी के चक्र से बाहर निकलने और यह पता लगाने की जरूरत महसूस हुई कि वह जीवन में क्या करना चाहती है। दिन-ब-दिन, आत्म-खोज की यह इच्छा प्रबल होती गई और बहुत सोचने के बाद, ज्योति ने 2017 में अपनी कॉर्पोरेट नौकरी छोड़ने का साहसिक निर्णय लिया। स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के बाद, ज्योति ने देश-विदेश में खूब यात्राएँ कीं। फिर भी, उन्हें ऐसा कुछ नहीं मिला जो उनके आनंद दे सके। उस समय, दुनिया में कोविड का संकट मंडरा रहा था। लेकिन इस दौरान ज्योति को उसका सच्चा साथी मिल गया – एक साइकिल! कोविड काल में, उन्होंने घर पर ही व्यायाम शुरू किया। प्रतिबंधों में थोड़ी ढील मिलने के बाद, उन्होंने अपनी सहेली के साथ 16 किलोमीटर साइकिल चलाई। सायकलिंग करने के बाद, ज्योति के मन में विचार आया कि साइकिल से ही नर्मदा परिक्रमा करनी चाहिए।

लेओ ड्रायफ्रूट्स अँड स्पायसेसका एच2 एफवाय25 में 346 प्रतिशत का शुद्ध लाभ वृद्धि

मुंबई, एजेंसी। लेओ कैटरिंग सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड जो उच्च गुणवत्ता वाले मसालों, सूखे मेवों और किराना उत्पादों की सोर्सिंग, प्रोसेसिंग, ट्रेडिंग और मार्केटिंग में एक भरोसेमंद नाम है, ने एच2 एफवाय25 और एफवाय25 के लिए अपने ऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की। कंपनी के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर श्री कौशिक शाह ने कहा- एफवाय25 की दूसरी छमाही और पूरे वर्ष में हमारी जबरदस्त परफॉर्मेंस ऑपरेशनल एफिशिएंसी, नए ऑर्डर और हमारे मसालों व ड्रायफ्रूट्स की गुणवत्ता के कारण संभव हुई है। बीएसइ एसएमइ प्लेटफॉर्म पर हमारी सफल लिस्टिंग पारदर्शिता, सुशासन और दीर्घकालिक निवेशक मूल्य को दर्शाती है।

हॉस्पिटल चलाने वाली फर्म से थी रोपवे चलाने की तैयारी?

मामला हाईकोर्ट पहुंचा तो टेंडर ही रद्द हो गया

नई दिल्ली, एजेंसी। रोपवे चलाना टेक्निकल काम माना जाता है। इसमें जरा सी चूक जा जाए तो लोगों की जान का खतरा हो जाता है। लेकिन हरिद्वार के मनसा देवी रोपवे को चलाने के लिए ऐसे फर्मों या कंपनियों से निविदा मंगा ली गई, जो हॉस्पिटल चला रहे थे, सड़क और पुल बना रहे थे या कंस्ट्रक्शन सेक्टर में काम कर रहे थे। तभी तो सुरक्षा और पारदर्शिता संबंधी चिंताओं को लेकर उत्तराखंड हाई कोर्ट की तीखी आलोचना मिली। इसके बाद निविदा मंगाने वाले हरिद्वार नगर निगम ने मनसा देवी मंदिर के लिए अपने नवीनतम रोपवे टेंडर को ही रद्द कर दिया।

फैसला आने से पहले ही टेंडर वापस– इस मामले का फैसला कुछ ही दिन में आने वाला था। मंगलवार को इस पर नियमित सुनवाई हुई थी। इस सुनवाई में निगम के वकील संदीप कोठारी ने मुख्य न्यायाधीश जी नरेंद्र और न्यायमूर्ति आलोक माहरा की खंडपीठ को बताया कि टेंडर वापस ले लिया गया है।

क्यों मामला पहुंचा कोर्ट

विवाद बीते अप्रैल में तब शुरू हुआ जब नगर निगम ने 44 साल पुराने मनसा देवी रोपवे के संचालन और रखरखाव के लिए प्रस्ताव के लिए अनुरोध जारी किया। पहले की निविदाओं के विपरीत, इस बार रोपवे के क्षेत्र में अनुभव न रखने वाली सड़क और निर्माण फर्मों को भी बोली लगाने की अनुमति दी गई। इसने गंभीर चिंताएं पैदा कर दीं, विशेष रूप से उषा ब्रेको लिमिटेड की ओर से, जो वास्तविक रोपवे विशेषज्ञता वाली एकमात्र कंपनी है। मूल रूप से, निविदा प्रक्रिया रोपवे चलाने में अनुभव रखने वाली कंपनियों तक ही सीमित थी। लेकिन मार्च में, पात्रता मानदंड को चुपचाप बढ़ा दिया गया और इसमें राजमार्ग, पुल, सुरंग, दूरसंचार और यहां तक कि अस्पताल जैसे क्षेत्रों की फर्मों को भी शामिल कर लिया गया। चार शॉर्टलिस्ट किए गए बोलीदाताओं में से केवल एक उषा ब्रेको के पास वास्तव में रोपवे का अनुभव था। वह इस केबल कार की शुरूआत (1981) से ही इस परियोजना का प्रबंधन कर रही है।

रोपवे क्या होता है

रोप वे में दो चीजें शामिल हैं, रोप और वे। रोप का मतलब होता है रस्सी,और वे का मतलब होता रास्ता। लोहे के मोटे-मोटे तारों या रस्सों पर फिट एक ट्रॉली में बैठकर लोग नीची जगह से ऊपर की तरफ जाते हैं। इसका संचालन बिजली से होता है। इसे ही आम आदमी की भाषा में रोपवे कहा जाता है। रोपवे की एक ट्रॉली में पर्याप्त जगह होती है। इसमें एक साथ 8-10 लोग आराम से बैठ सकते हैं। यह सुविधा अधिकतर उन मंदिरों में होती है जो बहुत ऊंचाई पर हैं। वहां पहुंचने के लिए वृद्ध और दिव्यांग श्रद्धालु इसकी मदद लेते हैं। क्योंकि वे सीढ़ियों से ऊपर नहीं जा सकते हैं। यह बिजली से चलती है और कई किलोमीटर के रास्ते को मात्र 2 से 5 मिनट में पूरा कर लेती है।

टीवीएस अपाचे के दो दशकों का जश्न

भविष्य के लिए डिज़ाइन की गई मोटरसाइकल ओबीडी2बी कम्प्लायन्ट है तथा आधुनिक टेक्नोलॉजी, शानदार परफोर्मेंस एवं नए बोल्ड ग्राफिक्स का संयोजन है

बैंगलुरू, एजेंसी। दोपहिया और तिपहिया सेगमेन्ट में ग्लोबल लीडर टीवीएस मोटर कंपनी ने 20 सालों की रेसिंग की धरोहर, इंजीनियरिंग की उत्कृष्टता एवं दुनिया भर में 6 मिलियन से अधिक राइडरों के भरोसे का जश्न मनाते हुए नई 2025 टीवीएस अपाचे आरटीआर 200 4वी का अनावरण किया। रेस के मैदान से उत्पन्न और सड़क के लिए निर्मित टीवीएस अपाचे मोटरसाइकलें रेसिंग में शानदार परफोर्मेन्स देती हैं। इन्हें खासतौर पर उन राइडरों के लिए डिज़ाइन किया गया है जो अपनी मोटरसाइकल से पावर, कंट्रोल और रिफाइनमेन्ट की उम्मीद रखते हैं। अपाचे सीरीज़ बेजोड़ विश्वसनीयता और रोमांच के साथ सेगमेन्ट में अग्रणी परफोर्मेन्स देना जारी रखे हुए है।

कोर डिजिटल ने एफवाय25 में 212 प्रतिशत की आय वृद्धि दर्ज की

मुंबई, एजेंसी। कोर डिजिटल लिमिटेड जो दूरसंचार अवसंरचना विकास और संबंधित सहायक सेवाओं की प्रमुख प्रदाता कंपनियों में से एक है, ने क्यू4 एफवाय25 और एफवाय25 के लिए अपने ऑडिट किए गए वित्तीय परिणाम घोषित किए हैं। कोर डिजिटल लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री रविंद्र दोशी ने वित्तीय प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए कहा, हमें एफवाय25 में शानदार प्रदर्शन की रिपोर्ट करते हुए गर्व हो रहा है, जिसमें कुल आय में 200 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। यह हमारी निष्पादन क्षमता और रणनीतिक निर्णयों का सशक्त प्रमाण है। यह वृद्धि मुख्य रूप से समृद्धि महामार्ग परियोजना के सफलतापूर्वक प्रारंभ होने के कारण हुई है, जो सुचारू रूप से प्रगति कर रही है।.
जैसे-जैसे हम अपने कार्यों का विस्तार कर रहे हैं, प्रतिष्ठित बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में मुख्य ठेकेदार के रूप में हमारी भूमिका और भी महत्वपूर्ण होती जा रही है। हमारे समेकित प्रदर्शन को हमारी सहायक कंपनियों के बढ़ते योगदान से भी मजबूती मिली है, जो अब अधिक मात्रा में व्यवसाय संभाल रही हैं। इस रणनीतिक बदलाव ने हमें विभिन्न इकाइयों के बीच कार्य निष्पादन को विविध रूप से वितरित करने की अनुमति दी है, जिससे संचालन में दक्षता और बाज़ार में व्यापक पहुंच प्राप्त हुई है।

शेरा एनर्जी ने जाम्बिया की कॉपर सुविधा के साथ वैश्विक एकीकरण को और गहराया

मुंबई, एजेंसी। शेरा एनर्जी लिमिटेड जो गैर-लौह धातुओं से बने वाइंडिंग वायर और स्ट्रिप्स की एक प्रमुख निर्माता कंपनी है, ने अपनी अंतरराष्ट्रीय विकास रणनीति में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि की घोषणा की है। कंपनी ने जाम्बिया में एक चालू कॉपर कैथोड निर्माण संयंत्र का अधिग्रहण किया है। यह अधिग्रहण इसकी विदेशी सामग्री सहायक कंपनी शेरा जाम्बिया लिमिटेड के माध्यम से किया गया है और यह शेरा की दीर्घकालिक रणनीति में एक बड़ा कदम है, जिसका उद्देश्य कच्चे माल की सुनिश्चित आपूर्ति और वैश्विक उपस्थिति का विस्तार करना है। यह संयंत्र जाम्बिया के संसाधनों से समृद्ध कॉपरबेल्ट क्षेत्र में, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो की सीमा के पास स्थित है। संयंत्र स्थानीय रूप से प्राप्त तांबे की ऑक्साइड अयस्क से 99.99 प्रतिशत शुद्ध कॉपर कैथोड का उत्पादन करेगा, जिससे कंपनी को खरीद लागत को काफी हद तक कम करने और परिचालन दक्षता को बढ़ाने में मदद मिलेगी। वित्त वर्ष 2025-26 में संयंत्र की प्रारंभिक उत्पादन क्षमता 1,200 मीट्रिक टन प्रति वर्ष होगी, जिसे अगले वर्षों में बढ़ाकर 5,000 मीट्रिक टन करने की योजना है। यह पहल शेरा की बैकवर्ड इंटीग्रेशन (पिछड़ा एकीकरण) की व्यापक रणनीति और कमोडिटी कीमतों में उतार-चढ़ाव से व्यवसाय को सुरक्षित रखने की योजना के अनुरूप है। इस विकास पर टिप्पणी करते हुए, नसीम शेख, चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, शेरा एनर्जी लिमिटेड ने कहा यह रणनीतिक अधिग्रहण हमारे अंतरराष्ट्रीय सफर में एक बड़ा मील का पत्थर है। उच्च-शुद्धता कॉपर कैथोड का प्रत्यक्ष स्रोत स्थापित करके, हम न केवल अपनी आपूर्ति श्रृंखला को सुदृढ़ करते है।

पुलिस ने बड़े नकली कीटनाशक रैकेट का भंडाफोड़ किया

छिंदवाडा। तेलंगाना पुलिस ने एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल करते हुए राजेंद्र चेचानी को गिरफ्तार किया है – जिसे राजू चेचानी के नाम से भी जाना जाता है, जो बड़े पैमाने पर नकली कीटनाशकों के रैकेट के मुख्य आरोपियों में से एक है। पुलिस ने स्थानीय पुलिस अधिकारियों के साथ समन्वित अभियान के दौरान 2 मई 2025 को राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले के बस्सी गांव स्थित उसके फार्महाउस से उसे गिरफ्तार किया। यह गिरफ्तारी भारत के कृषि क्षेत्र में नकली कीटनाशकों के बढ़ते खतरे को उजागर करती है, जहाँ भोले-भाले किसानों को अक्सर ऐसे उल्लंघनकर्ताओं द्वारा नकली उत्पादों के साथ धोखा दिया जाता है।

प्रिमियम प्लास्ट का शुद्ध मुनाफा 35 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई, एजेंसी। प्रिमियम प्लास्ट लिमिटेड जो उच्च गुणवत्ता वाले, सटीक प्लास्टिक घटकों के लिए जाना जाता है और विभिन्न क्षेत्रों में सेवाएं देता है, ने एफवाय25 के लिए अपना लेखा-परीक्षित वित्तीय प्रदर्शन जारी किया है। कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री चेतन दवे ने कहा- हम एफवाय25 में 50 करोड़ का महत्वपूर्ण मील का पत्थर पार करने की घोषणा करते हुए गर्व महसूस कर रहे हैं। यह हमारी कोर बिज़नेस की ताकत और ग्राहकों के बढ़ते भरोसे को दर्शाता है।

IFL एंटरप्राइजेज लिमिटेड को राइट्स इश्यू से 49.14 करोड़ रुपये जुटाने की मंज़ूरी मिली

राइट इश्यू 19 जून से सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा

मुंबई। कृषि वस्तुओं के आयात, निर्यात और व्यापार सहित एग्री कोमोडिटी बिझनेस में लगी IFL एंटरप्राइजेज लिमिटेड (बीएसई - 540377) का 49.14 करोड़ रुपये का राइट्स इश्यू 19 जून, 2025 को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा और 30 जून, 2025 तक खुला रहेगा। राइट्स इश्यू की कीमत आकर्षक रूप से 1 रुपये प्रति शेयर रखी गई है, जो मौजूदा शेयरधारकों को कंपनी में अपनी इक्विटी बढ़ाने का अवसर प्रदान करती है। 9 जून 2025 को आयोजित बैठक में बोर्ड ओफ डिरेक्टर्स ने राइट्स इश्यू पर विचार किया और उसे मंजूरी दी।

इससे पहले, कंपनी के बोर्ड ओफ डिरेक्टर्स ने 30 दिसंबर, 2024 को और 07 मार्च, 2025 के ड्राफ्ट लेटर ऑफ ऑफर को 50 करोड़ रुपये (पचास करोड़ रुपये) तक के प्रस्तावित राइट इश्यू के लिए सैद्धांतिक अनुमोदन प्राप्त करने के लिए प्रस्तुत किया और बीएसई लिमिटेड से 19 मई, 2025 के लेटर नंबर स्ह्रष्ठ/ऋद्गत॥ञ्/यस/स्रद्धक्र213/2025-26 के माध्यम से सैद्धांतिक अनुमोदन प्राप्त हुआ। रिकॉर्ड तिथि - 13 जून, 2025 को इक्विटी शेयर रखने वाले शेयरधारक प्रत्येक 91 फुल्ली पेईड इक्विटी शेयरों के लिए 60 राइट इक्विटी शेयरों के अनुपात में राइट शेयरों के लिए आवेदन करने के पात्र होंगे। ऋश्वह्य के ऑन-मार्केट रेनुन्सिएशन की अंतिम तिथि 24 जून, 2025 है। राइट्स इश्यू में 1 रुपए अंकित मूल्य वाले 49,14,76,620 फुल्ली पेईड अप इक्विटी शेयर शामिल हैं, जिनकी कुल कीमत 49.14 करोड़ रुपए है।

इश्यू से प्राप्त राशि का उपयोग कंपनी की वित्तीय स्थिति को मजबूत करने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों को पूरा करने के लिए किया जाएगा। यह केपिटल राईझ नवनियुक्त मेनेजिंग डिरेक्टर श्री अभिषेक प्रतापकुमार ठक्कर के नेतृत्व में कंपनी की रणनीतिक दिशा का अनुसरण करता है, जिसका उद्देश्य परिचालन दक्षता को बढ़ाना और सेवा क्षमताओं का विस्तार करना है।

सिद्धू की शायरी, कपिल के पंच, और नेटफ़्लिक्स का स्टेज — कॉमेडी के राजा फिर लौट आए हैं!

मुंबई। तैयार हो जाइए – क्योंकि ठोको ताली की गूंज फिर से लौट आई है, और साथ ही लौट आए हैं नवजोत सिंह सिद्धू! द ग्रेट इंडियन कपिल शो का तीसरा सीज़न 21 जून से नेटफ़्लिक्स पर शुरू हो रहा है, और इस बार एक ऐसा ट्विस्ट है जिसकी किसी ने उम्मीद नहीं की थी – हंसी के असली बादशाह फिर से अपने तख्त पर लौट आए हैं, हंसी की रानी अर्चना पूरन सिंह के साथ! हां, आपने बिल्कुल सही पढ़ा। अब ये बना है डबल-जज कॉमेडी कोर्ट, और फैसला एकदम साफ है– डबल हंसी, डबल धमाल और यकीनन डबल ताली।नेटफ़्लिक्स और कपिल ने इस महीने की शुरुआत में वादा किया था कि हर फनीवार बढ़ेगा हमारा परिवार, और इस वादे को निभाते हुए, कॉमेडी परिवार को और बड़ा बना दिया गया है – क्योंकि अब सिद्धू पाजी भी इस परिवार का हिस्सा हैं। और सिर्फ इतना ही नहीं – इस बार फैंस सिर्फ ऑडियंस में नहीं रहेंगे, बल्कि स्टेज पर भी नजर आएंगे!

रेनालिक्स ने दुनिया की पहली स्वदेशी एआई आधारित स्मार्ट हीमोडायलिसिस मशीन लॉन्च की

● किडनी केयर को बनाया सस्ता और सुलभ ● मजबूत विनिर्माण क्षमता हासिल करने के लिए अगले चार साल में 800 करोड़ रुपये का निवेश करेगी कंपनी

● एंड-स्टेज रेनल डिजीज (ईएसआरडी) मरीजों के लिए पूरे भारत में डायलिसिस को सुलभ बनाने का लक्ष्य

मुंबई, एजेंसी। किडनी (रेनल) केयर सेक्टर की देश की अग्रणी प्रौद्योगिकीय नवाचार (टेक्नोलॉजी इनोवेशन) कंपनी रेनालिक्स हेल्थ सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड ने दुनिया की पहली पूरी तरह से स्वदेशी, एआई आधारित और क्लाउड सक्षम हीमोडायलिसिस मशीन रेनालिक्स - आरएक्सटी 21 (ऋ×ञ्ज 21) लॉन्च की है. इस मशीन के जरिए कहीं से रियल टाइम मॉनिटरिंग हो सकती है. इसके साथ ही यह क्लीनिकल कनेक्टिविटी जैसी सुविधाओं से भी लैस है. 6.70 लाख रुपये की शुरुआती कीमत के साथ आयातित मशीनों की तुलना में काफी कम मूल्य पर उपलब्ध रेनालिक्स - आरएक्सटी 21 डायलिसिस सुविधा को बड़ी आबादी के लिए किफायती और सुलभ बनाने के साथ-साथ शहरी, अर्ध-शहरी (सेमी-अर्बन) और ग्रामीण इलाकों में मांग और आपूर्ति के बीच के अंतर को पाट देगी.

पूरी तरह से भारत में डिजाइन की गई और विनिर्मित रेनालिक्स - आरएक्सटी 21 किडनी के मरीजों, एंड-स्टेज रेनल डिजीज (ईएसआरडी) मरीजों और खासकर दिल (हार्ट), फेफड़ों और किडनी में गंभीर चोट से जुड़ी जटिलताओं वाले मरीजों को सुरक्षा और गुणवत्तापूर्ण देखभाल (क्वालिटी केयर) उपलब्ध कराने के लिए क्लाउड-आधारित टेलीनेफ्रोलॉजी प्लेटफॉर्म सहित अन्य नवीनतम प्रौद्योगिकी (लेटेस्ट टेक्नोलॉजीज) का इस्तेमाल करती है. रेनालिक्स - आरएक्सटी 21 ने रेनालिक्स को यूरोपीय यूनियन (ईयू) सीई सर्टिफिकेशन वाली एडवांस्ड डायलिसिस मशीन बनाने वाली दुनिया की छठी और भारत की पहली कंपनी बना दिया है.

रेनालिक्स ने 2025-26 तक 5,000 मशीन की विनिर्माण क्षमता हासिल करने के लिए अगले चार साल में 800 करोड़ रुपये निवेश करने की योजना बनाई है. इसके साथ ही कंपनी वित्त वर्ष 2027-28 तक 1500 मशीनों की अतिरिक्त क्षमता विकसित करेगी. इसके अतिरिक्त कंपनी की भारत में ही कंज्यूमेबल्स के विनिर्माण की भी योजना है. कंपनी की विस्तार योजनाओं को सपोर्ट करने और बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए कंपनी की कर्नाटक के बेंगलुरु और मैसूर तथा महाराष्ट्र के मुंबई में विनिर्माण इकाइयां (मैन्यूफैक्चरिंग फैसिलिटीज) हैं.

शुरू हो रहा है अल्ट्रा का नया अध्याय

गुरुग्राम, एजेंसी। सैमसंग वर्षों से अपने यूजर्स की बात सुनता आया है और हमेशा उनकी उम्मीदों से आगे बढ़ने का वादा करता रहा है। आज की डिजिटल दुनिया में लोग चाहते हैं – बड़ी स्क्रीन, शानदार कैमरा और ऐसे स्मार्ट फीचर्स जो उनकी रचनात्मकता को नई उड़ान दें। इसी वादे को पूरा करते हुए सैमसंग लेकर आया है नया अल्ट्रा अनुभव – जो पोर्टेबिलिटी के साथ दमदार परफॉर्मेंस, शानदार कैमरा और स्मार्ट कनेक्टिविटी का बेहतरीन मेल है। गैलेक्सी का यह नया अध्याय तकनीक और कला को इस तरह जोड़ता है, जो रोज़मर्रा की ज़िंदगी को पहले से कहीं बेहतर बना देता है। भीड़भाड़ वाले मेट्रो स्टेशन से लेकर पूरे दिन की व्यस्त दिनचर्या तक – नया गैलेक्सी डिवाइस हर पल को स्मार्ट और आसान बनाता है। इसे हाथ में लेकर वॉयस कमांड से एआई की मदद लें, परफेक्ट रेस्टोरेंट ढूंढें और अपने डाइनिंग पार्टनर को तुरंत मैसेज भेजें। रास्ते में अधूरा ईमेल पूरा करें और फिर हाई-क्वालिटी कैमरे से उन पलों को तस्वीरों में कैद करें जो यादगार बन जाएं। एआई-पावर्ड टूल्स की मदद से आप दिनभर मैसेजिंग, ब्राउज़िंग और गेमिंग का मज़ा ले सकते हैं, वो भी बिना किसी बोझ या रुकावट के।

द वेल्थ कंपनी ने भारत की रियल एस्टेट क्षमता को भुनाने के लिए लॉन्च किया 2000 करोड़ का भारत भूमि फंड

मुंबई , एजेंसी। पैंटोमैथ ग्रुप की अंग, द वेल्थ कंपनी एसेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड ने अपनी पांचवीं भारत वैल्यू फंड सीरीज़ के तहत भारत भूमि फंड लॉन्च किया है, जो - 1000 करोड़ का कैटेगरी-2 एआईएफ है और इसमें 1000 करोड़ का ग्रीन शू ऑप्शन है। यह फंड भारत के वृद्धि दर्ज करते रियल एस्टेट सेक्टर में प्राइवेट इक्विटी-शैली की कठोरता लाता है, जिसमें उच्च अवसर वाले कॉरिडोर और मुख्य शहरों में निष्पादन के लिए तैयार परियोजनाओं पर केंद्रित दृष्टिकोण है।

भारत भूमि फंड, द वेल्थ कंपनी के निवेश क्षितिज का विस्तार है और यह उसी मूल्य-संचालित दर्शन पर आधारित है जो इसके बाकी दृष्टिकोण को परिभाषित करता है। भारत वैल्यू फंड सीरीज़ की मज़बूत नींव और

विश्वसनीयता को आगे बढ़ाते हुए - सॉवरेन फंड ऑफ फंड्स और प्रमुख फैमिली ऑफिस जैसे गुणवत्ता वाले निवेशकों द्वारा विश्वसनीय और समर्थित यह फंड रियल एसेट में निवेश को व्यापक बनाने का स्वाभाविक तरीका प्रदान करता है। दृश्यता (विज़िबिलिटी) और संपार्श्विक (कोलैटरल) समर्थन प्रदान करते हुए, रियल एस्टेट इक्विटी और निजी बाज़ार निवेश के साथ-साथ लचीला आधार बनाता है - बाज़ार चक्रों में स्थायी मूल्य प्रदर्शित करता है। द वेल्थ कंपनी के लिए, रियल एस्टेट कोई नई दिशा नहीं है, यह पोर्टफोलियो में विविधता लाने की आवश्यकता के साथ जुड़ी एक स्वाभाविक प्रगति है।

मध्यप्रदेश में भरोसेमंद बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए तात्कालिक ढांचागत सुधार जरूरी

भोपाल। मध्यप्रदेश नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है। एनटीपीसी लिमिटेड ने राज्य में सौर, पवन और हाइब्रिड परियोजनाओं सहित 20 गीगावॉट ग्रीन एनर्जी क्षमता विकसित करने के लिए 2 लाख करोड़ से अधिक का निवेश करने का संकल्प लिया है। इसके अतिरिक्त, राज्य की नवीकरणीय ऊर्जा नीति 2025 का लक्ष्य है कि वर्ष 2030 तक राज्य की 50त्न बिजली आवश्यकताएं नवीकरणीय स्रोतों से पूरी की जाएं, जिसके लिए 2027 तक 50,000 करोड़ का निवेश आकर्षित करने की योजना है। हालांकि, उत्पादन के मोर्चे पर हुई ये प्रगति आम उपभोक्ताओं के लिए भरोसेमंद बिजली आपूर्ति में तब्दील नहीं हो पाई है। साल भर, विशेषकर गर्मियों के मौसम में, निर्धारित रखरखाव कार्य या उपकरणों की खराबी के कारण बार-बार बिजली कटौती आम बात है। पिछले महीने भोपाल के लगभग 25 इलाकों में 1 से 6 घंटे तक बिजली आपूर्ति ठप रही, जिसका कारण क्षेत्र में चल रहे रखरखाव कार्य बताया गया। बिजली आपूर्ति की गुणवत्ता और भरोसेमंद वितरण को कमजोर करने वाला एक प्रमुख कारण डिस्ट्रिब्यूशन ट्रांसफॉर्मर्स (डीटी) की बार-बार खराबी है।

निष्क को मिला डायमंड्स डु गुड अवार्ड

द्देश्य-आधारित अनुकरणीय नेतृत्व का सम्मान

मुंबई, एजेंसी। टाटा परिवार के अग्रणी ज्वेलरी ब्रांड,

तनिष्क और मिआ बाए तनिष्क को डायमंड्स डु गुड पर्पज़-ड्रिवन बिज़नेस लीडरशिप अवार्ड से पुरस्कृत किया गया है। लास वेगस में संपन्न हुए प्रतिष्ठित डायमंड्स डु गुड अवार्ड्स 2025 समारोह में यह पुरस्कार दिया गया। टाइटन कंपनी लिमिटेड के ज्वेलरी डिवीज़न के सीईओ, श्री अजॉय चावला ने तनिष्क और मिआ बाए तनिष्क की ओर से पुरस्कार स्वीकार किया। प्राकृतिक हीरों के उद्यम के मूल में नैतिकता, सस्टेनेबिलिटी और समाज की उन्नति को दृढ़ता से जोड़ने में इन ब्रांडों के नेतृत्व का सम्मान इस पुरस्कार में किया गया है।

डायमंड्स डू गुड फाउंडेशन द्वारा दिया जाने वाला, यह नामचीन पुरस्कार नैतिक सोर्सिंग, समाज की उन्नति और शिक्षा के माध्यम से प्राकृतिक हीरा उद्योग में सार्थक बदलाव लाने वाले वैश्विक नेताओं का सम्मान करता है। यह पुरस्कार तनिष्क और मिआ को न केवल आभूषण ब्रांड के रूप में, बल्कि भारत और विश्व स्तर पर ज़िम्मेदारी का ध्यान रखते हुए लक्ज़री के चैंपियन के रूप में भी सुर्खियों में लाता है।

सिग्निफाई ने अपने हर गांव रोशन सीएसआर पहल के तहत आंध्र प्रदेश में लगभग 78,000 से ज्यादा लोगों की ज़िंदगी को रोशन किया

मुंबई, एजेंसी। दुनिया की मशहूर लाइटिंग कंपनी सिग्निफाई ने ब्रिदर लाइफ बेटर वर्ल्ड विज़न के अनुरूप, आंध्र प्रदेश के पर्वतिपुरम मन्यम ज़िले के लगभग 230 गांवों को अपने प्रमुख हर गांव रोशन सीएसआर प्रोजेक्ट के तहत रोशन किया है। इस पहल से कुल 17,766 परिवारों को सस्टेनेबल लाइटिंग मिली है, जिससे पूरे इलाके में 78,200 से ज़्यादा लोगों की ज़िंदगी खुशहाल हुई है।

इस प्रोजेक्ट के आधिकारिक उद्घाटन समारोह में श्याम प्रसाद, आईएएस (जिला कलेक्टर, पर्वतिपुरम मन्यम), शामिल हुए साथ ही सिग्निफाई के सीनियर अधिकारी और उनके साझेदार संगठन जन कल्याण समिति के लोग भी मौजूद थे। इस प्रोजेक्ट को ज़मीनी स्तर की संस्था जन कल्याण समिति के साथ मिलकर लागू किया गया। इसमें गांव के लोगों की भागीदारी से यह तय किया गया कि लाइटें सही जगह लगें और उनकी ठीक से देखभाल हो। गांव के कुछ लोगों को लाइट सिस्टम की बेसिक मरम्मत की ट्रेनिंग भी दी गई, ताकि यह काम लंबे समय तक टिकाऊ और असरदार बना रहे।

निखिल गुप्ता, हेड ऑफ मार्केटिंग, स्ट्रैटेजी, गवर्नमेंट अफेयर्स और सीएसआर - सिग्निफाई, ग्रेटर इंडिया ने बताया कि, भरोसेमंद रोशनी तक पहुंच विकास की बुनियाद है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

श्रेयस अय्यर का खिताब जीतने का सपना टूटा, मुंबई साउथ सेंट्रल मराठा रॉयल्स ने टी20 मुंबई लीग जीती

लॉर्ड्स (एजेंसी)। मुंबई = सिद्धेश लाड की अगुआई वाली मुंबई साउथ सेंट्रल मराठा रॉयल्स ने यहां प्रतिष्ठित वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए ग्रैंड फाइनल में श्रेयस अय्यर की अगुआई वाली सोबो मुंबई फाल्कंस को 5 विकेट से हराकर टी20 मुंबई लीग 2025 का खिताब जीत लिया। इसी के साथ ही अय्यर का एक और टी20 लीग का खिताब जीतने का सपना टूट गया। इससे पहले अय्यर की कप्तानी में 11 साल बाद फाइनल में पहुंचने वाली आईपीएल टीम पंजाब किंग्स को खिताबी मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के हाथों हार का सामना करना पड़ा था।

भारत की पहली विश्व कप विजेता टीम कपिल देव और दिलीप वेंगसरकर तथा 2024 टी20 विश्व कप विजेता कप्तान रोहित शर्मा की मौजूदगी वाले खचाखच भरे वानखेड़े स्टेडियम में सोबो मुंबई फाल्कंस ने शुरुआती झटकों से उबरते हुए मयूरेश टंडेल (नाबाद 50) के धैर्यपूर्ण अर्धशतक तथा हर्ष अघव के नाबाद 45 रनों की बदौलत 157/4 का प्रतिस्पर्धी स्कोर बनाया। जवाब में चिन्मय सुतार (53) ने तेज अर्धशतक के साथ एमएससी मराठा रॉयल्स की जीत की नींव रखी जिसमें साहिल जाधव (22), सचिन यादव (19) और विस्फोटक अवैस खान (38) का बहुमूल्य योगदान रहा।

कप्तान सिद्धेश लाड (15) और साहिल ने 32 रनों की तेज साझेदारी करके रॉयल्स को स्थिर शुरुआत दी। इसके बाद चिन्मय ने दो महत्वपूर्ण साझेदारियां कीं जिसमें सचिन यादव के साथ 41 रनों की साझेदारी और उसके बाद अवैस खान के साथ 63 रनों की साझेदारी शामिल थी। इससे रॉयल्स ने लक्ष्य का पीछा मजबूती से खेल को अपने नियंत्रण में कर लिया। हालांकि, 10 गेंदों पर केवल आठ रनों की आवश्यकता के साथ, बाएं हाथ के स्पिनर कार्तिक मिश्रा ने नाटकीय रूप से अंतिम ओवर में अवैस और चिन्मय दोनों को आउट करके फाल्कन्स को मुकाबले में वापस ला दिया। अंतिम ओवर में सात रन की जरूरत थी। ऐसे समय में रोहन राजे ने अपना धैर्य बनाए रखते पहली गेंद पर चौका लगाया

और चार गेंद शेष रहते जीत सुनिश्चित की जिससे रॉयल्स को तनावपूर्ण लेकिन अच्छी जीत मिली। इससे पहले पहले बल्लेबाजी करने के लिए मैदान पर आए फाल्कंस शुरुआती लय पाने में विफल रहे। दोनों सलामी बल्लेबाजों अंगकृश रघुवंशी (7) और ईशान मूलचंदानी (20) सिर्फ 33 रन पर विकेट गंवा बैठे। कप्तान श्रेयस अय्यर (12) और अमोघ भटकल (16) भी अपनी शुरुआत का फायदा उठाए बिना आउट हो गए। बाएं हाथ के स्पिनर वैभव माली ने फाल्कंस को शुरू में ही परेशान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, उन्होंने रघुवंशी को आउट किया और फिर अय्यर का बेशकीमती विकेट लिया। 12 ओवर के बाद 72/4 पर संघर्ष करते हुए फाल्कंस मुश्किल में थे, इससे पहले मयूरेश और हर्ष ने पांचवें विकेट के लिए 85 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी की। उनकी अटूट साझेदारी ने न केवल पारी को संभाला, बल्कि टीम को फाइनल के दूसरे हाफ में महत्वपूर्ण गति भी दी।

मेजर लीग क्रिकेट : न्यूजीलैंड के फिन ने 34 गेंदों में ही शतक लगाकर पूरन का रिकार्ड तोड़ा

-टूर्नामेंट के इतिहास का दूसरे सबसे तेज शतक लगाया

सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के फिन एलन ने मेजर क्रिकेट लीग 2025 के पहले ही मैच में सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स की ओर से खेलते हुए अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से धूम मचा दी। एलन ने इस मैच में वॉशिंगटन फ्रीडम के खिलाफ 34 गेंदों में ही शतक लगा दिया। यह इस टूर्नामेंट के इतिहास का दसरा सबसे तेज शतक है। एलन की इस आक्रामक पारी से यूनिकॉर्न्स ने 20 ओवर में 269 रन बनाये। एलन ने 51 गेंदों पर 5 चौके और 19 छक्कों की सहायता से सबसे अधिक 151 रन बनाए। इस प्रकार एलन के नाम एक पारी में सबसे अधिक 19 छक्के लगाने का विश्व रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। इससे पहले यह रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के क्रिस गेल और इसटोनिया के साहिल चौहान के नाम था जिन्होंने एक पारी में 18-18 छक्के लगाये लगाये थे।

एलन अब मेजबर लीग में सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। उन्होंने इस पारी के साथ ही इसी सप्ताह संन्यास लेने वाले वेस्टइंडीज के आक्रामक बल्लेबाज निकोलस पूरन को पीछे छोड़ दिया। पूरन ने इस टूर्नामेंट में 40 गेंदों पर ही शतक लगा दिया। वहीं एलन 51 गेंदों पर 151 रन बनाकर मिशेल ओवेन की गेंद पर आउट हुए। एलन ने 49 गेंदों पर ही 150 रन पूरे कर दिये। इससे वह टी20 क्रिकेट के इतिहास में सबसे तेज 150 रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गये।

एलन की इस तोड़ पारी से सैन फ्रांसिस्को ने 20 ओवर में 269 रन बनाये। ये मेजर लीग में बना अब तक का सबसे अधिक स्कोर है।एलन की इस रिकार्ड पारी से की फ्रांसिस्को ने 20 ओवर में 269 रन बनाये। , जो एमएलसी के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है। एलन के अलावा संजय कृष्णमूर्ति और हसन खान ने भी अहम भूमिका निभाई और 180 और 211.11 की स्ट्राइक रेट से क्रमशः 36 और 38 रन बनाए।

हरभजन सिंह ने भारत की नम्बर 3 की समस्या सुलझाई, इंग्लैंड के खिलाफ इसे मौका देने की बात की

स्पोर्ट्स डेस्क (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की आगामी टेस्ट सीरीज से पहले भारतीय के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने नए नंबर 3 बल्लेबाज के तौर पर साई सुदर्शन का समर्थन किया है। हेडिंग्ले में पहले टेस्ट से पूर्व हरभजन ने कहा कि सुदर्शन इस भूमिका के लिए सबसे उपयुक्त व्यक्ति होंगे। विदर्भ क्रिकेट लीग के दौरान बोलते हुए हरभजन ने कहा कि सुदर्शन हाल ही में शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने आईपीएल 2025 में भी शानदार प्रदर्शन किया था, जिसमें वह सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे थे। हालांकि यह देखना बाकी है कि सुदर्शन को पहले टेस्ट में मौका मिलेगा या नहीं। हरभजन ने कहा, 'मेरे हिसाब से साई सुदर्शन को तीसरे नंबर पर खेलना चाहिए। वह बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं, बेहतरीन फॉर्म में हैं और हाल ही में उन्होंने आईपीएल में शानदार प्रदर्शन किया है। उनकी तकनीक अच्छी है और मेरा मानना है कि वह इस स्थान के लिए सही विकल्प हो सकते हैं।' श्रेयस अय्यर को टेस्ट दौरे के लिए भारतीय टीम में जगह नहीं मिली है। इस पर पूर्व कप्तान और बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने उन्हें टीम में शामिल किए जाने की बात कही थी। अब हरभजन ने भी अय्यर का समर्थन किया है। उन्होंने कहा, 'श्रेयस अय्यर बहुत बढ़िया खिलाड़ी हैं। उन्होंने वनडे में खुद को साबित किया है, विश्व कप, चैंपियंस ट्रॉफी और आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन किया है।

हेड कोच गौतम गंभीर भारत वापस लौटे, 20 जून से इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होनी है टेस्ट सीरीज

लंदन (एजेंसी)। लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज शुरू होने से एक सप्ताह पहले हेड कोच गौतम गंभीर पारिवारिक आपातकाल के कारण स्वदेश वापस लौट आए हैं। शुक्रवार से शुरू होने वाले इंट्रा-स्क्वाड अभ्यास मैच से पहले गंभीर बेकेनहैम में भारतीय टीम के साथ थे।

सूत्रों के हवाले से जानकारी के मुताबिक, 'हां, कल यह बात सामने आई कि गंभीर अपनी मां से संबंधित एक महत्वपूर्ण पारिवारिक आपात स्थिति के कारण घर वापस आ रहे हैं। अब तक, हमारा मानना है कि गंभीर पहले ही नई दिल्ली में अपने परिवार से जुड़ चुके हैं। मौजूदा स्थिति को ध्यान में रखते हुए, यह अभी तक पता नहीं है कि टेस्ट सीरीज की शुरुआत से पहले वह भारतीय टीम से कब जुड़ेंगे।'

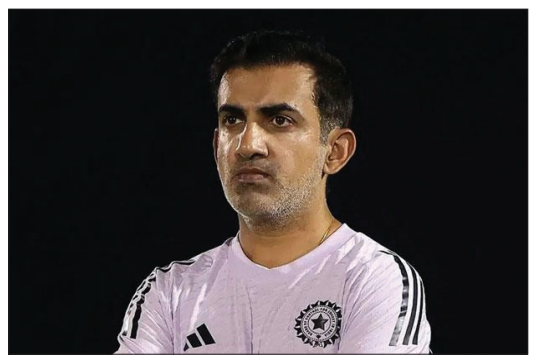

गंभीर की अनुपस्थिति में बल्लेबाजी कोच सीतांशु कोटक, गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल, सहायक कोच रेयान टेन डोशेट और फील्डिंग कोच टी दिलीप भारतीय टीम को हेडिंग्ले में शुरू होने वाली बेन स्टोक्स की अगुवाई वाली इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज की तैयारी में मदद करेंगे। इंग्लैंड का टेस्ट दौरा दाएं हाथ के बल्लेबाज शुभमन गिल का भारतीय टीम के कप्तान के रूप में पहला काम भी होगा क्योंकि पिछले महीने रोहित शर्मा और विराट कोहली ने संन्यास ले लिया था।

गिल 25 साल और 258 दिन की उम्र में टेस्ट में भारत की कप्तानी करने वाले पांचवें सबसे कम उम्र के क्रिकेटर भी बन जाएंगे। विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत भारत के उप-कप्तान होंगे। भारत और इंग्लैंड बर्मिंघम के एजबेस्टन, लंदन के लॉर्ड्स, मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड और लंदन के द ओवल में भी मैच खेलेंगे। भारत 2007 के बाद पहली बार इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज जीतने का लक्ष्य बना रहा है। इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज 2025-27 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र में भारत का पहला असाइनमेंट भी होगा।

इंग्लैंड दौरे से बाहर हुई महिला क्रिकेटर सुचि उपाध्याय , राधा यादव शामिल

बेंगलुरु ।भारतीय महिला क्रिकेट टीम को अभी इंग्लैंड दौरे पर जाना है। इसी के लिए बेंगलुरु स्थिति सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अभ्यास चल रहा था जहां एक क्रिकेटर सुचि उपाध्याय चोटिल होने के कारण दौरे से बाहर हो गयी हैं। ऐसे में बीसीसीआई ने उनकी जगह पर राधा यादव को विकल्प के तौर पर शामिल किया है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को इंग्लैंड दौरे पर 5 मैचों की टी20 और 3 मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलनी है। पहला टी20 मैच 28 जून को खेला जाएगा। वहीं सीरीज का अंतिम मैच 12 जुलाई को होगा। इसके बाद 16 जुलाई से एकदिवसीय सीरीजशुरू होगी जिसका अंतिम मैच 22 जुलाई को होगा। भारत और श्रीलंका में होने वाले महिला एकदिवसीय विश्वकप से पहले इंग्लैंड के खिलाफ ये सीरीज काफी अहम रहेगी। विश्वकप 30 सितंबर से 2 नवंबर तक वर्ल्ड कप आयोजित होगा, जिसमें 8 टीमों के बीच कुल 31 मैच खेले जाएंगे। 2 नंबर को फाइनल मैच बेंगलुरु में होगा, अगर पाकिस्तान टीम फाइनल तक जगह बनाती है तो फिर खिताबी मुकाबला कोलंबो में खेला जाएगा।

तिलक काउंटी क्रिकेट में हैंपशर की ओर से खेलेंगे

हैदराबाद । आईपीएल में मुम्बई इंडियंस की ओर से शानदार प्रदर्शन के बाद अब बल्लेबाज तिलक वर्मा इंग्लिश काउंटी में खेलते नजर आयेंगे। हैदराबाद क्रिकेट संघ (एचसीए) ने कहा कि बाएं हाथ का ये बल्लेबाज काउंटी टीम हैंपशर की ओर से खेलेगा। वह हैदराबाद की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलते हैं। एचसीए ने कहा, ''हैदराबाद क्रिकेट संघ को यह बताते हुए खुशी हो रही है कि तिलक को शामिल करने के लिए हैंपशर काउंटी टीम ने हमसे संपर्क किया है।'' साथ ही कहा कि 'हैदराबाद क्रिकेट संघ उन्हें हैंपशर काउंटी के साथ शानदार जुड़ने के लिए अपनी शुभकामनाएं देता है।'' गौरतलब है कि तिलक ने 18 प्रथम श्रेणी मैच में 50.16 की औसत से 1,204 रन बनाए हैं, उनका सबसे अधिक स्कोर 121 रन रहा है। उन्होंने पांच शतक और चार अर्द्धशतक बनाये हैं। तिलक ने भारतीय टीम की ओर से 25 टी20 और चार एकदिवसीय मैचों में तकरीबन 749 और 68 रन बनाए हैं। तिलक काउंटी क्रिकेट में बेहतर प्रदर्शन कर अगले टी20 विश्वकप के लिए भारतीय टीम में अपनी दावेदारी पक्की करना चाहेंगे वहीं भारत के ही एक अन्य बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ काउंटी चैंपियनशिप डिविजन वन के पांच मैचों में वनडे कप के लिए यॉर्कशर की ओर से खेलेंगे। यॉर्कशर को सर्रे के खिलाफ जुलाई में काउंटी मुकाबले खेलने हैं। गायकवाड़ सत्र के आखिर तक टीम के साथ रहेंगे। गायकवाड़ इस समय इंग्लैंड दौरे पर भारत ए टीम के साथ हैं। यॉर्कशर ने कहा कि रूतुराज एक अच्छे बल्लेबाज हैं और उनके आने से टीम को लाभ होगा।

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में बनाए 207 रन, दक्षिण अफ्रीका के सामने 282 का लक्ष्य

लंदन (एजेंसी)। मिचेल स्टार्क (नाबाद 58) की अर्धशतकीय पारी और आखिरी विकेट के लिए जोश हेजलवुड (17) के साथ 59 रन की साझेदारी के बूते ऑस्ट्रेलिया ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के तीसरे दिन शुक्रवार को अपनी दूसरी पारी में 207 रन बनाकर दक्षिण अफ्रीका को जीत के लिए 282 रन का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य दिया।

ऑस्ट्रेलिया ने दिन की शुरुआत आठ विकेट पर 144 रन से की और कागिसो रबाडा ने दिन के तीसरे ओवर में ही नाथन लियोन (दो) को पगबाधा कर उसे नौवां झटका दिया। लियोन ने मैदानी अंपायर के फैसले के खिलाफ डीआरएस का इस्तेमाल किया लेकिन उन्हें इसका कोई फायदा नहीं हुआ। स्टार्क और हेजलवुड ने इसके बाद दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों को विकेट के लिए तरसाते हुए 135 गेंदों में 59 रन की साझेदारी की। एडेन मारक्रम ने ऑस्ट्रेलिया की पारी के 65वें ओवर में केशव महाराज के हाथों हेजलवुड को कैच कराकर ऑस्ट्रेलिया की पारी को खत्म

किया जिसके बाद अंपायरों ने लंच की घोषणा कर दी।

स्टार्क ने तीन घंटे से अधिक की पारी में 136 गेंद का सामना कर पांच चौके लगाए। वह बृहस्पतिवार को जब क्रीज पर उतरे थे उस समय ऑस्ट्रेलिया की टीम 73 रन पर सात विकेट गंवा कर मुश्किल स्थिति में थी। उन्होंने एलेक्स कैरी के साथ आठवें विकेट के लिए 61 रन की साझेदारी करने के बाद आखिरी विकेट के लिए 59 रन जोड़ कर मैच में ऑस्ट्रेलिया की स्थिति बेहद मजबूत कर दी। स्टार्क और हेजलवुड टेस्ट क्रिकेट में दसवें विकेट के लिए तीन बार पचास से अधिक की साझेदारी करने वाली दूसरी जोड़ी है, उनसे पहले यह उपलब्धि बीजे वाटलिंग और ट्रेंट बोल्ट ने हासिल की थी।

दिन की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के निचले क्रम के बल्लेबाजों को दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों ने परेशान किया। स्टार्क और हेजलवुड को किस्मत का भी साथ मिला जब गेंद बल्ले के करीब से निकली या बल्ले का किनारा लेते हुए क्षेत्ररक्षकों से दूर रही। हेजलवुड ने भी स्टार्क का साथ अच्छे से दिया और अपनी बल्लेबाजी तकनीक से प्रभावित करते हुए 53 गेंद की पारी में दो चौके लगाये। मार्को यानसेन की गेंद स्टार्क के बल्ले का किनारा लेते हुए स्लिप के ऊपर से चार रनों के लिए चली गई जिससे उन्होंने टेस्ट में अपना 11वां अर्धशतक पूरा किया और टीम के स्कोर को 200 रन तक पहुंचाया।

आखिरी विकेट चटकाने के लिए दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा ने तेज गेंदबाजों को आजमाने के बाद केशव महाराज को गेंदबाजी दी। महाराज भी टीम को सफलता दिलाने में नाकाम रहे जिसके बाद मारक्रम को गेंद थमाई गयी। इस कामचलाऊ स्पिनर का पहला ओवर मेडन रहा लेकिन उनके दूसरे ओवर की आखिरी गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में हेजलवुड महाराज को कैच दे बैठे। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी में 212 रन के जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 138 रन पर आउट हो गयी थी।

डब्ल्यूटीसी फाइनल में बल्लेबाज के पैड और पैर के बीच फंसी गेंद

लॉर्ड्स । यहां दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच जारी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में एक अजब वाकया सामने आया। इस मैच में दूसरे दिन के खेल के दौरान जब दक्षिण अफ्रीका के डेविड बेडिंगम बल्लेबाजी कर रहे थे तो गेंद उनके बल्ले से लगने के बाद पैड और पैर के बीच की जगह में फंस गई। इसपर जब बल्लेबाज ने उसे निकाला तो ऑस्ट्रेलियाई फील्डर ने बॉल हैंडलिंग की अपील कर दी पर अंपायर ने बल्लेबाज को आउट नहीं दिया। आईसीसी ने इस घटना का वीडियो भी जारी किया है। ये मामला मैच के दूसरे दिन लंच से पहले के अंतिम ओवर का है। तब दक्षिण अफ्रीका का स्कोर 5 विकेट पर 113 रन था। इस दौरान बेडिंगम बल्लेबाजी कर रहे थे। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज वेबस्टर की गेंद बेडिंगम के बल्ले से लगकर उनके पैर पर टकराई और फिर पैड और पैर के बीच में अटक गई। ऑस्ट्रेलियाई विकेट कीपर एलेक्स कैरी के गेंद को पकडने से पहले ही बेडिंगम ने गेंद को हाथ से पकड़कर पिच पर फेंक दिया। कैरी ने इसपर बॉल हैंडलिंग की अपील कर दी। बेडिंगम इससे डर गये पर अंपायरों ने फैसला किया कि उन्होंने मैदान में बाधा डालने से जुड़े नियम का उल्लंघन नहीं किया है इसलिए उन्हें संदेह का लाभ देते हुए नाटआउट करार दिया। इस तरह बेडिंगम आउट होते-होते बचे। आईसीसी नियमों अनुसार अगर कोई बल्लेबाज जानबूझकर गेंद को रोकता है या दोनों बल्लेबाजों में से कोई भी जानबूझकर कुछ ऐसा हरकत करता है जो फील्डर के कैच लेने में बाधा उत्पन्न करता है तो बल्लेबाज को आउट दिया जाता है।

सचिन की तरह छोटी उम्र में ही बड़े रिकार्ड बना रहे वैभव

मुम्बई (एजेंसी)। 14 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी जिस प्रकार का प्रदर्शन आईपीएल में किया है उससे सभी हैरान है। इस टूर्नामेंट में वैभव ने विश्व के शीर्ष तेज गेंदबाजों को भी जमकर पीटा। ऐसे में अब उनकी तुलना महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर से होने लगी है। सचिन ने जो काम 16 से 17 साल में किया था वैभव उसे 14-15 साल में ही कर लेना चाहते हैं। भारतीय क्रिकेट में सचिन को भगवान का दर्जा हासिल है। ऐसे में वैभव से उनकी तुलना करना और भी अहम हो जाता है। उनका रणजी ट्रॉफी डेब्यू, घरेलू क्रिकेट में शतक पर नजर डालें तो वैभव भी सचिन की तरह लगते हैं। तेंदुलकर ने 1988 में केवल 15 साल की उम्र में मुंबई के लिए रणजी ट्रॉफी में डेब्यू किया था। यह वो दौर था जब सचिन ने अपनी बल्लेबाजी से सभी को हैरान कर दिया था। उन्होंने अपने पहले रणजी मैच में शतक बनाकर भविष्य में नये रिकार्ड बनाने के संकेत दे दिये थे। वहीं वैभव ने 2024 में 13 साल और 269 दिन की उम्र में रणजी ट्रॉफी में डेब्यू किया। इससे वे इस टूर्नामेंट में सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने हालांकि डेब्यू मैच में वह सचिन की तरह रन नहीं बना पाये पर उनका मनोबल देखकर सभी हैरत में पड़ गये।

सचिन रणजी मैच में शतक जड़कर अपनी क्षमता साबित कर चुके थे। 1988 में हैरिस शील्ड टूर्नामेंट में विनोद कांबली के साथ उनकी 664 रन की ऐतिहासिक साझेदारी ने भी उनका नाम सभी जानने लगे थे। दूसरी ओर वैभव अपने रणजी डेब्यू में भले ही कमाल नहीं कर पाए लेकिन आईपीएल 2025 में अपने 35 गेंदों पर लगाये शतक से वह रातो-रात हीरो बन गये। उन्होंने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 35 गेंदों में 100 रन बनाकर टी20 क्रिकेट इतिहास में सबसे कम उम्र में शतक लगाने का रिकॉर्ड बनाया। वैभव ने ये रन मोहम्मद सिराज से और राशिद खान जैसे खिलाड़ियों के खिलाफ बनाये थे।

मिराज बांग्लादेश एकदिवसीय क्रिकेट टीम के नये कप्तान बनाये गये

ढाका । ऑलराउंडर मेहदी हसन मिराज बांग्लादेश एकदिवसीय क्रिकेट टीम के नये कप्तान बनाये गये हैं। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने मिराज को कप्तान बनाये जाने की घोषणा की है। मिराज अगले एक साल तक के लिए कप्तान बनाये गये हैं। उन्हें नजमुल हुसैन शांतो की जगह कप्तान बनाया गया है। वह अगले महीने श्रीलंका में होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज से कप्तानी संभालेंगे। कप्तान बनोय जाने पर मिराज ने खुशी जतायी है। मिराज ने कहा, 'राष्ट्रीय टीम की कप्तानी करना एक सपने के सच होने जैसा है। बोर्ड ने मुझ पर जो भरोसा जताया है, उससे मैं बेहद सम्मानित महसूस कर रहा हूं। यह मेरे और मेरे परिवार के लिए गर्व का क्षण है। मुझे इस टीम पर पूरा भरोसा है। हमारे पास निडर क्रिकेट खेलने का कौशल और मानसिकता है। मैं चाहता हूं कि हम आत्मविश्वास से भरे रहें, प्रतिबद्ध रहें और देश के लिए दिल से खेलते रहें। इस ऑलराउंडर ने इससे पहले शंटो की अनुपस्थिति में चार एकदिवसीय मैचों में बांग्लादेश की कप्तानी की थी। 105 एकदिवसीय मैचों में 1617 रन और 110 विकेट के साथ, मिराज वर्तमान में आईसीसी रैंकिंग में ऑलराउंडरों में चौथे स्थान पर हैं। वह मोहम्मद रफीक, मशरफे मुर्तजा और शाकिब अल हसन के साथ बांग्लादेशी क्रिकेटरों के एक ऐसे समूह का भी हिस्सा हैं, जिन्होंने इस प्रारूप में 1000 रन और 100 विकेट पूरे किए हैं। इससे पहले इस, ऑलराउंडर को अगले महीने श्रीलंका में होने वाले अगले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र के अपने पहले असाइनमेंट के लिए बांग्लादेश की टेस्ट टीम में उप-कप्तान बनाया गया था। बीसीबी क्रिकेट संचालन समिति के अध्यक्ष नजमुल अबेदीन ने उन्हें पुरस्कृत करने के निर्णय के पीछे ऑलराउंडर की निरंतरता की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा, 'मिराज ने बल्ले और गेंद दोनों से लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है और टीम में जुझारू भावना और संक्रामक ऊर्जा लेकर आए हैं। उनके प्रदर्शन, नेतृत्व के गुण और समग्र परिपक्वता उन्हें हमारी एकदिवसीय टीम का मार्गदर्शन करने के लिए एक उपयुक्त विकल्प बनाती है।

अहमदाबाद विमान हादसा:भारतीय खिलाड़ियों ने पीड़ितों की याद में रखा मौन और काली पट्टी बांधी

बेकेनहैम (इंग्लैंड) (एजेंसी)। भारतीय खिलाड़ियों और उनके सहयोगी स्टाफ के सदस्यों ने शुक्रवार को यहां 'इंट्रा-स्क्वाड (भारत और भारत ए के खिलाड़ियों की टीमें)' मैच की शुरुआत से पहले अहमदाबाद विमान दुर्घटना के पीड़ितों की याद में एक मिनट का मौन रखा और बांह पर काली पट्टी बांध कर मैदान पर उतरे।

बृहस्पतिवार दोपहर 242 लोगों को ले जा रहा बोइंग 787 ड्रीमलाइनर (एआई 171) विमान अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद एक मेडिकल कॉलेज परिसर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसमें एक विमान सवार को छोड़कर सभी की मौत हो गयी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा, 'बेकेनहैम में इंट्रा-स्क्वाड मैच में शामिल खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ के सदस्य बांह पर काली पट्टी बांध कर मैदान में उतरे हैं।'

बयान में कहा गया, 'अहमदाबाद विमान दुर्घटना के पीड़ितों को श्रद्धांजलि देने के लिए एक मिनट का मौन भी रखा गया।' मुख्य कोच गौतम गंभीर, टेस्ट कप्तान शुभमन गिल और अनुभवी खिलाड़ी केएल राहुल और रविंद्र जडेजा सहित इंग्लैंड दौरे पर गए सदस्यों ने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया पोस्ट में दुर्घटना पर अपनी पीड़ा व्यक्त की है।

महान खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर ने भी सोशल मीडिया के जरिये इस दुर्घटना में जान गंवाने वाले और उनके परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की। तेंदुलकर ने एक्स पर लिखा, 'अहमदाबाद में विमान दुर्घटना से स्तब्ध और दुखी हूं। बहुत हृदय विदारक घटना। दिवंगत आत्माओं के लिए प्रार्थना करता हूं। ईश्वर उनके परिजनों को इस कठिन समय में साहस प्रदान करें।' चार दिवसीय इंट्रा-स्क्वाड मैच भारतीय खिलाड़ियों के लिए 20 जून से लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होने वाली पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए तैयारी करने का आखिरी मौका होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फरवरी महीने से जायद की फसलों की बुवाई का समय शुरू है। इन फसलों की बुवाई मार्च तक चलती है। इस समय बोने पर ये फसलें अच्छी पैदावार देती हैं। इस मौसम में खीरा, ककड़ी, करेला, लौकी, तोरई, पेठा, पालक, फूलगोभी, बैंगन, भिण्डी, अरबी जैसी सब्ज़ियों की बुवाई करनी चाहिए।

गर्मियों में उगाए सब्जियां होगा भरपूर फायदा

खीरा

खीरे की खेती के लिए खेत में क्यारियां बनाएं। इसकी बुवाई लाइन में ही करें। लाइन से लाइन की दूरी 1.5 मीटर रखें और पौधे से पौधे की दूरी 1 मीटर। बुवाई के बाद 20 से 25 दिन बाद निराई - गुड़ाई करना चाहिए। खेत में सफाई रखें और तापमान बढ़ने पर हर सप्ताह हल्की सिंचाई करें। खेत से खरपतवार हटाते रहें।

ककड़ी

ककड़ी की बुवाई के लिए एक उपयुक्त समय फरवरी से मार्च ही होता है लेकिन अगेती फसल लेने के लिए पॉलीथीन की थैलियों में बीज भरकर उसकी रोपाई जनवरी में भी की जा सकती है। इसके लिए एक एकड़ भूमि में एक किलोग्राम बीज की ज़रूरत होती है। इसे लगभग हर तरह की ज़मीन में उगाया जा सकता है। भूमि की तैयारी के समय गोबर की खाद डालें व खेत की तीन से चार बार जुताई करके सुहागा लगाएं। ककड़ी की बीजाई 2 मीटर चौड़ी क्यारियों में नाली के किनारों पर करनी चाहिए। पौधे से पौधे का अंतर 60 सेंटीमीटर रखें। एक जगह पर दो - तीन बीज बोएं। बाद में एक स्थान पर एक ही पौधा रखें।

करेला

हल्की दोमट मिट्टी करेले की खेती के लिए अच्छी होती है। करेले की बुवाई दो तरीके से की जाती है - बीज से और पौधे से। करेले की खेती के लिए 2 से 3 बीज 2.5 से 5 मीटर की दूरी पर बोने चाहिए। बीज को बोने से पहले 24 घंटे तक पानी में भिगो लेना चाहिए इससे अंकुरण जल्दी और अच्छा होता है। नदियों के किनारे की ज़मीन करेले की खेती के लिए बढ़िया रहती है। कुछ अम्लीय भूमि में इसकी खेती की जा सकती है। पहली जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से करें इसके बाद दो - तीन बार हैरो या कल्टीवेटर चलाएं।

लौकी

लौकी की खेती कर तरह की मिट्टी में हो जाती है लेकिन दोमट मिट्टी इसके लिए सबसे अच्छी होती है। लौकी की खेती के लिए एक हेक्टेयर में 4.5 किलोग्राम बीज की ज़रूरत होती है। बीज को खेत में बोने से पहले 24 घंटे पानी में भिगोने के बाद टाट में बांध कर 24 घंटे रखें। करेले की तरह लौकी में भी ऐसा करने से बीजों का अंकुरण जल्दी होता है। लौकी के बीजों के लिए 2.5 से 3.5 मीटर की दूरी पर 50 सेंटीमीटर चौड़ी व 20 से 25 सेंटीमीटर गहरी नालियां बनानी चाहिए। इन नालियों के दोनों किनारे पर गरमी में 60 से 75 सेंटीमीटर के फासले पर बीजों की बुवाई करनी चाहिए। एक जगह पर 2 से 3 बीज 4 सेंटीमीटर की गहराई पर बोएं।

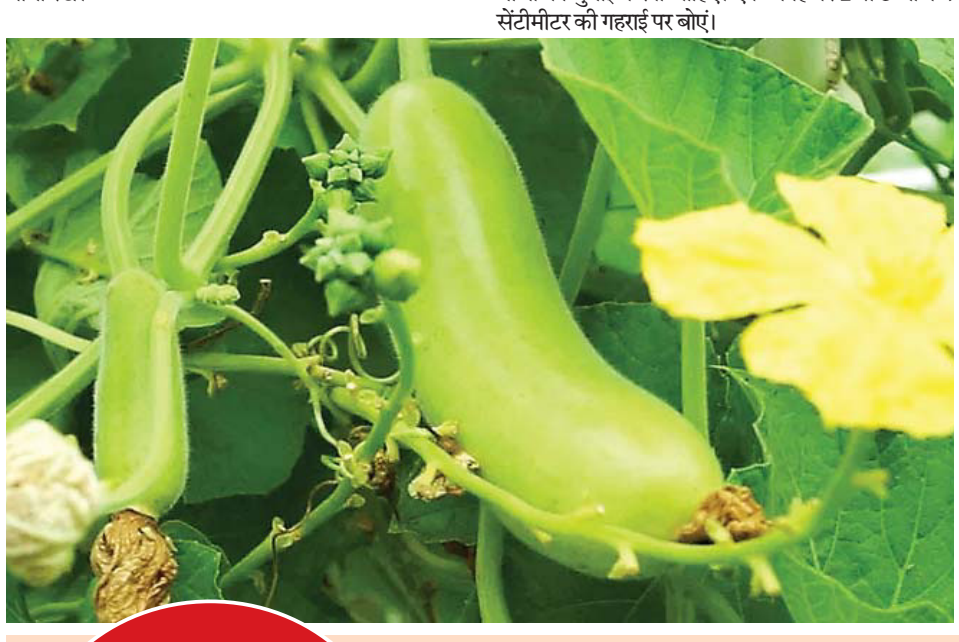

भिंडी

भिंडी की अगेती किस्म की बुवाई फरवरी से मार्च के बीच करते हैं। इसकी खेती हर तरह की मिट्टी में हो जाती है। भिंडी की खेती के लिए खेत को दो-तीन बार जुताई कर मिट्टी को भुरभुरा कर लेना चाहिए और फिर पाटा चलाकर समतल कर लेना चाहिए। बुवाई कतारों में करनी चाहिए। कतार से कतार दूरी 25-30 सेमी और कतार में पौधे की बीच की दूरी 15-20 सेमी रखनी चाहिए। बोने के 15-20 दिन बाद पहली निराई-गुड़ाई करना जरुरी रहता है। खरपतवार नियंत्रण के लिए रासायनिक का भी प्रयोग किया जा सकता है।

तोरई

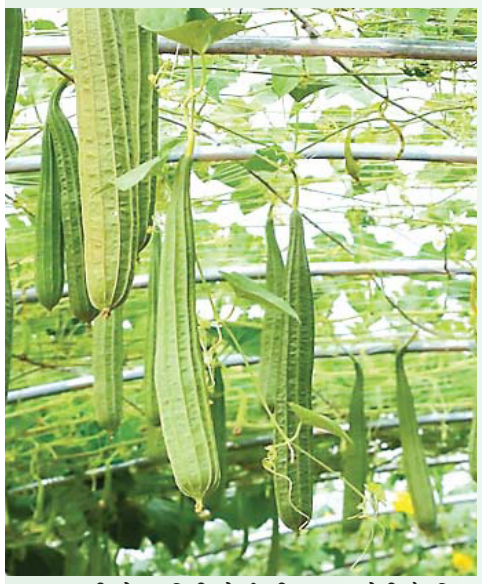

हल्की दोमट मिट्टी तोरई की सफल खेती के लिए सबसे अच्छी मानी जाती है। नदियों के किनारे वाली भूमि इसकी खेती के लिए अच्छी रहती है। इसकी बुवाई से पहले, पहली जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से करें इसके बाद 2 से 3 बार बार हैरो या कल्टीवेटर चलाएं। खेत कि तैयारी में मिट्टी भुरभुरी हो जानी चाहिए। तोरई में निराई ज़्यादा करनी पड़ती है। इसके लिए कतार से कतार की दूरी 1 से 1.20 मीटर और पौधे से पौधे की दूरी एक मीटर होनी चाहिए। एक जगह पर 2 बीज बोने चाहिए। बीज को ज़्यादा गहराई में न लगाएं इससे अंकुरण पर फर्क पड़ता है। एक हेक्टेयर ज़मीन में 4 से 5 किलोग्राम बीज लगता है।

अरबी

अरबी की खेती के लिए रेतीली दोमट मिट्टी अच्छी रहती है। इसके लिए ज़मीन गहरी होनी चाहिए। जिससे इसके कंदों का समुचित विकास हो सके। अरबी की खेती के लिए समतल क्यारियां बनाएं। इसके लिए कतार से कतार की दूरी 45 सेमी. व पौधे से पौधे की दूरी 30 सेमी होनी चाहिए। इसकी गांठों को 6 से 7 सेंटीमीटर की गहराई पर बो दें।

पालक

पालक के लिए बलुई दोमट या मटियार मिट्टी अच्छी होती है लेकिन ध्यान रहे अम्लीय ज़मीन में पालक की खेती नहीं होती है। भूमि की तैयारी के लिए मिट्टी को पलेवा करके जब वह जुताई योग्य हो जाए तब मिट्टी पलटने वाले हल से एक जुताई करना चाहिए, इसके बाद 2 या 3 बार हैरो या कल्टीवेटर चलाकर मिट्टी को भुरभुरा बना लेना चाहिए। साथ ही पाटा चलाकर भूमि को समतल करें। पालक की खेती के लिए एक हेक्टेयर में 25 से 30 किलोग्राम बीज की ज़रूरत होती है। बुवाई के लिए कतार से कतार की दूरी 20 से 25 सेंटीमीटर और पौधे से पौधे की दूरी 20 सेंटीमीटर रखना चाहिए। पालक के बीज को 2 से 3 सेन्टीमीटर की गहराई पर बोना चाहिए, इससे अधिक गहरी बुवाई नहीं करनी चाहिए।

बैंगन

इसकी नर्सरी फरवरी में तैयार की जाती है और बुवाई अप्रैल में की जाती है। बैंगन की खेती के लिए अच्छी जल निकासी वाली दोमट मिट्टी उपयुक्त होती है। नर्सरी में पौधे तैयार होने के बाद दूसरा महत्वपूर्ण कार्य होता है खेत को तैयार करना। मिट्टी परीक्षण करने के बाद खेत में एक हेक्टेयर के लिए 4 से 5 ट्रॉली पक्का हुआ गोबर का खाद् बिखेर दे। बैंगन की खेती के लिए दो पौधों और दो कतार के बीच की दूरी 60 सेंटीमीटर होनी ही चाहिए।

पेठा

पेठा कद्दू की खेती के लिए दोमट व बलुई दोमट मिट्टी सब से अच्छी मानी जाती है। इसके अलावा यह कम अम्लीय मिट्टी में आसानी से उगाया जा सकता है। पेठा की बुवाई से पहले खेतों की अच्छी तरह से जुताई कर के मिट्टी को भुरभुरी बना लेना चाहिए और 2-3 बार कल्टीवेटर से जुताई कर के पाटा लगाना चाहिए। इसके लिए एक हेक्टेयर में 7 से 8 किग्रा बीज की ज़रूरत होती है। इसकी बुवाई के लिए लगभग 15 हाथ लंबा का एक सीधा लकड़ी का डंडा ले लेते हैं, इस डंडे में दो-दो हाथ की दूरी पर फीता बांधकर निशान बना लेते हैं जिससे लाइन टेढ़ी न बने। दो हाथ की दूरी पर लम्बाई और चौड़ाई के अंतर पर गोबर की खाद का सीधे लाइन में गोबर की खाद घुरवा बनाते हैं जिसमे पेठे के सात से आठ बीजे गाड़ देते हैं अगर सभी जम गए तो बाद में तीन चार पौधे छोड़कर सब उखाड़ कर फेंक दिए जाते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वे एक करोड़ दे रहे हैं, मैं दो करोड़ देती हूं... मुझे मेरे पिता लौटा दो

-विमान हादसे में अपने पिता को खो चुकी बेटी का दर्द

अहमदाबाद (एजेंसी)। आप एक करोड़ देना चाहते हो, मैं आपको दो करोड़ दूंगी, बस मेरे पापा वापस कर दो...ये शब्द हैं विमान हादसे में अपने पिता को खो चुकी बेटी फाल्गुनी के है। फाल्गुनी ने जब ये कहा वहां मौजूद हर इंसान की आंख नम हो गई। उसकी आवाज में क्रोध था, लाचारी थी, लेकिन सबसे अधिक था बेटी का अपने पिता के प्रति प्रेम। फाल्गुनी सवाल पूछती हैं, कोई बता दें कि मेरे पापा की क्या गलती थी जो फ्लाइट में बैठे थे। मैं बेटी हूं, मुझे मेरे पापा वापस ला कर दो। एअर इंडिया क्या मजाक बना कर बैठी है, कोई जवाब नहीं, कोई संवेदना नहीं। रोते हुए गुस्से में फाल्गुनी ने कहा कि वे एक करोड़ देने की बात कर रहे हैं, मैं दो करोड़ दूंगी, लेकिन बदले में मेरे पापा वापस ला दो। क्या पैसे से इंसान खरीदे जा सकते हैं? फाल्गुनी कहती है कि मेरे पिता एक देशभक्त थे। वे खुद को एअर इंडिया का गौरवशाली यात्री मानते थे। वे अक्सर कहते थे, एअर इंडिया हमारा गर्व है, ये देश की शान है। फाल्गुनी कहती हैं कि बंद कर दो एअर इंडिया अगर आप सुरक्षित उड़ान नहीं भरवा सकते। ये कोई मजाक नहीं है।

पठानकोट एयरबेस से उड़ान भरते ही अपाचे हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग

पठानकोट (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना के एम17 अपाचे हेलीकॉप्टर की शुक्रवार को पठानकोट के नंगलपुर इलाके में इमरजेंसी लैंडिंग हुई। माना जा रहा है कि तकनीकी खराबी के कारण एहतियातन लैंडिंग कराई गई। इसमें किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। अपाचे हेलीकॉप्टर ने पठानकोट एयरबेस से उड़ान भरी थी। पुलिस ने कहा कि पठानकोट वायुसेना स्टेशन से उड़ान भरने वाले हेलीकॉप्टर को तकनीकी दिक्कतों के बाद खुले मैदान में उतरना पड़ा। हेलीकॉप्टर को उतरते देख ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए, लेकिन सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत इलाके की घेराबंदी कर दी। अभी तक भारतीय वायुसेना की ओर से आपातकालीन लैंडिंग के कारणों के बारे में कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया गया है। मौके पर मौजूद वरिष्ठ अधिकारियों ने ऑपरेशनल और सिक्योरिटी प्रोटोकॉल का हवाला देते हुए टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि सार्वजनिक सुरक्षा या बुनियादी ढांचे को कोई खतरा नहीं है। इससे पहले 6 जून को भी इंडियन एयरफोर्स के एक अपाचे हेलीकॉप्टर की उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में इमरजेंसी लैंडिंग हुई थी। भारतीय वायुसेना के अधिकारियों ने बताया था कि एक नियमित प्रशिक्षण उड़ान के दौरान अपाचे हेलीकॉप्टर ने सहारनपुर के पास एहतियातन लैंडिंग की। कुछ घंटे बाद एयरफोर्स के टेक्नीशियन की मदद से हेलीकॉप्टर को सहारनपुर एयरबेस पर वापस लाया गया।

दुखी होकर बोले अभिनेता अनुपम खेर- ये हादसा सिर्फ खबर नहीं, दुखों का पहाड़ है

मुंबई (एजेंसी)। अभिनेता अनुपम खेर ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया और कहा कि वह हादसे से प्रभावित हुए परिवारों के साथ खड़े हैं। वीडियो में अनुपम कहते हैं, अहमदाबाद में हुआ विमान हादसा सिर्फ एक समाचार नहीं, बल्कि यह दुख का पहाड़ है, जो न जाने कितने घरों पर टूट पड़ा है। वह विमान सिर्फ चलती हुई एक मशीन नहीं थी, वह एक उम्मीद थी, जिसमें बैठे थे हमारे अपने, कोई भारत से था, कोई विदेश से था, कोई किसी की मां थी, कोई बेटे के पास लौट रहा था, तो कोई नौकरी के सफर में था। कोई छुट्टी मनाकर वापस घर जा रहा था, लेकिन किसी को भी क्या पता था कि यह यात्रा उनकी अंतिम यात्रा बन जाएगी। अनुपम खेर वीडियो में आगे कहते हैं, मन बेचैन है, दिल मौन है और आंखें नम हैं। हम सब उन परिवारों के साथ हैं, जो आज अपनों को खो बैठे हैं। मेरी ईश्वर से प्रार्थना है कि जो लोग इस हादसे में दिवंगत हुए उनकी आत्मा को शांति मिले और जो लोग इस समय पीड़ा में हैं, उन्हें धैर्य, साहस और सहारा दे। उन्होंने आगे कहा, आज न तो भाषा काम आ रही है, और न ही कोई तर्क, बस एक बात कहनी है, हम आपके साथ हैं। पूरी इंसानियत आपके साथ है। और हमारा देश हर पीड़ित परिवार को नमन करता है। ओम शांति, नमन और श्रद्धांजलि। इस वीडियो को शेयर करते हुए अनुपम ने कैप्शन में लिखा- अहमदाबाद विमान दुर्घटना- श्रद्धांजलि! ओम शांति!

दिव्यांग लड़की से दुष्कर्म के आरोप में आईआईटी का छात्र गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे में एक 13 साल लड़की के साथ दुष्कर्म के आरोप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) खड़गपुर के छात्र को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शुक्रवार को जानकारी देते हुए बताया कि गुरुवार को लड़की की मां की शिकायत के आधार पर 23 साल के आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ पॉक्सो के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि कलवा इलाके में रहने वाले आरोपी ने नाबालिग दिव्यांग लड़की को नए कपड़े दिलाकर और बहला-फुसलाकर उसका यौन शोषण किया। अधिकारी ने बताया कि जांच दल ने आरोपी के मोबाइल फोन से यौन उत्पीड़न का एक वीडियो बरामद किया है, जिसमें अन्य लड़कियों के आपत्तिजनक वीडियो और तस्वीरें भी हैं। उन्होंने बताया कि शक है कि आरोपी ने पहले भी और महिलाओं को अपनी हवस का निशाना बनाया होगा। उन्होंने बताया कि जांच जारी है।

दरभंगा में बेखौफ अपराधियों ने दुकान में घुसकर ज्वेलर्स को गोली मार दी

दरभंगा (एजेंसी)। बिहार के दरभंगा में बेखौफ अपराधियों ने दुकान में घुसकर ज्वेलर्स को गोली मार दी। लॉकर की चाबी देने से मना करने पर गोली मार दी। बुलेट चेहरे को छूते हुए निकल गई। आनन-फानन में परिजनों ने घायल को प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया।

पैनलिस्ट के बयान पर एंकर को क्यों गिरफ्तार किया गया?

सुप्रीम कोर्ट ने तेलुगु पत्रकार को जमानत देते हुए पुलिस से किया सवाल

नई दिल्ली(एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को तेलुगु पत्रकार कोमिनेनी श्रीनिवास राव को ज़मानत दे दी, जिन्हें आंध्र प्रदेश पुलिस ने अमरावती क्षेत्र की महिलाओं के बारे में कथित अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोप में गिरफ़्तार किया था। ये टिप्पणियाँ इस महीने की शुरुआत में वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के प्रमुख जगन मोहन रेड्डी के स्वामित्व वाले क्षेत्रीय समाचार चैनल साक्षी टीवी पर उनके डिबेट शो के दौरान की गई थीं।

न्यायालय ने राव द्वारा उनकी गिरफ़्तारी को चुनौती देने वाली याचिका के जवाब में यह आदेश पारित किया। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति मनमोहन की एक आंशिक कार्य दिवस पीठ ने निर्देश दिया कि 70 वर्षीय पत्रकार, जिन्हें 9 जून को हिरासत में लिया गया था, को रिहा किया जाए। न्यायालय ने कहा कि यह राव नहीं थे, बल्कि कार्यक्रम के एक पैनलिस्ट ने विवादास्पद टिप्पणी की थी। याचिकाकर्ता ने खुद लाइव टीवी शो में बयान नहीं दिया और उसके पत्रकारिता अधिकारों की रक्षा की जानी चाहिए ताकि उसकी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता भी सुरक्षित रहे। पीठ ने कहा, 'हम निर्देश देते हैं कि याचिकाकर्ता को ट्रायल कोर्ट द्वारा लगाई गई शर्तों के अधीन एफआईआर में रिहा किया जाए।' पीठ ने राव को निर्देश दिया कि वह अपने शो में कोई अपमानजनक बयान न दें और न ही भविष्य के प्रसारणों में किसी अतिथि को ऐसा करने दें।

आंध्र प्रदेश सरकार की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए पीठ ने राव के पत्रकारिता अधिकारों को बरकरार रखने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के उनके मौलिक अधिकार की रक्षा करने की आवश्यकता पर बल दिया। 6 जून को साक्षी टीवी पर लाइव प्रसारित ये टिप्पणियां कथित तौर पर पत्रकार वीवी कृष्णम राजू द्वारा की गई थीं, जिन्होंने अमरावती क्षेत्र को कथित तौर पर 'वेश्याओं की राजधानी'

कहा था। आंध्र प्रदेश पुलिस ने 9 जून को राजू और राव के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम और अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के कई प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया।

भारत में कोरोना को लेकर अच्छी खबर... सक्रिय मामलों में गिरावट आई

नई दिल्ली। भारत को कोविड-19 महामारी से जूझते हुए एक अहम और सकारात्मक मोड़ मिला है। लंबे समय से संक्रमण के बढ़ते आंकड़ों के बीच पहली बार राहत की खबर आई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा 13 जून को जारी आंकड़ों के मुताबिक, देश में कोविड के सक्रिय मामलों में गिरावट आई है। बीते 24 घंटे में जहां कुल 200 नए मामले सामने आए, वहीं 223 मरीज स्वस्थ होकर अस्पताल से घर पहुंचे है। इससे भारत में सक्रिय मामलों की कुल संख्या घटकर 7131 हो गई है, जो एक सकारात्मक संकेत है। इससे पहले 12 जून को यह आंकड़ा 7154 था। राज्यवार आंकड़ों के हिसाब से गुजरात में सबसे अधिक 77 नए मामले सामने आए हैं। इसके बाद राजस्थान में 32, उत्तर प्रदेश में 24, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में 14-14, असम में 7, हरियाणा और झारखंड में 5-5, पुडुचेरी में 4, लद्दाख में 3, और ओडिशा में 1 मामला दर्ज हुआ है। हालांकि, कोरोना संक्रमण से होने वाली मौतों की संख्या अब भी चिंता का विषय बनी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, अब तक नए वैरिएंट से 78 मौतें हुई हैं। बीते 24 घंटे में केरल में 82 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हुई है। इससे पहले के दिन 3 लोगों की जान गई थी, जिसमें से महाराष्ट्र में 2, मध्य प्रदेश और पश्चिम बंगाल में 1-1 मौत हुई। अब तक सबसे अधिक मौतें महाराष्ट्र (21) और केरल (20) में दर्ज की गई हैं, जो दर्शाता है कि नए वैरिएंट का असर कुछ खास क्षेत्रों में अधिक है।

सरकारी नियंत्रण से मुक्त हों हमारे सारे हिंदू मंदिर एवं तीर्थ स्थल

-कथावचक देवकीनंदन ठाकुर महाराज की मांग

वृंदावन (एजेंसी)। बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर व न्यास गठन पर कथावचक देवकीनंदन ठाकुर महाराज ने कहा है कि वे शुरू से ही मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त करने की मांग करते आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि सनातन बोर्ड बनाकर हिंदू मंदिर एवं तीर्थ स्थलों की व्यवस्था स्थानीय सनातनी भावनाओं के अनुरूप करनी चाहिए। वृंदावन में कांक्रीट का गलियारा न बने, बल्कि स्थानीय लोगों के सहयोग से तुलसी, लता-पता, वृक्षों से सजा मार्ग बने, जिसमें प्रवेश करते समय वास्तविक करोड़ों ठाकुरजी और लाड़ली जू के भक्तों को वृंदावन का आभास हो।

गंगोत्री धाम में भागवत कथा कह रहे देवकीनंदन ने कहा है कि बांके बिहारी मंदिर की परंपरागत सेवा-पूजा एवं व्यवस्था में बदलाव नहीं होना चाहिए। मुख्य मार्ग चौड़े होने चाहिए, लेकिन वृंदावन का सही मायने में विकास तभी माना जा सकता है, जब निर्मल यमुना की जलधारा आने लगे। स्वच्छ यमुनाजल से ठाकुरजी को स्नान कराकर सेवा पूजा की जा सके। ब्रज-वृंदावन मांस और मदिरा से मुक्त हो जाए। कथा के दौरान उन्होंने कहा कि तिरुपति मंदिर दूषित प्रसाद मामले के बाद से वह 'सनातन बोर्ड' की मांग इसलिए करते आ रहे हैं कि मंदिरों की पूजा पद्धिति एवं संस्कृति बची रहे।

देवकीनंदन ने कहा कि नमाज पढ़ने के लिए सरकार और प्रशासन सड़क पर भी व्यवस्था करवा देते हैं, इसके लिये ट्रैफिक को कंट्रोल कर डायवर्ट तक कर दिया जाता है। फिर बांकें बिहारी जैसे मंदिरों में दर्शन को आने वाले यात्रियों के लिये उचित व्यवस्थाएं क्यों नहीं बना सकते है। उन्होंने कहा कि भगवान के दर्शन को पैदल चलकर जाने का शास्त्रीय विधान है। मंदिर से कुछ किलोमीटर दूर वाहन रोककर पैदल जाना चाहिये।

वोट बैंक को खुश करने में जुटी ममता, प्रस्ताव में ऑपरेशन सिंदूर का ज़िक्र नहीं

बीजेपी नेता सुवेंदु अधिकारी सरकार पर हमलावर

कोलकत्ता(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार द्वारा 10 जून 2025 को प्रस्ताव लाया गया। ममता सरकार का मुख्य मकसद पहलगाम में 22 अप्रैल 2025 को हुए आतंकी हमले की निंदा और भारतीय सेना के शौर्य की प्रशंसा करने था। लेकिन जहां भारतीय सेना के शौर्य की तारीफ होनी थी, वहां पाकिस्तान की तारीफ होने लगी। ममता सरकार के प्रस्ताव के साथ ही राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी बीजेपी ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। भारतीय जनता पार्टी ने ममता सरकार के प्रस्ताव की तीखी आलोचना की है।

बंगाल विधानसभा में रखे गए प्रस्ताव में जो प्रमुख बिंदु शामिल किए गए वे इस प्रकार के थे। प्रस्ताव में पहलगाम के बैसरन घाटी में हुए आतंकी हमले को क्रूर और अमानवीय करार दिया गया, जिसमें 26 लोग मारे गए, जिसमें से तीन पश्चिम बंगाल के थे।

इस प्रस्ताव में भारतीय सशस्त्र बलों की विभिन्न शाखाओं के समन्वित प्रयासों की प्रशंसा की गई, जिन्होंने पाकिस्तान और

पाकिस्तान-अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकी ढांचों को सटीकता के साथ नष्ट कर राष्ट्र की गरिमा की रक्षा की गई। लेकिन ममता सरकार के प्रस्ताव में स्पष्ट रूप से पाकिस्तान को हमले का जिम्मेदार नहीं ठहराया गया, बल्कि इस केवल अमानवीय हमला कहा गया। यह भारत सरकार के रुख के विपरीत है, जो हमले को लश्कर-ए-तैयबा जैसे पाकिस्तान-आधारित आतंकी संगठनों से जोड़ता है। सबसे अहम बात ये हैं प्रस्ताव में भारत की जवाबी कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर का कोई जिक्र नहीं था। दरअसल बीजेपी के दर्द का असली कारण यही है।

ममता सरकार के इस कृत्य के पीछे कहीं न कहीं राजनीतिक मंशा ही रही होगी, इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है। बीजेपी विधायकों, विशेषकर विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी और विधायक अग्निमित्रा पॉल, ने प्रस्ताव की कमियों पर सवाल उठाए हैं। अधिकारी ने पूछा कि प्रस्ताव में ऑपरेशन सिंदूर का ज़िक्र क्यों नहीं किया गया, जो भारत की आतंकवाद विरोधी नीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था।

बीजेपी ने टीएमसी पर आरोप लगाया कि वह वोट बैंक की राजनीति के लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराने से बच रही है। बीजेपी नेता पॉल ने कहा कि ममता बनर्जी ने 33 प्रतिशत मुस्लिम वोट बैंक को खुश करने के लिए जानबूझकर ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र नहीं किया।

दरअसल बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। ममता बनर्जी के नेतृत्व में टीएमसी 3 बार से लगातार सरकार बना रही है। दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी ने भी राज्य में बहुत तेजी से अपनी पैठ बनाई है। इस बार बीजेपी भी अपनी पूरी शक्ति से पश्चिम बंगाल में लगी हुई है। जाहिर है कि ममता बनर्जी के लिए बहुत बड़ा चैलेंज है चौथी बार सत्ता में आना।

शादी के पहले ही रची थी राजा की हत्या की साजिश, बुर्का पहनकर फरार हुई थी सोनम

शिलॉन्ग (एजेंसी)। इंदौर के राजा रघुवंशी की हत्या का मास्टरमाइंड राज कुशवाह है जो सोनम का प्रेमी है। उसने राजा और सोनम की शादी के 11 दिन पहले ही हत्या की साजिश रच ली थी। यह खुलासा मेघालय पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने किया है। शिलॉन्ग एसपी ने बताया कि तीन आरोपी विशाल चौहान, आकाश राजपूत और आनंद कुर्मी 19 मई को ही शिलॉन्ग पहुंच गए थे। राजा की हत्या के बाद सोनम 25 मई को इंदौर पहुंची। यहां वह 7 जून तक रही। इसके बाद राज के साथ ही गाजीपुर गई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मेघालय पुलिस राजा की हत्या के पांचों आरोपियों से शुक्रवार को भी पूछताछ कर रही है। शिलॉन्ग के सदर थाने के लॉकअप में बंद आरोपियों की आपसी बातचीत पर पुलिसकर्मी नजर रख हुए हैं। हालांकि ये लोग ज्यादातर समय खामोश ही रहते हैं। सूत्रों के मुताबिक सोनम समेत सभी आरोपियों ने पुलिस से उत्तर भारतीय भोजन की मांग की। पुलिस ने उन्हें खाना मंगाकर दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शिलॉन्ग पुलिस ने खुलासा किया कि आरोपियों ने एक महिला की भी हत्या की प्लानिंग की थी। राजा

की हत्या के बाद उस महिला को मारकर वहीं स्कूटी के साथ जलाने या नदी में बहाने की योजना थी, ताकि वे दिखा सकें कि सोनम भी मर चुकी है। यह भी पता चला है कि हत्या के लिए राज कुशवाह ने जो योजना बनाई थी, उसमें इंदौर से आरोपियों को मोबाइल और 50 हजार रुपए के साथ सोनम के लिए काले रंग का बुर्का भी खरीद कर दिया था। यह बुर्का विशाल उसके लिए शिलॉन्ग ले गया था। एक्टिवा छोड़ने के बाद सोनम इसी बुर्के में टैक्सी में बैठकर सिलीगुड़ी भागी थी।

मेघालय की डीजीपी ने कहा कि राजा रघुवंशी और उनकी पत्नी सोनम ने लापता होने से पहले अपना सूटकेस सोहरा के एक होम स्टे में छोड़ दिया था। उसमें मिले मंगलसूत्र और अंगूठी ने केस को सुलझाने में मदद की। एक विवाहिता का गहने छोड़ना हमें संदिग्ध लगा। इस हत्याकांड की साजिश इंदौर में रची गई इसलिए मेघालय पुलिस सोनम को अगले कुछ दिन में इंदौर ले जा सकती है।

तेजप्रताप ने वीडियो जारी कर पिता लालू को किया याद

पटना। राजद से निकाले जाने के बाद लालू के बड़े लाल तेज प्रताप यादव ने किसी तरह की नई पार्टी बनाने से इंकार किया है। साथ ही उन्होंने राजनीतिक पार्टी बनाने के अफवाह को लेकर कथित जयचंद पर निशाना साधा है। तेज प्रताप ने वीडियो साझा किया है, जिसमें वे अपने पिता लालू यादव के साथ दिख रहे हैं। वीडियो में तेज प्रताप, लालू यादव के पीछे खड़े हैं और एक गाना...पापा मेरी जां, हर दम रखना अब हाथ ये सर पर तुम... बैकग्राउंड में बजता सुनाई दे रहा है। इसके साथ ही उन्होंने पिता लालू के साथ कुछ पुरानी तस्वीरें भी शेयर की हैं, जिसमें वे लालू यादव के साथ अलग-अलग कार्यक्रमों में मंच शेयर करते हुए दिख रहे हैं। वीडियो पोस्ट के साथ तेज प्रताप ने एक तीखी टिप्पणी भी की है। उन्होंने लिखा है कि हद हो गई अब, इस जयचंद ने कुछ गोदी मीडिया वालों के साथ मिलकर अब ये अफवाह भी उड़ा दी है कि मैं कोई नई राजनीतिक पार्टी बना रहा हूं। बिहार की जनता से फिर से यही अपील करूंगा कि ऐसी किसी भी भ्रामक खबरों पर विश्वास न करें। जय हिंद... जय बिहार... जय राजद।

दिल्ली एनसीआर में भीषण गर्मी से जूझ रहे लोगों को फिलहाल नहीं मिलेगी राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस समय भारत के उत्तर पश्चिम इलाकों में भीषण गर्मी पड़ रही है। जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में लगातार हीट-वेव चल रहे हैं। लू के थपेड़ों ने आमलोगों का जीना मुहाल कर रखा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने इन प्रदेशों के लिए प्रचंड गर्मी और लू का रेड अलर्ट जारी किया है। दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश और बिहार में भी भीषण गर्मी और उमस का दौर आज यानी 13 जून 2025 को भी जारी रहने का पूर्वानुमान है। देश के इन हिस्सों में फिलहाल गर्मी से राहत की उम्मीद नहीं है।

देश की राजधानी दिल्ली के कई इलाकों में गुरुवार 12 जून को पारा 40 के पार चला गया। आयानगर में 45 तो पालम में 44.5 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। अत्यधिक टेम्प्रेचर की वजह से दिल्ली में दिनभर लू का दौर चलता रहा, जिस वजह से लोगों का घरों से निकलना दूभर हो गया।

राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, जम्मू जैसे क्षेत्रों में तो हालात और भी खराब रहे। पिछले कुछ दिनों से गर्मी ने रंग दिखाना शुरू किया है, जिस वजह से सुबह 9-10 बजे के बाद से ही इतनी तेज धूप निकल रही है कि कामकाजी लोगों को छोड़कर अन्य लोग घरों से निकलने में परहेज करने लगे हैं। मौसम विभाग के अनुसार, आनेवाले कुछ दिनों तक हालात ऐसे ही बने रह सकते हैं।

यहां हीट-वेव से राहत नहीं

मौसम विभाग के अनुसार, अगले 24 घंटों में पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में लू की स्थिति बनी रह सकती है। राजस्थान के कुछ हिस्सों में फिर से भीषण लू पड़ने की संभावना है। वहीं, केरल, कर्नाटक, कोंकण और गोवा तथा मध्य महाराष्ट्र के कुछ इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर भारी वर्षा हो सकती है। तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, मराठवाड़ा, विदर्भ, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, ओडिशा, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम, पूर्वोत्तर भारत और बिहार के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना है। तमिलनाडु और उत्तराखंड में भी कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है।

कुछ जगहों पर भारी बारिश

स्काईमेट वेदर की रिपोर्ट के अनुसार, केरल, कर्नाटक, उत्तर तमिलनाडु, तटीय आंध्र प्रदेश और अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर भारी बारिश दर्ज की गई। वहीं, लक्षद्वीप, तमिलनाडु, रायलसीमा, तेलंगाना, ओडिशा, गंगीय पश्चिम

बंगाल, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और उत्तराखंड में भी वर्षा दर्ज की गई। दक्षिण छत्तीसगढ़, दक्षिण-पश्चिम उत्तर प्रदेश, दक्षिण मध्य प्रदेश, विदर्भ, मराठवाड़ा और पूर्वोत्तर भारत के कुछ हिस्सों में हल्की वर्षा हुई। मौसम विभाग के अनुसार, आगामी 48 घंटों में यह मानसून विदर्भ, छत्तीसगढ़ और ओडिशा के कुछ और हिस्सों में प्रवेश कर सकता है। इस समय एक सक्रिय चक्रवाती सर्कुलेशन पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी में उत्तर तटीय आंध्र प्रदेश के पास एक्टिव है। इसके अलावा, एक ट्रफ रेखा उत्तर-पूर्वी राजस्थान से लेकर मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ होते हुए उत्तर तटीय आंध्र प्रदेश तक फैली है। पूर्वी उत्तर प्रदेश और हरियाणा पर भी अलग-अलग चक्रवाती सर्कुलेशन देखे जा रहे हैं। वहीं, एक पश्चिमी विक्षोभ भी सक्रिय है।

उद्धव और राज ठाकरे के मिलान की संभावना हुई कम, फडणवीस बने विलेन

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति में लंबे समय से अटकलों का केंद्र रहे उद्धव और राज ठाकरे के एक साथ आने की संभावना अब खत्म होती दिख रही है। हालिया घटनाक्रम और राजनीतिक समीकरणों ने इस संभावना को धुंधला कर दिया है।

10 जून से पहले शरद और अजित पवार के पुनर्मिलन की चर्चाएं गर्म थीं, ठीक उसी तरह ठाकरे बंधुओं के बीच फिर से साथ आने के कयास लग रहे थे। हालांकि, पवार की तरह ही ठाकरे परिवार में भी सार्वजनिक संकेतों और पारिवारिक मेल-मुलाकातों के बावजूद कोई ठोस पहल सामने नहीं आई।

बीते विधानसभा चुनावों में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) को विपक्षी गठबंधन में सबसे अधिक सीटें मिली थीं, वहीं राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) पूरी तरह से चुनावी नक्शे से गायब हो गई। उनके बेटे अमित ठाकरे भी चुनाव हार गए। इसके बाद राजनीतिक विश्लेषकों का मानना था कि आगामी बीएमसी चुनावों के मद्देनजर दोनों भाइयों का एक साथ आना, उनके लिए 'सियासी संजीवनी' साबित हो सकता था।

लेकिन अब ये समीकरण बदलते दिख रहे हैं। 12 जून को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और राज ठाकरे की मुंबई के होटल में हुई अनौपचारिक और 'अनशेड्यूल्ड' मुलाकात ने ठाकरे बंधुओं की संभावित एकता पर नए सिरे से सवाल खड़े कर दिए हैं।

सूत्रों के अनुसार मुलाकात एक घंटे से अधिक चली और मुलाकात को गुप्त रखने की कोशिश की गई। राजनीतिक विश्लेषक ठाकरे-फडणवीस समीकरण के पुनरुत्थान के संकेत के तौर पर देख रहे हैं, जिससे उद्धव के साथ राज ठाकरे के गठबंधन की संभावना को बड़ा झटका लगा है।

एक ओर जहां फडणवीस मुद्दे को 'ठाकरे भाइयों का निजी मामला' बताकर किनारा करते रहे हैं, वहीं अब उनकी सक्रियता और राज ठाकरे के साथ बढ़ती नजदीकियां भविष्य की राजनीतिक योजनाओं की ओर इशारा करती हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

लॉस एंजिलिस के घटनाक्रम में डेमोक्रेटिक पार्टी के लिए उम्मीद, कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम बने हीरो

वॉशिंगटन, एजेंसी। कैलिफोर्निया के लॉस एंजिलिसि में जारी दंगे और हिंसा ने कहीं न कहीं डेमोक्रेटिक पार्टी को नई संजीवनी दी है। दरअसल ट्रंप की लोकप्रियता और उनकी आक्रामक नीतियों के चलते डेमोक्रेटिक पार्टी फिलहाल हाशिए पर है और उन्हें ट्रंप का मुकाबला करने के लिए कोई मुद्दा नहीं मिल रहा था। अब लॉस एंजिलिस की घटना ने डेमोक्रेटिक पार्टी को नई ताकत दी है। कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम डेमोक्रेटिक पार्टी के हीरो बनकर उभरे हैं। जिस तरह से वे ट्रंप प्रशासन का विरोध कर रहे हैं और लगातार अप्रवासियों के प्रति सहानुभूति जता रहे हैं, उससे उनकी लोकप्रियता बढ़ रही है। गेविन न्यूसम का कहना है कि जिन लोगों को ट्रंप प्रशासन द्वारा गिरफ्तार कर निर्वासित किया जा रहा है, वे अपराधी नहीं बल्कि मेहनती लोग हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी के वरिष्ठ नेता चक शूमर ने भी गेविन की तारीफ की और कहा कि उन्हें गेविन पर गर्व है। वे ट्रंप से डरने से मना कर रहे हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी अब अप्रवासियों के मुद्दे पर ट्रंप प्रशासन को घेरने की कोशिश करेगी। अमेरिका में एक करोड़ से ज्यादा अप्रवासी हैं, जिनके पास पर्याप्त वैध दस्तावेज नहीं हैं। ट्रंप प्रशासन इन अप्रवासियों के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं। हालांकि उनकी इस नीति का जमकर विरोध भी हो रहा है। लॉस एंजिलिस ने इस विरोध को हवा दे दी है और अब देश के कई हिस्सों में ऐसे विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। लॉस एंजिलिस तो बीते हफ्ते से दंगे की चपेट में है। ट्रंप ने हालात को काबू करने के लिए नेशनल गार्ड्स और मरीन कमांडो की तैनाती की है। इससे लोगों में भारी गुस्सा है और इस गुस्से और नाराजगी में ही डेमोक्रेटिक पार्टी को अपने लिए अवसर दिखाई दे रहा है।

दावा- ईरान पर हमले को तैयार इजराइल: अमेरिका ने मिडिल-ईस्ट से गैर-जरूरी स्टाफ को हटाया

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। इजराइल, ईरान पर हमले के लिए पूरी तरह तैयार है। उसने अमेरिका को इसके बारे में बता दिया है। यह जानकारी सीबीएस न्यूज ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से दी है। अमेरिका को आशंका है कि अगर इजराइल ने हमला किया, तो ईरान बदले में इराक में मौजूद अमेरिकी ठिकानों को निशाना बना सकता है। यही वजह है कि अमेरिका ने बुधवार को मिडिल-ईस्ट से कुछ अमेरिकी नागरिकों और अधिकारियों को निकालने का फैसला किया। अमेरिकी विदेश विभाग ने इराक में तैनात गैर-जरूरी सरकारी अधिकारियों को लौटने का आदेश दे दिया है, क्योंकि वहां तनाव बहुत बढ़ गया है। इस बीच, मिडिल-ईस्ट में ट्रम्प के दूत स्टीव विटकॉफ अभी भी ईरान के साथ परमाणु कार्यक्रम पर छठे दौर की बातचीत की तैयारी कर रहे हैं। यह बातचीत कुछ ही दिनों में होनी है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को एक कार्यक्रम के दौरान बताया कि अमेरिका मिडिल-ईस्ट के कुछ देशों से अपने सैनिकों को हटा रहा है, क्योंकि वहां हालात खतरनाक हो सकते हैं। ट्रम्प ने कहा, हमने नोटिस दे दिया है कि सैनिकों को हटाया जाए। ये इलाके खतरनाक बन सकते हैं, आगे क्या होता है, देखते हैं। दूसरी तरफ ट्रम्प ने ईरान के परमाणु हथियारों से जुड़े कार्यक्रम को लेकर भी बयान दिया। उन्होंने कहा, ईरान को परमाणु हथियार नहीं मिल सकते। बहुत सीधी बात है। हम ऐसा नहीं होने देंगे। इससे पहले अमेरिकी विदेश मंत्रालय और सेना ने यह साफ किया था कि इस क्षेत्र से गैर-जरूरी स्टाफ और उनके परिवार को हटा दिया जाएगा, ताकि किसी बड़े संकट की स्थिति में नुकसान से बचा जा सके। इसके साथ ही बहरीन और कुवैत में मौजूद गैर-जरूरी स्टाफ और उनके परिवारों को भी वापस लौटने की छूट दी गई है। इसके साथ ही बहरीन और कुवैत में मौजूद गैर-जरूरी स्टाफ और उनके परिवारों को भी वापस लौटने की छूट दी गई है। ईरान के विदेश मंत्री और वरिष्ठ राजनयिक अब्बास अराघची ने बुधवार को यूरोपीय देशों को चेतावनी दी है कि अगर वे ईरान के खिलाफ परमाणु कार्यक्रम पर किसी भी तरह का प्रस्ताव पास करते हैं, तो ईरान उसकी कड़ी प्रतिक्रिया देगा। यह बयान अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसीकी जून बैठक से पहले आया है।

हवाई में फिर फटा दुनिया का सबसे सक्रिय ज्वालामुखी

हवाई , एजेंसी। हवाई द्वीप पर मौजूद दुनिया के सबसे सक्रिय ज्वालामुखियों में से एक, किलाउए ज्वालामुखी ने एक बार फिर लावा उगलना शुरू कर दिया है। बुधवार को इसके उत्तर दिशा वाले वेंट से तेज़ी से लावा निकलने लगा। यह इसी ज्वालामुखी के लगभग छह महीने पहले शुरू हुए विस्फोट की 25वीं कड़ी है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, इस बार लावा की धाराएं 330 फीट (करीब 100 मीटर) तक ऊपर उठीं और कई दिशाओं में बहने लगीं। यूएस जियोलॉजिकल सर्वे के हवाई ज्वालामुखी वेधशाला के अनुसार, इन लावा की ऊंचाई और भी ज्यादा बढ़ सकती है। मंगलवार को विस्फोट से पहले गैस-पिस्टनिंग नाम की प्रक्रिया देखी गई। इसमें ज्वालामुखी के वेंट में गैस इकट्ठा होती है, जिससे लावा का स्तर ऊपर-नीचे होता है। जब गैस दबाव बनाकर बाहर निकलती है, तो लावा स्प्लैश या धाराओं के रूप में बाहर आता है। इस तरह की गतिविधि मंगलवार को हर घंटे 10 बार तक देखने को मिली और फिर बुधवार को यह एक स्थिर डोम फव्वारे में बदल गई, जिससे क्रेटर के फर्श पर लावा फैलने लगा।

अदालत से ट्रंप को झटका; जज ने कहा- फलस्तीन समर्थक खलील को रिहा करें, अपील का दिया समय

न्यूयॉर्क, एजेंसी। संघीय अदालत से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन को झटका लगा है। एक संघीय जज ने सरकार को निर्देश दिया है कि वह फलस्तीन समर्थक प्रदर्शनकारी और कोलंबिया के पूर्व छात्र महमूद खलील को रिहा करे। हालांकि, जज ने सरकार को अपील दायर करने के लिए शुक्रवार (स्थानीय समयानुसार) तक का समय दिया है। गौरतलब है कि महमूद खलील फलस्तीन के समर्थन में हो रहे प्रदर्शन में शामिल हुए थे, जिसके बाद ट्रंप प्रशासन ने उन्हें हिरासत में ले लिया था। इस मामले में न्यू जर्सी में अमेरिकी जिला जज माइकल फायरबियार्ज ने बुधवार (स्थानीय समयानुसार) को फैसला सुनाया। इस दौरान जज ने सरकार को उसे रिहा करने का निर्देश दिया। हालांकि, खलील को अभी कम से कम शुक्रवार तक जेल में रहना होगा ताकि सरकार के पास इस फैसले के खिलाफ अपील करने का समय मिल सके।

पत्नी को खलील के जल्द घर लौटने की उम्मीद : खलील के वकील रामजी कासेम ने कहा कि अदालत का फैसला महमूद के अधिकारों को मान्यता देता है, लेकिन जब तक वह अपने परिवार के पास घर नहीं लौट जाते, तब तक हमें राहत नहीं मिलेगी। वहीं, खलील की पत्नी और अमेरिकी नागरिग डॉ. नूर अब्दुल्ला ने उम्मीद जताई है कि खलील जल्द रिहा हो जाएं, ताकि वे अपने बेटे दीन के साथ न्यूयॉर्क में अपना पहला फादर्स-डे मना सकें। उनका बेटा तब पैदा हुआ, जब खलील लुइसियाना

के जेना में संघीय हिरासत केंद्र में बंद थे।

फैसले के खिलाफ अपील दायर करेगा होमलैंड सुरक्षा विभाग : दूसरी तरफ, होमलैंड सुरक्षा विभाग ने जज के फैसले के खिलाफ अपील करने की तैयारी शुरू कर दी है। एजेंसी की प्रवक्ता ट्रिसिया मैकलॉघलिन ने कहा कि आज का फैसला अनुच्छेद 2 के तहत राष्ट्रपति की सांविधानिक रूप से निहित शक्तियों को कमजोर करता है। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि उच्च न्यायालय इस मामले में हमें दोषमुक्त करेगा। 8 मार्च को हुई थी महमूद खलील की गिरफ्तारी 8 मार्च को खलील को संघीय आव्रजन एजेंटों ने उनके विश्वविद्यालय के अपार्टमेंट से गिरफ्तार किया था। यह गिरफ्तारी उन छात्रों पर कार्रवाई की शुरुआत थी जो गाजा युद्ध के विरोध में प्रदर्शन कर रहे थे। गिरफ्तारी के बाद खलील को लुइसियाना की जेल में भेज दिया गया। इसके बाद, खलील के वकीलों ने आरोप लगाया कि ट्रंप प्रशासन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को दबाने की कोशिश कर रहा है, उन्होंने महमूद की हिरासत को अदालत में चुनौती दी। सरकार ने खलील का ग्रीन कार्ड रद्द किया अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि वे खलील को निर्वासित कर सकते हैं, क्योंकि खलील ने अपने आव्रजन आवेदन में जरूरी जानकारी नहीं दी। इसलिए उनका ग्रीन कार्ड रद्द कर दिया गया है। हालांकि, जज ने पहले फैसला सुनाया था कि इन आधारों पर खलील को अमेरिका से निष्कासित करना संभवतः असांविधानिक है। हिरासत से खलील के अधिकारों को हुई अपूरणीय क्षतिः जज बुधवार को अपने नए फैसले में, जज माइकल ने कहा कि खलील की निरंतर हिरासत से करियर, परिवार और उसके मुक्त भाषण अधिकारों को अपूरणीय क्षति हुई है। जज ने पिछले सप्ताह खलील के अदालत में दिए बयान का हवाला दिया कि उनके ग्रीन कार्ड को रद्द करने से उनके कैरियर की संभावनाओं को नुकसान पहुंचा है। ऑक्सफैम इंटरनेशनल ने उनकी नीति सलाहकार के रूप में नौकरी की पेशकश को रद्द कर दिया है। न्यायाधीश ने यह भी उल्लेख किया कि इस निर्णय ने खलील को सांविधानिक रूप से संरक्षित विरोध प्रदर्शनों में शामिल होने से रोक दिया।

ऑस्ट्रिया में स्कूल में गोलीबारी के बाद शोक मनाया

विएना, एजेंसी। ऑस्ट्रिया के एक स्कूल में हुई गोलीबारी में 10 लोगों की मौत पर देशवासियों ने बुधवार को एक मिनट का मौन रखकर शोक मनाया। इस हमले को अंजाम देने वाले बंदूकधारी ने बाद में आत्महत्या कर ली। हालांकि, इस गोलीबारी को अंजाम देने की उसकी मंशा अब भी अस्पष्ट है। ऑस्ट्रिया ने द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद देश में सबसे बड़े हमले के बाद तीन दिनी राष्ट्रीय शोक की घोषणा की। इस बीच, जांचकर्ताओं को संदिग्ध के घर की तलाशी में एक विदाई पत्र और एक निष्क्रिय पाइप बम मिला। पुलिस ने कहा है कि उसने दो हथियारों- एक शॉटगन और एक हैंडगन का इस्तेमाल किया, जो उसने कानूनी रूप से प्राप्त की थीं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने स्वीकार किया कि पत्र के आधार पर वे किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंच पाए हैं। ऑस्ट्रिया के गृह मंत्रालय ने भी पत्र मिलने की पुष्टि की है। एजेंसी एरिजोना की गवर्नर केटी हॉब्स ने उस प्रस्ताव को वीटो कर दिया है, जिसके तहत राज्य के सरकारी स्कूलों, विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में यहूदी-विरोधी शिक्षा देने पर प्रतिबंध लगाया जाना था। प्रस्ताव में नए नियमों का उल्लंघन करने वाले शिक्षकों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई व मुकदमा चलाने का प्रावधान भी था। डेमोक्रेटिक पार्टी से जुड़ी गवर्नर ने कहा, यह विधेयक यहूदी-विरोध को लेकर नहीं है, बल्कि शिक्षकों पर हमला करने को लेकर है।

यूनुस के राज में राष्ट्रगान लिखने वाले टैगोर का भी अपमान, उपद्रवियों ने पुश्तैनी घर में मचाया उत्पात

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस के राज में अराजकता बढ़ती ही जा रही है। देश के राष्ट्रपिता बंगबंधु मुजीबउर रहमान के अपमान के बाद अब बांग्लादेश के उपद्रवियों ने महान दार्शनिक और लेखक रवींद्रनाथ टैगोर के पुश्तैनी घर में उत्पात मचाया है। बुधवार को सिराजगंज के शहजादपुर में टैगोर को समर्पित एक संग्रहालय में कुछ कर्मचारियों और लोगों के बीच पार्किंग को लेकर विवाद शुरू हो गया। इसके बाद गुस्साई भीड़ में रवींद्रनाथ टैगोर के पैतृक घर पर धावा बोल दिया और तोड़फोड़ भी की। प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से बताया कि परिवार के साथ आए एक पर्यटक का पार्किंग को लेकर म्यूजियम के कर्मचारियों से झगड़ा हो गया। कथित तौर पर कर्मचारियों ने उसे बंधक बना लिया और उसके साथ मारपीट की। इसके बाद स्थानीय लोग बड़ी संख्या में जमा हो गए और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों का एक समूह जबरन रवींद्र कचहरीबाड़ी परिसर में घुस गया। यह नोबेल पुरस्कार विजेता टैगोर का खास आवास था। भीड़ ने संग्रहालय के सभागार सहित कई जगहों को नुकसान पहुंचाया। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक भीड़ में कथित तौर पर जमात-ए-इस्लामी और हिफाजत-ए-इस्लाम से जुड़े लोग शामिल थे। उपद्रवियों ने टैगोर के खिलाफ अपमानजनक नारे लगाए और एक कर्मचारी पर भी हमला किया। हिंसा के बाद पुरातत्व विभाग ने एक जांच समिति बनाई है और समिति को पांच दिनों के भीतर रिपोर्ट देने का आदेश दिया गया है। वहीं इस ऐतिहासिक स्थल को फिलहाल बंद कर दिया गया है। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब देश में मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के खिलाफ पहले से भीड़ सड़कों पर है। सुरक्षा व्यवस्था चरमराई हुई है और पुलिस ने नियंत्रण बनाए रखने के लिए राजधानी ढाका के कई प्रमुख हिस्सों में सार्वजनिक समारोहों पर अनिश्चितकाल के लिए प्रतिबंध लगा दिया है। इस बीच विरोध प्रदर्शन तेज होने के कारण यूनुस के आधिकारिक आवास, जमुना गेस्ट हाउस को सील कर दिया गया है।

नेपाल में दो मामलों में आठ भारतीय गिरफ्तार

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की राजधानी काठमांडू में बुधवार को दो अलग-अलग मामलों में आठ भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार कर लिया गया। पहले मामले में आभूषणों के अवैध कारोबार की सूचना पर नेपाल पुलिस ने न्यू रोड पर भारतीय नागरिकों द्वारा संचालित मुन्ना जेम्स एंड ज्वैलर्स में छापा मारा। पुलिस के अनुसार आरोपियों की पहचान हरिबोर शेख (43 वर्ष), सुरजीत दास (39 वर्ष), तमोल सदरा (40 वर्ष) और एक 16 वर्षीय लड़के के रूप में हुई है। सभी मूलरूप से कोलकाता के रहने वाले हैं। अभी काठमांडो मेट्रोपॉलिटन सिटी में रह रहे हैं। एसएसपी बिश्वो अधिकारी ने बताया कि आरोपियों के पास से दो करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के आभूषण और अन्य कीमती पत्थर बरामद हुए हैं। दूसरी ओर नेपाल पुलिस ने काठमांडू के बाहरी इलाके में ग्रांडी अस्पताल के पास सुंधरा से दो भारतीय नागरिकों और तोखा से दो भारतीय नागरिकों को 200 ग्राम ब्राउन हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया है। तोखा से गिरफ्तार दो आरोपियों की पहचान पश्चिम बंगाल के शशिक आलम (40 वर्ष) और बिहार के मोहम्मद आलम (20 वर्ष) के रूप में हुई है। गिरफ्तारी से बचने के लिए पुलिस पर हमला करने के कारण दोनों को गोली लगी है।

ट्रम्प का पाक प्रेम बढ़ रहा, मुनीर को न्योता दिया: यूएस आर्मी की 250वीं वर्षगांठ के जश्न में शामिल होंगे; इमरान की पार्टी विरोध करेगी

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। पाकिस्तान के आर्मी चीफ आसिम मुनीर इस हफ्ते अमेरिका दौरे पर पहुंचेंगे। वे शनिवार यानी 14 जून को वॉशिंगटन डीसी में अमेरिकी सेना की 250वीं वर्षगांठ के जश्न में शामिल होंगे। इस दिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का 79वां जन्मदिन भी है। इस मौके पर राजधानी वॉशिंगटन में एक परेड का आयोजन होगा। मुनीर का पहला अमेरिकी दौरा 2023 में हुआ था, तब उन्होंने तत्कालीन अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन, तत्कालीन विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से मुलाकात की थी।

उस वक्त भारत ने कहा था कि पाकिस्तान की तरफ से आतंकवाद का समर्थन और क्रॉस-बॉर्डर हमलों को लेकर हमारी चिंताएं जगजाहिर हैं। हम उम्मीद करते हैं कि अन्य देश भी आतंकवाद के खिलाफ गंभीरता से कदम उठाएंगे। इमरान खान की पार्टी मुनीर का अमेरिका में विरोध करेगी मुनीर के दौरे से पहले ही विरोध के स्वर भी सुनाई देने लगे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी तहरीक-ए-इंसाफ ने इस दौरे के दौरान प्रदर्शन की धमकी दी है। पीटीआई के ओवरसीज अफेयर्स सेक्रेटरी सज्जाद बुरकी ने शनिवार को वॉशिंगटन में पाकिस्तान दूतावास के बाहर प्रदर्शन की अपील की है। उन्होंने एक्स पर लिखा- व्हाइट हाउस को बताएं कि इस सरकार के साथ कोई भी समझौता पाकिस्तान की जनता

स्वीकार नहीं करेगी। अमेरिकी मिलिट्री अफसर बोले- पाकिस्तान मजबूत सहयोगी मुनीर के दौरे से पहले पाकिस्तान को लेकर अमेरिका के सुर भी बदले-बदले नजर आ रहे हैं। अमेरिका की सेंट्रल कमांड के प्रमुख जनरल माइकल कुरिल्ला का कहना है कि अमेरिका को भारत और पाकिस्तान दोनों के साथ रिश्ते बनाए रखने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी सेना इस्लामी स्टेट खुरासान के खतरे से निपटने के लिए जरूरी है। उन्होंने यह बयान मंगलवार को हाउस आर्म्ड सर्विसेज कमेटी की सुनवाई के दौरान दिया।

जनरल कुरिल्ला ने पाकिस्तान को आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में मजबूत सहयोगी बताया। उन्होंने कहा- अमेरिका को पाकिस्तान और भारत दोनों से रिश्ते रखने होंगे। ये बाइनरी स्विच नहीं है कि एक से रिश्ता रखेंगे तो दूसरे से नहीं रख सकते। हमे रिश्तों के फायदों को देखना चाहिए। रिपोर्ट्स का अनुमान- मुनीर के दौरे के पीछे चीन फैक्टर मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मुनीर के दौरे की वजह चीन से भी जुड़ी हो सकती है। बीते कुछ वक्त में पाकिस्तान और चीन की नजदीकी बढ़ गई है। अमेरिका मुनीर को अपने यहां परेड में शामिल करके अमेरिका चीन के प्रभाव को कम करने की कोशिश कर सकता है। इसके अलावा पाकिस्तान में लीथियम, तांबा, सोना और दुर्लभ खनिजों का भंडार है, लेकिन उसके पास जरूरी टेक्नोलॉजी और लागत की कमी है। ऐसे में पाकिस्तान में अमेरिका के लिए निवेश का मौका बन सकता है। मुनीर का दौरा अमेरिका और पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण सुरक्षा संबंधों को सुधारने की कोशिश भी हो सकता है।

पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ा, अमेरिका ने अपने अतिरिक्त सैनिकों और उनके परिवारों को वापस बुलाया

वॉशिंगटन , एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ रहा है। एक तरफ इस्राइल और हमास के बीच लड़ाई जारी है। वहीं ईरान और इस्राइल में भी तनातनी बढ़ रही है। अमेरिका के साथ ईरान की परमाणु समझौते पर भी बातचीत पटरी से उतरती दिख रही है। ऐसे में बिगड़ते हालात के बीच अमेरिका ने एक बड़ा कदम उठाया है और पश्चिम एशिया से अपने गैर जरूरी और अतिरिक्त सैनिकों को वापस बुलाने का फैसला किया है।

सैनिकों के परिजनों को भी निकाला जा रहा : इस्राइली मीडिया के अनुसार, अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि अपनी ताजा समीक्षा के बाद हमने इराक स्थित अपने दूतावास से कर्मचारियों की संख्या घटाने का फैसला किया है। साथ ही बहरीन और कुवैत से भी अतिरिक्त सैनिकों और दूतावास कर्मचारियों के साथ ही उनके परिवार के लोगों को भी बुलाने का फैसला किया है। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने भी अतिरिक्त कर्मचारियों को पश्चिम एशिया से वापस बुलाने की मंजूरी दे दी है।

उन्होंने कहा कि हमारे लोगों की सुरक्षा हमारे लिए सबसे अहम है।

पश्चिम एशिया में बढ़ रहा तनाव : गौरतलब है कि पश्चिम एशिया में तनाव लगातार बढ़ रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु समझौते पर काफी बातचीत के बाद भी सहमति नहीं बन पा रही है। वहीं ईरान तेजी से परमाणु हथियार बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इससे इस्राइल में चिंता का माहौल है। राष्ट्रपति ट्रंप के एक हालिया बयान ने चिंता को और बढ़ाया है। सैनिकों के परिवारों और अतिरिक्त कर्मचारियों को पश्चिम एशिया से वापस बुलाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया एक खतरनाक जगह हो सकती है। इसलिए हमने नोटिस दिया है कि लोग वापस आ सकते हैं। बाकी हम देखेंगे कि आगे क्या करना है। अमेरिकी विदेश विभाग पेंटागन के साथ मिलकर समन्वय से काम कर रहा है और इराक, बहरीन, कुवैत के साथ ही इरबिल, इराकी कुर्दिस्तान में स्थित अमेरिकी दूतावासों से अतिरिक्त कर्मचारियों को वापस बुलाया जा रहा है।

6500 किमी की यात्रा, राजाओं की तरह स्वागत; घोड़े पर सवार होकर मक्का पहुंचे हज यात्री

मक्का , एजेंसी। इस वर्ष हज के लिए सऊदी अरब पहुंचे 15 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों में से सिर्फ तीन ऐसे थे जिन्होंने यह यात्रा घोड़े की पीठ पर तय की। वह भी स्पेन से मक्का तक लगभग 4,000 मील का सफर पूरा कर तीनों हज के लिए पहुंचे। तीनों स्पेनिश मुस्लिम तीर्थयात्री अब्देलकादेर हर्कासी आइदी, अब्दुल्ला राफाएल हर्नान्देज़ मानचा और तारिक रोड्रिग्ज ने इस ऐतिहासिक यात्रा को हज ऑन हॉर्सबैक नाम दिया है। इस अनोखी यात्रा की तैयारी में चार साल लगे, जिसमें घोड़े पालने, अभ्यास यात्रा करने और फंड इकट्ठा करने जैसे कई चरण शामिल थे। उन्होंने अक्टूबर 2024 में दक्षिणी स्पेन से घोड़े लेकर प्रस्थान किया और 12 देशों से होते हुए मक्का पहुंचे। रास्ते में इटली के बर्फीले टनलों, बोस्निया के बारूदी सुरंगों से भरे इलाकों, और सीरिया के युद्ध प्रभावित क्षेत्रों से गुजरते हुए उन्हें कई जानलेवा कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

सोशल मीडिया से मिली ताकत : इस यात्रा को सोशल मीडिया पर जबरदस्त लोकप्रियता मिली। 345,000 से ज्यादा इंस्टाग्राम फॉलोअर्स, 250,000 से अधिक टिकटॉक फॉलोअर्स और 5.5 लाख से अधिक व्यूज हैं। कई लोग उनकी मदद के लिए आगे आए। लोगों ने खाना, रहने की जगह और आर्थिक सहायता दी। एक अमेरिकी कलाकार ने उनके लिए अरबी शैली में एक प्रतीक चिन्ह भी डिजाइन किया। हर देश में सीमाओं पर परेशानी हुई।

घोड़ों को अलग करना पड़ा। स्थानीय घोड़े उधार लेने पड़े। कभी-कभी अधिकारियों की अनुमति लेना कठिन हो गया। फिर भी हर देश में मिले सामान्य लोगों के स्नेह और मदद ने उन्हें आगे बढ़ने का हौसला दिया। सऊदी अरब में अधिकारियों ने इन तीर्थयात्रियों का स्वागत राजाओं की तरह किया। मक्का पहुंचने के बाद उन्होंने लिखा, शब्दों में वह भावना नहीं समा सकती जो हमें यहां खड़े होकर महसूस हो रही है। हम प्रार्थना करते हैं कि हर मुसलमान को यह अवसर प्राप्त हो। अब यह तीर्थयात्री अपनी इस यात्रा पर एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म भी बनाने की योजना बना रहे हैं।

व्हाइट हाउस- ट्रम्प ने मस्क की माफी स्वीकार की, मस्क बोले थे- पछतावा है; उपराष्ट्रपति वेंस ने लड़ाई खत्म करने की पहल की थी

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मस्क की माफी को स्वीकार कर लिया है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने बुधवार को प्रेस को बताया कि- राष्ट्रपति ने मस्क के पोस्ट को सराहा। हम अब अमेरिका के जनता पर ध्यान दे रहे हैं। मस्क के सरकारी अनुबंधों की समीक्षा के बारे में पूछने पर प्रेस सचिव ने कहा कि अभी तक इस दिशा में कोई कदम नहीं उठाया गया है। सीएनएन के अनुसार, मस्क ने 9 जून की रात ट्रम्प से फोन पर बात की थी। इससे पहले 6 जून को उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और व्हाइट हाउस की चीफ ऑफ स्टाफ सूसी वाइल्स ने मस्क से फोन पर बात की थी। इस बातचीत में वेंस ने मस्क से विवाद खत्म करने की पहल की थी। दरअसल, मस्क ने डोनाल्ड ट्रम्प से बहस को लेकर खेद जताया था। उन्होंने 11 जून को इसे लेकर एक सोशल मीडिया ड्ड पर एक पोस्ट किया था। मस्क और ट्रंप के बीच विवाद से टेस्ला के शेयरों में गिरावट आई, जो इस साल 19त्न नीचे हैं। जो लगभग 300 बिलियन डॉलर (26 लाख करोड़) के बराबर है। यूरोप, चीन और अमेरिका में टेस्ला की बिक्री घटी है, क्योंकि मस्क की दक्षिणपंथी राजनीति से ग्राहक दूरी बना रहे हैं। मस्क ड्राइवरलेस तकनीक पर जोर दे रहे हैं, लेकिन यह तकनीक शुरुआती चरण में है। ट्रंप के साथ तनाव से टेस्ला की रोबोटैक्सी योजनाओं पर असर पड़ सकता है। मस्क ने पिछले कुछ पोस्ट में उन्होंने ट्रम्प के बयानों और नीतियों का समर्थन भी किया है। उन्होंने लॉस एंजिलिस में अवैध अप्रवासियों पर हुई छापेमारी को लेकर खुशी भी जताई। इससे पहले एक इंटरव्यू में जब अमेरिका के

राष्ट्रपति ट्रम्प से मस्क को लेकर सवाल पूछा गया था, तो उन्होंने बेहद शांत लहजे में जवाब दिया। ट्रम्प ने कहा, हमारे बीच अच्छे संबंध थे और मैं बस उनके अच्छे होने की कामना करता हूं। ट्रम्प का यह बयान सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। इससे ही जुड़े एक वीडियो पर इलॉन मस्क ने 'रेड हार्ट' इमोजी कमेंट किया था।

ट्रम्प से जुड़ी अपनी पोस्ट हटा चुके हैं मस्क : मस्क पहले ट्रम्प के खिलाफ की गई अपनी कुछ पुरानी पोस्ट हटा चुके हैं। उन पोस्ट में ट्रम्प का रिश्ता एक यौन अपराधी एप्स्टीन से जोड़ा गया था। इसके अलावा ट्रम्प के महाभियोग की भी मांग की थी। इससे पहले डोनाल्ड ट्रम्प ने 7 जून को कहा था कि उनका इलॉन मस्क के साथ रिश्ता खत्म हो गया है। ह्वाइट न्यूज से बात करते हुए ट्रम्प ने मस्क को चेतावनी दी थी कि अगर विपक्षी डेमोक्रेट्स का साथ दिया तो गंभीर नतीजे भुगतने पड़ेंगे।

बिग ब्यूटीफुल बिल को लेकर भिड़े थे मस्क और ट्रम्प : ट्रम्प और मस्क 'बिग ब्यूटीफुल बिल' को लेकर आमने-सामने आ गए थे। ट्रम्प इस बिल के समर्थन में हैं, जबकि मस्क खिलाफ। यह बिल हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में 22 मई को सिर्फ 1 वोट के अंतर से पास हो चुका है। इसके समर्थन में 215 और विरोध में 214 वोट मिले थे। अब यह सीनेट में विचाराधीन है, जहां इसे 4 जुलाई 2025 तक पास किया जाना है। मस्क अब ट्रम्प के इस विधेयक के रास्ते में बड़ी रुकावट बनते दिख रहे हैं। ट्रम्प का दावा है कि यह 'देशभक्ति से भरा हुआ' कानून है। इसके पारित होने से अमेरिका में निवेश बढ़ेगा और चीन पर निर्भरता घटेगी। जबकि मस्क इसे पोर्क फिल्ड यानी कि बेकार खर्चों से भरा बिल मानते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस बिल को पास होने से रोकने के लिए मस्क ने रिपब्लिकन पार्टी के 3 सांसदों को अपनी तरफ कर लिया है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दर्दनाक विमान दुर्घटना में दिवंगतों को सूरत के कपड़ा व्यापारियों ने दी श्रद्धांजलि

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, 12 जून को अहमदाबाद में हुई भीषण विमान दुर्घटना से पूरा देश स्तब्ध और शोकाकुल है। इस दुखद हादसे में जिन निर्दोष नागरिकों ने अपने प्राण गंवाए, उन्हें श्रद्धांजलि देने के उद्देश्य से सूरत के कपड़ा व्यापारियों ने भावपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया।

फोस्टा के आह्वान पर सूरत शहर के विभिन्न प्रमुख कपड़ा मार्केट्स — जैसे कि रिंग रोड, सरोली, भागल आदि — में शाम 6ः30 बजे व्यापारीगण और मार्केट कमिटी के सदस्य एकत्रित हुए। सभी ने मौन रखकर दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि दी और उनकी शांति के लिए प्रार्थना की।

कार्यक्रम के दौरान शोकाकुल माहौल में व्यापारियों ने यह भी संकल्प लिया कि देश पर किसी भी प्रकार का संकट आने पर वे एकजुट होकर मानवीय भावनाओं के साथ समाज के साथ खड़े रहेंगे।

फोस्टा पदाधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार की आपदाओं में सामाजिक एकजुटता और संवेदनशीलता ही सबसे बड़ी शक्ति होती है। इसी भावना के तहत कपड़ा बाजार के व्यापारियों ने यह पहल की, जिससे जनमानस में संवेदना और सामूहिक सहयोग का संदेश जाए।

सूरत सिविल से एक और अंगदान

45 वर्षीय ब्रेन डेड महिला के लीवर और दोनों किडनी के दान से तीन लोगों को नया जीवन

यह सिविल अस्पताल से 66वां अंगदान है।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत की नई सिविल अस्पताल में 66वां सफल अंगदान संपन्न हुआ है। नवसारी जिले के जलालपुर के मोटीमेलण फलिया क्षेत्र की रहने वाली राठौड़ परिवार की ब्रेन डेड महिला की दो किडनी और एक लिवर दान किए गए, जिससे तीन जरूरतमंद मरीजों को नया जीवन मिलेगा।

मिली जानकारी के अनुसार, नवसारी जिले की 45 वर्षीय धनकीबेन छनाभाई राठौड़ खेती मजदूरी के दौरान गिर गई थीं, जिससे उनके सिर में गंभीर चोट आई थी। उन्हें पहले नवसारी सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के बाद उन्हें छुट्टी मिल गई थी। लेकिन कुछ दिनों बाद दोबारा बेचैनी महसूस होने पर उन्हें फिर से नवसारी सिविल में भर्ती किया गया।

धनकीबेन की हालत गंभीर होने पर 10 जून को उन्हें 108 एंबुलेंस के माध्यम से सूरत की नई सिविल अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में रेफर किया गया। तबीयत बिगड़ने पर उन्हें ढ्ढष्ट में शिफ्ट किया गया। दो दिन की गहन चिकित्सा के बाद 12 जून की देर रात ऋ्रह्व डॉ. केतन नायक, डॉ. निलेश काछड़िया, न्यूरोसर्जन डॉ. केयूर प्रजापति और न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. जय पटेल ने उन्हें ब्रेन डेड घोषित किया।

राठौड़ परिवार को सोटो टीम के डॉ. केतन नायक, डॉ. निलेश काछड़िया, गुजरात नर्सिंग काउंसिल के उपाध्यक्ष इकबाल कड़ीवाला और काउंसलर निर्मला काछुड़ ने अंगदान का महत्व समझाया। पति छनाभाई चूनाभाई राठौड़ ने दुःख की घड़ी में भारी मन से अंगदान के लिए सहमति दी। स्व. धनकीबेन की तीन बेटियाँ — जागूबेन, शारदाबेन, वनीताबेन और एक बेटा भूलाभाई हैं।

ब्रेन डेड धनकीबेन के लीवर और दोनों किडनी को अहमदाबाद की IKD हॉस्पिटल भेजा गया। नई सिविल अस्पताल के सफल प्रयासों के कारण 66वां अंगदान संभव हो पाया है।

इंटरनेशनल एयरपोर्ट को बाधा पहुँचाने वाली 6 इमारतें जस की तस

डिमोलेशन के लिए पत्र लिखने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

अहमदाबाद में हुए प्लेन क्रैश हादसे को लेकर हड़कंप मच गया है। इसी बीच, सूरत इंटरनेशनल एयरपोर्ट को बाधा पहुंचा रही 6 इमारतों को गिराने के लिए कलेक्टर द्वारा सूरत महानगर पालिका को पत्र लिखा गया था। इसके बावजूद स्थिति जस की तस बनी हुई है। एयरपोर्ट प्राधिकरण और कलेक्टर कार्यालय द्वारा कई बार इस मुद्दे की ओर ध्यान आकर्षित किया गया है। अहमदाबाद में हुए विमान हादसे के बाद सूरत एयरपोर्ट को बाधा पहुंचा रही इमारतों का मुद्दा फिर से सतह पर आ गया है।

सरकार की ओर से सूरत एयरपोर्ट को बिना मूल्य जमीन दिए जाने की बात कही जा रही है। दूसरी ओर, एयरपोर्ट अथॉरिटी लगातार जमीन की मांग रख रही है। जमीन के विवाद के बीच सूरत एयरपोर्ट को बाधा पहुंचा रही इमारतों का मुद्दा सामने आया है। सूरत एयरपोर्ट प्राधिकरण ने इन बाधक इमारतों को हटाने के लिए कलेक्टर को पत्र लिखा था। इस पत्र के संदर्भ में कलेक्टर डॉ. सौरभ पारघी ने पालिका आयुक्त शालिनी अग्रवाल को पत्र भेजकर अवैध निर्माण हटाने के निर्देश दिए थे। कलेक्टर द्वारा भेजे गए पत्र को लगभग डेढ़ महीना बीत जाने के बावजूद पालिका की ओर से अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

फ्लाइट के टेकऑफ और लैंडिंग के दौरान खतरा बन रही हाइराइज इमारतों के कारण रनवे को छोटा किया गया है। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (AAI) ने वेसू की ओर के 615 मीटर रनवे को ब्लॉक कर दिया है। फिलहाल एयरपोर्ट का रनवे कुल 2905 मीटर लंबा है, लेकिन 615 मीटर ब्लॉक कर दिए जाने के कारण अब केवल 2290 मीटर का रनवे ही ऑपरेशन के लिए उपलब्ध है।

सूरत में हुआ अजीबो-गरीब हादसा, एक के बाद एक 4 वाहन आगे-पीछे टकरा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर में एक बार फिर भयानक सड़क हादसे की घटना सामने आई है। भाटार से नवजीवन की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग पर 4 से 5 गाड़ियों और एक डंपर के बीच जबरदस्त टक्कर हो गई, जिससे ट्रैफिक पर भारी असर पड़ा। इस हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और ट्रैफिक जाम को हटाने का प्रयास शुरू किया गया।

इस दुर्घटना में अब तक किसी के गंभीर रूप से घायल होने की खबर नहीं है, हालांकि गाड़ियों को भारी नुकसान हुआ है। पुलिस ने हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है और सीसीटीवी फुटेज सहित अन्य सुरागों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

हादसे की वजह से आसपास की सड़कों पर भी वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। अब तक मिली जानकारी के अनुसार, स्थिति को समय रहते नियंत्रण में ले लिया गया था और फिलहाल स्थिति सामान्य हो रही है।

अडाजन के कवी कलापी गार्डन के

तालाब में मछलियों की मौत से फैली बदबू,लोग परेशान।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के अडाजन इलाके में स्थित लोकप्रिय कवी कलापी गार्डन के तालाब में बड़ी संख्या में मछलियों की मौत की घटना सामने आई है। मछलियों की मौत के बाद तालाब से असहनीय बदबू फैल रही है, जिसके चलते वॉकिंग के लिए आने वाले हजारों नागरिकों और पास में स्थित दाळिया स्कूल के विद्यार्थियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

सामाजिक कार्यकर्ता महेशभाई पटेल को जब तालाब की स्थिति को लेकर शिकायत मिली तो उन्होंने मौके पर जाकर जांच की। उन्होंने बताया कि तालाब का पानी बेहद गंदा है और उसमें कई मछलियों की मौत हो चुकी है। उन्होंने कहा, च्च्मैं एक पर्यावरण प्रेमी हूं और जब इस दुर्गंध की शिकायत मिली, तो तुरंत घटनास्थल पर पहुंचा। तालाब में गंदे नर्सरी के पानी छोड़े जाने के कारण यह स्थिति पैदा हुई है। मॉर्निंग वॉकर्स भी परेशान हैं, जिसके कारण अब लोग सुबह टहलने भी नहीं आ रहे हैं।ज्ज

तालाब के आसपास के इलाकों में रहने वाले निवासी भी परेशान हैं। स्थानीय निवासी नेनसिबेन ने बताया, ‘‘हम पिछले एक महीने से इस बदबू को सहन कर रहे हैं। तालाब का पानी गंदा हो गया है और इसका असर हमारे घरों तक हो रहा है। हम काफी समय से प्रशासन से शिकायत कर रहे हैं, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है।’’

दाळिया स्कूल में पढ़ने वाले छात्रों के लिए भी यह स्थिति स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने वाली बन गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि प्रशासन तुरंत कार्रवाई नहीं करता तो यह तालाब जलजनित रोगों का केंद्र बन सकता है। नागरिकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने प्रशासन से मांग की है कि तालाब की तुरंत सफाई करवाई जाए, पानी को शुद्ध किया जाए और मछलियों के जीवन के लिए फिर से उपयुक्त पर्यावरण तैयार किया जाए।

महिलाओं को अनैतिक कार्यों में फँसाने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

दमन पुलिस की सोशल मीडिया पर सक्रिय देह व्यापार रैकेट पर बड़ी कार्रवाई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

दमन, संवाददाता।

दमन पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए सोशल मीडिया के माध्यम से महिलाओं को अनैतिक कार्यों में शामिल करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई अनैतिक देह व्यापार की रोकथाम के तहत की गई।

विश्वसनीय सूत्रों से सूचना मिलने पर पुलिस को पता चला कि कुछ लोग सोशल मीडिया और अन्य ऑनलाइन माध्यमों से महिलाओं को वापी से दमन लाकर मनचाही जगहों पर भेजने का झांसा देते हैं, और वहां उनसे जबरन अनैतिक गतिविधियां करवाई जाती हैं। इस संगीन अपराध को अंजाम देने वालों के खिलाफ पुलिस ने विशेष टीम का गठन किया। जांच के दौरान पुलिस ने एक डमी ग्राहक के जरिए होटल XYZ में कमरा बुक कर, आरोपियों से संपर्क साधा। सौदे के अनुसार, Ne×a क्रॉस कार (गाड़ी नंबर GJ15CN8164) से दो व्यक्ति एक महिला को लेकर होटल पहुंचे। महिला को डमी ग्राहक के कमरे में भेजा गया। पूछताछ में महिला ने खुलासा किया कि उसे इन व्यक्तियों द्वारा जबरन आर्थिक लाभ के लिए अनैतिक कार्य करवाया जा रहा था।

मामले में कोस्टल पुलिस स्टेशन, कहैया में अनैतिक व्यापार निवारण अधिनियम 1956 की धारा 4, 5 और 7 के तहत अपराध दर्ज कर कार्रवाई की गई।

गिरफ्तार आरोपी इस प्रकार हैं:

1. दिलीप (पिता अमित बिसेस), उम्र 47 वर्ष
वर्तमान पता: खुशी एंटरप्राइज़ बिल्डिंग, मशाल चौक, नानी दमन
स्थायी पता: ग्राम पंचीता, जिला उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल
2. हसनूर (पिता जमन इस्माईल मंडल), उम्र 30 वर्ष
वर्तमान पता: झकारीया कॉम्प्लेक्स, कंसारवाड, नानी दमन
स्थायी पता: ग्राम नतीडंगा, जिला उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल

बरामदगी में शामिल:

तीन मोबाइल फ़ोन (विभिन्न कंपनियों के)

एक Ne&a क्रॉस कार (गाड़ी नंबर GJ15CN8164)

पुलिस आगे की जांच में जुटी है और इस रैकेट से जुड़े अन्य व्यक्तियों की तलाश जारी है।

दमन पुलिस की बड़ी कामयाबी

अंतरराज्यीय अमेजन पार्सल धोखाधड़ी गिरोह का पर्दाफाश, 5 आरोपी गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

दमन 7 संवाददाता

दमन पुलिस ने एक अंतरराज्यीय अमेजन पार्सल धोखाधड़ी गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों के कब्जे से 2.99 लाख की कीमत वाला Sony Bravia |z” yK Ultra HD LED TV बरामद किया गया है। गिरोह ऑनलाइन पार्सल के जरिए महंगे इलेक्ट्रॉनिक सामान की हेराफेरी करता था।

शिकायतकर्ता शमशेर अली (उम्र 34), हर्ष ट्रांसपोर्ट, करंबेली, गुजरात में सुपरवाइजर के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने 29 मई 2025 को नानी दमन पुलिस थाना में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके द्वारा भेजा गया एक हाई-वैल्यू अमेजन पार्सल (Sony Bravia |z” TV) डिलीवरी के दौरान बदला गया और उसमें पुराना Sam-sung LED TV डाल दिया गया।

शिकायत पर IPC की धारा 315(4), 303(2), 3(5) BNS 2023 के तहत मामला दर्ज किया गया। जिला पुलिस अधीक्षक व उप प्रभागीय पुलिस अधिकारी के मार्गदर्शन में एक विशेष टीम का गठन किया गया। CCTV फुटेज, तकनीकी साक्ष्य और मानवीय खुफिया जानकारी के आधार पर आरोपियों की पहचान की गई। पुलिस पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपी पहले अमेजन और अन्य कूरियर कंपनियों में कार्य कर चुके हैं और इसी अनुभव का उपयोग कर गिरोह बनाकर महंगे पार्सलों की हेराफेरी करते थे। सभी पांच आरोपियों को सूरत और राजस्थान से गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार आरोपी:

1. विजय राजाभाई बोलिया (26), सूरत – चोरी कर TV ले जाने वाला
2. विकाश मंगीलाल खातिक (24), सूरत – चोरी की TV को रखने वाला
3. रूपवटिया चिरागभाई मंसुखभाई (34), सूरत – TV बुक कराने वाला
4. मोहम्मद आरीफ (33), नानी दमन – डिलीवरी टेम्पो चालक
5. लाखाराम शांतिलाल पोलित (20), सिरोई, राजस्थान – गिरोह का मास्टरमाइंड

बरामदगी:

Sony Bravia |z” yK Ultra HD TV (कीमत 2,99,990/-)टेम्पो वाहन (डिलीवरी में प्रयुक्त)

नानी दमन पुलिस की तत्परता और सक्रियता से यह बड़ी सफलता मिली है। पुलिस आगे की जांच में जुटी है और गिरोह से जुड़े अन्य पहलुओं की पड़ताल जारी है।

सीमाड़ा चेकपोस्ट के पास 565 ग्राम अफीम के साथ नवसारी का युवक पकड़ा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत की सीमाड़ा चेकपोस्ट के पास सारोली पुलिस ने बीते दोपहर नवसारी के बारडोली रोड स्थित मेघदूत सोसायटी में ‘महाकाली हेयर आर्ट’ नाम से सैलून चलाने वाले मूल रूप से राजस्थान के युवक को 565 ग्राम अफीम के साथ पकड़ लिया। पुलिस ने कुल 1.79 लाख रुपये का माल जब्त किया। युवक खुद नशे का आदी है और बाड़मेर के एक व्यक्ति से अफीम लेकर आ रहा था, तभी पुलिस ने उसे पकड़ लिया।

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, सारोली पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बीते दोपहर सीमाड़ा चेकपोस्ट के आगे वलथाण-पुणा केनाल रोड स्थित मैत्रा के गोदाम के पास से जेशाराम मांगीलाल नाई (उम्र 47, निवासी प्रभाकुंज सोसायटी, मेघदूत सोसायटी के पास, बारडोली रोड, नसीलपुर GIDC, नवसारी, मूल निवासी – सिणली जागीर, वीदो का वास, तहसील पचपदरा, जिला बालोतरा, राजस्थान) को 1,69,500 रुपये मूल्य की 565 ग्राम अफीम के साथ गिरफ्तार किया।

नवसारी में बारडोली रोड मेघदूत सोसायटी में ‘महाकाली हेयर आर्ट’ नाम से सैलून चलाने वाला जेशाराम नाई स्वयं अफीम का नशा करता है। जब वह अपने गांव जाता है, तब वहां से अफीम लेकर आता है। हालांकि, पुलिस को इसकी सूचना मिल गई थी और उसे रंगे हाथों पकड़ लिया गया।

पुलिस ने उसके पास से अफीम और एक मोबाइल फोन मिलाकर कुल 1,79,500 का माल जब्त किया। वह अफीम की खेप बाड़मेर के दोलीकलां गांव में स्थित डोलीकला गोदारों की ढाणी में रहने वाले रमेश फगलू राम से लेकर आया था। सारोली पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर रमेश राम को वांछित (वॉन्टेड) घोषित कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले की आगे की जांच पूणा पुलिस थाने के पीआई जे. जे. हळवदिया द्वारा की जा रही है।